पौष मास, शुक्ल पक्ष 5, वर्ष 11, अंक 249, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

प्रयागराज, बुधवार, 28 दिसम्बर, 2022

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अंदर - बीएचयू के क्रांतिकारी : वीर करण बत्रा

अन्दर : एक दिनी विश्वकप में जगह बनाने के लिए सूर्यकुमार को बेहतर करना होगा प्रदर्शन

यूपी निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण रद्द

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने फौरन चुनाव कराने के दिए आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को शहरी स्थानीय निकाय चुनावों पर राज्य सरकार की मसौदा अधिसूचना को रद्द कर दिया और ओबीसी के लिए आरक्षण के बिना चुनाव कराने का आदेश दिया है। यह फैसला जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस सौरव लवानिया की खंडपीठ ने सुनाया।

ओबीसी आरक्षण खत्म रद्द किए जाने के फैसले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि सरकार पिछड़ों का हक दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। वहीं, सपा ने भाजपा पर कोर्ट में कमजोर पैरवी करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान जारी कर कहा है कि प्रदेश सरकार नगरीय निकाय चुनाव के लिए आयोग गठित कर ट्रिपल टेस्ट के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के नागरिकों को आरक्षण की सुविधा उपलब्ध कराएगी। इसके बाद ही

फैसला

सीएम योगी ने कहा- जरूरत पड़ी तो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

सामान्य मानी जाएंगी ओबीसी के लिए आरक्षित सभी सीटें

निकाय चुनाव सम्पन्न कराया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो राज्य सरकार उच्च न्यायालय के निर्णय के क्रम में तमाम कानूनी पहलुओं पर विचार कर- के सर्वोच्च न्यायालय में अपील भी करेगी।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन किए बिना ओबीसी आरक्षण के मसौदे को तैयार करने को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं के बाद यह फैसला आया है। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने मंगलवार को 70 पेजों का फैसला सुनाया है। फैसले के बाद ओबीसी के लिए आरक्षित सभी सीटें अब जनरल

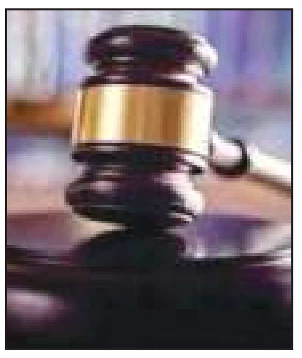

(सामान्य) मानी जाएंगी। हाईकोर्ट ने इस फैसले के साथ ही तत्काल निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को बताया था कि वह शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) चुनावों में ओबीसी आरक्षण प्रदान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूले का पालन कर रही है। लेकिन कोर्ट में दर्ज याचिकाओं में कहा गया कि सरकार ने ओबीसी आरक्षण जारी करने के लिए ट्रिपल टेस्ट फॉमूर्ला नहीं अपनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला के मुताबिक राज्य को एक कमीशन बनाना होगा जो अन्य पिछड़ा वर्ग की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट देगा और जिसके आधार पर आरक्षण लागू होगा। आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट यानी 3 स्तर पर मानक रखे जाएंगे जिसे ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला कहा गया है। इस टेस्ट में देखना होगा कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की आर्थिक-शैक्षणिक स्थिति क्या है? उनको आरक्षण देने की जरूरत है या नहीं? उनको आरक्षण दिया जा सकता है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि ओबीसी आरक्षण के लिए तय शर्तों को पूरा किए बिना आरक्षण नहीं मिल सकता है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कोर्ट के फैसले के बाद कहा कि इसकी समीक्षा करेंगे और हम हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहते हैं, हम हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाले लोग हैं। वहीं इस मामले को लेकर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम पिछड़ों के हक के लिए हमेशा लड़ने को तैयार हैं। उनके इस बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य पिछड़ों को हक नहीं दिला सकते हैं। बीजेपी सरकार दलितों का आरक्षण भी छीन लेगी।

रामगोपाल यादव ने फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण कहा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मामले पर ट्वीट कर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि आज आरक्षण विरोधी भाजपा निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के विषय पर घड़ियाली सहानुभूति दिखा रही है। आज भाजपा ने पिछड़ों के आरक्षण का हक छीना है। कल भाजपा बाबा साहब द्वारा दिए गये दलितों का आरक्षण भी छीन लेगी। मायावती ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह फैसला भाजपा की आरक्षण विरोधी मानसिकता को दिखाता है।

सपा नेता रामगोपाल यादव ने सरकार पर कोर्ट में ठीक से पैरवी न करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खत्म करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। यह उत्तर प्रदेश सरकार की साजिश है। जानबूझकर तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए गए।

यूपी के मंत्री बोले- बिना आरक्षण निकाय चुनाव ठीक नहीं

अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि ओबीसी आरक्षण के बिना निकाय चुनाव किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हैं। हम इस संदर्भ में लखनऊ उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का अध्ययन कर रहे हैं। जरूरत पड़ी तो अपना दल (एस) ओबीसी के हक के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा।

'अफगान' बना 'शुक्ला' मुंडेरा हुआ चौरी-चौरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शहरों के नाम बदलने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को यूपी की योगी आदित्यनाथ की सिफारिश पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गोरखपुर और देवरिया के एक-एक जगह का नाम बदलने पर सहमति जता दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर जिले में आने वाले नगर पालिका परिषद मुंडेरा बाजार का नाम बदलकर चौरी-चौरा किया गया है। वहीं देवरिया के तेलिया अफगान गांव का नाम 'तेलिया शुक्ल' कर दिया गया है। इसके लिए मंत्रालय से एनओसी भी जारी कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में साल 2012 से 2022 के बीच दस सालों में 11 जिलों के नाम बदले गए हैं। इनमें से 9 नामों को अखिलेश यादव की सरकार में बदले गए जबकि बाकी दो नाम योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में चेंज किए गए हैं। योगी सरकार में भी 12 अन्य जिलों और शहरों करे नाम बदलने की तैयारी चल रही है। इसमें अलीगढ़ को आर्यगढ़, संभल को पृथ्वीराज नगर, फरुर्खाबाद को पांचाल

सहमति

दो जगहों के नाम बदलने के प्रस्ताव पर योगी सरकार की मुहर

नगर, सुलतानपुर को कुशभवनपुर, फिरोजाबाद को चंद्र नगर, आगरा को अग्रवन, मैनपुरी को मयनपुरी, गाजीपुर को गढ़ीपुरी, देवबंद को देववृंदपुर, रसूलाबाद को देवगढ़ और सिकंदरा को आदर्शनगर करने की चर्चा है।

किसी भी शहर या जिले का नाम बदलने के लिए राज्य सरकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को प्रस्ताव भेजती है। इसके बाद गृह मंत्रालय इन प्रस्तावों पर संबंधित एजेंसियों से सलाह लेता है। इसके साथ ही नाम बदलने के लिए रेल मंत्रालय, डाक विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से भी परामर्श लिया जाता है। उनसे सहमति मिलने के बाद नाम बदलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी कि एनओसी जारी कर दिया जाता है। इसके बाद राज्य सरकार संबंधित जगह का नाम बदलने के लिए कार्यकारी आदेश जारी करती है।

दिल्ली में रेखा गुप्ता भाजपा की होंगी मेयर प्रत्याशी

नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी मेयर चुनाव के लिए भाजपा ने भी अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी की मेयर प्रत्याशी शैली ओबरॉय के सामने भाजपा ने रेखा गुप्ता को चुनाव मैदान में उतारा है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग से तीन बार पार्षद पद का चुनाव जीत चुकी हैं। इसबार उन्होंने शालीबार बाग पार्षद चुनाव में अअढ की इशुप्रीत गुजराल और कांग्रेस की मोना शौकीन को हराया।

भाजपा ने दिल्ली मेयर चुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन उनके नाम का ऐलान किया। रेखा गुप्ता इससे पहले भी नगर निगम में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुकी हैं। रेखा गुप्ता ने दिल्ली के दौलत राम कॉलेज से ग्रेजुएशन

किया है। वह दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ की अध्यक्ष और जनरल सेक्रेटरी भी रह चुकी हैं। इसके अलावा रेखा गुप्ता दिल्ली भाजपा संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर भी काम कर चुकी हैं। भाजपा ने डिप्टी मेयर चुनाव के लिए कमल बागड़ी के नाम का ऐलान किया है। वह राम नगर वार्ड से पार्षद हैं। डिप्टी मेयर पद के लिए कमल बागड़ी का मुकाबला आम आदमी पार्टी के आले मोहम्मद इकबाल से होगा। आले मोहम्मद इकबाल तीसरी बार चांदनी महल वार्ड से पार्षद चुने गए हैं।

एमसीडी

डिप्टी मेयर चुनाव के लिए कमल बागड़ी के नाम का ऐलान

तुनिषा शर्मा का हुआ अंतिम संस्कार

मीरा रोड। टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा का मंगलवार को अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सबकी आँखें नम थी। तुनिषा के मामा ने तुनिषा का अंतिम संस्कार किया। इस दौरान अपनी इकलौती बेटी को देख उनकी मां का रो-रोकर बुरा हाल था। अपनी बेटी के दुख में उनकी मां बेहोश भी हो गईं जिन्हें किसी तरह परिवार के लोगों ने संभाला। मुंबई से सटे मीरा रोड इलाके के गोड़देव शमशान घाट में जब तुनिषा शर्मा का पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए लाया गया तब वहां शीजान खान की मां और बहनें भी तुनिशा शर्मा को अंतिम विदाई देने पहुंची। इस दौरान उन तीनों ने तुनिषा की मौत पर दुख जाहिर किया। आपको बता दें कि टीवी सीरियल अली बाबा : दास्तान-ए-काबुल में शहजादी मरियम के किरदार में नजर आने वाली टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा ने 24 दसिंबर को मुंबई में टीवी सीरियल के सेट पर अपने को एक्टर शीजान के मेकअप रूम में फांसी लगा लिया था।

बगैर ओबीसी आरक्षण के फंस सकता है पेंच

हाइकोर्ट के फैसले के बाद एक अहम बैठक कर सकती है उप्र सरकार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को बड़ा झटका देते हुए निकाय चुनावों के लिए 5 दिसम्बर को जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि यूपी सरकार को निकाय चुनावों को बिना ओबीसी आरक्षण के ही कराए। यह निर्णय न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की खंडपीठ ने इस मुद्दे पर दाखिल 93 याचिकाओं पर एक साथ पारित किया। हाईकोर्ट के यूपी सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकती है, क्योंकि बगैर ओबीसी आरक्षण के चुनाव कराना मुश्किल होगा। चुनाव हो गए तो आगे कानूनी पेच फंसेगा। चर्चा शुरू हो गई है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर हाइकोर्ट के फैसले के बाद सरकार एक अहम बैठक कर सकती है। जिसमें आगे की रणनीति पर फैसला होगा।

हाईकोर्ट के निर्णय का महत्वपूर्ण अंश

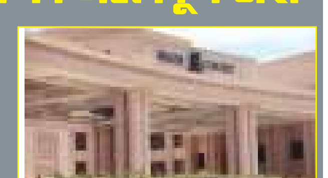

- हाईकोर्ट ने 5 दिसम्बर 2022 का राज्य सरकार द्वारा जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन रद कर दिया है जिसके तहत ओबीसी आरक्षण तय करते हुए, चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई थी।
- हाईकोर्ट ने 12 दिसम्बर 2022 का वह शासनादेश भी निरस्त कर दिया है जिसके तहत निकार्यो के बैंक अकाउंट प्रशासकीय अधिकारियों द्वारा संचालित करने की अनुमति दी गई थी।
- हाईकोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि चूंकि ट्रिपल टेस्ट किए बिना ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जा सकता और ट्रिपल टेस्ट में काफी व्यक्त लग सकता है जबकि निकार्यो के कार्यकाल 31 जनवरी 2023 तक समाप्त हो रहे हैं लिहाजा सरकार निकाय चुनावों की अधिसूचना तत्काल जारी करे। एससी-एसटी आरक्षण के सिवा सभी सीटें सामान्य होंगी। यह भी स्पष्ट किया है कि संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक महिला आरक्षण दिए जाएं।
- यह भी स्पष्ट किया है कि यदि नए निर्वाचित निकायों के गठन के पूर्व वर्तमान निकायों का कार्यकाल समाप्त हो जाता है तो निकाय का कामकाज तीन सदस्यीय कमेटी देखेगी जिसमें डीएम, अधिशासी अधिकारी या म्युनिसिपल कमिश्नर तथा एक जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। यह कमेटी कोई बड़ा नीतिगत निर्णय नहीं ले सकेगी।

क्या है ट्रिपल टेस्ट फॉर्मूला

सुप्रीम कोर्ट ने निकाय चुनावों के लिए ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए एक फॉर्मूला दिया था। इसे ट्रिपल टेस्ट फार्मूला कहा गया। सबसे पहले स्थानीय निकायों में पिछड़ेपन की प्रकृति को लेकर अनुभवजन्य जांच के लिए एक आयोग की स्थापना की जाए। यह आयोग निकायों में पिछड़ेपन की प्रकृति का आकलन करेगा और सीटों के लिए आरक्षण प्रस्तावित करेगा। आयोग की सिफारिशों के आलोक में स्थानीय निकायों द्वारा ओबीसी की संख्या का परीक्षण कराया जाए और उसका सत्यापन किया जाए। इसके बाद ओबीसी आरक्षण तय करने से पहले यह ध्यान रखा जाए कि एससी-एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुल आरक्षित सीटें 50 फीसदी से ज्यादा न हों।

अगले साल यूपी में होगा युवा खिलाड़ियों का महाकुंभ

लखनऊ। यूपी में 2023 में नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स होने हैं। यह देश के युवा खिलाड़ियों का महाकुंभ जैसा आयोजन है। इसमें करीब 8000 खिलाड़ी और अन्य स्टाफ भाग लेंगे। यह पिछले आयोजन की तुलना में करीब दोगुना है। करीब दो दर्जन खेलों में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

नेशनल यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करेगा प्रदेश

आयोजन को दिव्य एवं भव्य बनाने के लिए जोर-शोर से तैयारियां जारी हैं। प्रयास यह किया जा रहा है कि मेहमानों की मेजबानी हर लिहाज (रहने, खाने, परिवहन, खेलों के मैदान) से ऐसी हो कि यहां आए खिलाड़ी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की छवि साथ लेकर जाएं। इन्हीं मुद्दों को केंद्र में रखकर इस बाबत शासन स्तर पर अभी 22 दिसंबर को उच्चस्तरीय बैठक भी हुई थी। इसमें विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल, भारतीय खेल प्राधिकरण के निदेशक संदीप प्रधान, खेलो इंडिया की सीनियर निदेशक एकता विश्नोई के अलावा जिलों के भी खेल अधिकारी मौजूद थे। अप्रैल-मई तक लखनऊ में एक खेल गांव बस जाएगा। इस गांव में हर तरह एवं हर रेंज के चिकेन के कपड़े समेत लखनऊ की पहचान से जुड़े स्टॉल लगेंगे।

कश्मीर में तिरंगा फहराएगी कांग्रेस

घोषणा

फारूक अब्दुल्ला और महबूबा होंगे साथ

श्रीनगर। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 9 दिन के ब्रेक पर है। भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी 2023 से फिर शुरू होकर जम्मू-कश्मीर में खत्म होगी। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों को लेकर कांग्रेस महासचिव और प्रभारी संगठन केसी वेणुगोपाल और कांग्रेस प्रभारी जम्मू-कश्मीर रजनी पाटिल ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उनके साथ राहुल गांधी के सुरक्षा सलाहकार केबी बायजू भी थे। उपराज्यपाल सिन्हा से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा नेशनल पदयात्रा है। हम कश्मीर में

तिरंगा फहराएंगे। हमने एलजी से मुलाकात की उन्होंने हर तरह के सहयोग की बात कही है। भारत जोड़ो यात्रा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला उमर अब्दुल्ला पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और सीपीएम नेता मोहम्मद यूसुफ तारिगामी भी शामिल होने वाले हैं। इस बीच महबूबा ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की सराहना की। महबूबा ने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि पिछले 8 वर्षों के दौरान सरकार ने इस देश की सभी नींव हिला दी है और इस कमजोर कर दिया है लेकिन राहुल गांधी देश की नींव को बचाने के लिए निकले हैं। कांग्रेस महासचिव और प्रभारी संगठन वेणुगोपाल ने ट्वीट कर मुलाकात की जानकारी साझा की है। वेणुगोपाल ने ट्वीट में लिखा कि भारत जोड़ो यात्रा अपने अंतिम गंतव्य जम्मू-कश्मीर की ओर बढ़ रही है।

बाघों के लिए काल बना दिसंबर 2022 में अब तक 13 बाघों की मौत

नई दिल्ली। दिसंबर 2022 में 13 बाघों की मौत हुई है जो बीते माह की तुलना में दोगुना से अधिक है। इन बाघों में पांच बाघ अभयारण्य के अंदर ही मारे गए गए। सितंबर में कुल पांच बाघों की मौत हुई थी। इस तरह देश में इस साल मरने वाले बाघों की संख्या बढ़कर 112 हो गई है। इसकी जानकारी केंद्र की एजेंसी राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों से सामने आई है। इससे संबंधित रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर में बाघों की मौत होने के मामले केरल कर्नाटक तमिलनाडु महाराष्ट्र मध्य प्रदेश और असम से आए हैं।इसमें सबसे अधिक मामले महाराष्ट्र से संबंधित हैं।इसमें सात नर बाघ दो मादा बाघ और चार इसतरह के बाघ हैं जिनकी पहचान नहीं हुई है। इन बाघों में छह बाघ अभयारण्य क्षेत्र से बाहर और सात अभयारण्य क्षेत्र के अंदर ही मरे पाए गए।

कोरोना के खतरे का हमें आभास

बोले स्वास्थ्य मंत्री

तैयारियों को परखने को किया मॉक ड्रिलः मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली। चीन समेत कुछ देशों में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते केस के बीच देश में करीब-करीब हर राज्यों में अलर्ट की स्थिति है। संभावित महामारी को लेकर आज देशभर में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी की स्थिति पैदा होने पर राजधानी के कुछ अस्पतालों में बेड और चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता समेत अन्य तैयारियों का आकलन करने को आज मंगलवार मॉक ड्रिल कराया गया। यह मॉक ड्रिल पूरे देश में कराई गई। मॉक ड्रिल पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर मनसुख मंडाविया ने कहा कि कोरोना

के खतरे का हमें आभास है ऐसे में अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए यह मॉक ड्रिल किया जा रहा है डॉक्टर मनसुख मंडाविया ने कहा कि ह्यदेश भर में सभी कोविड अस्पतालों में आज मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। देश में अभी कोरोना के मामले ज्यादा नहीं हैं लेकिन पीएम मोदी ने हमें सावधान रहने को कहा है। सरकार भी तैयारी कर रही है अगर कहीं पर कोविड मामले बढ़ते हैं तो लोगों को उचित इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। इसलिए ऐसे में यह मॉक ड्रिल जरुरी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार कोरोना की पहली और दूसरी लहर में भारत सरकार ने एक बड़ा हेल्थ इंफ्रास्ट्रकचर खड़ा किया है। कोविड केस कम होने के बाद इस इंफ्रास्ट्रक्रर को सामान्य अस्पताल में मरीजों के लिए शिफ्ट कर दिया गया था। इस तरह के मॉक ड्रिल का मकसद यह भी है कि यदि जरुरत पड़े तो किस तरह से उस हॉस्पिटल के इंफ्रास्ट्रकचर को कोविड के लिए शिफ्ट कराया जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हॉस्पिटल इंफ्रास्ट्रकचर की रिएलिटी चेक करने के लिए देश के तमाम बड़े अस्पतालों को कहा।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर सदन में प्रस्ताव पारित

नागपुर। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया जिसके मुताबिक कर्नाटक राज्य में बेलगाम कारवार निप्पनी समेत कई इलाकों में 865 मराठी भाषी गांव होने की बात कही है। प्रस्ताव में कहा गया है कि राज्य सरकार 865 गांवों और बेलगाम (जिसे बेलगावी भी कहा जाता है) कारवार निपाणी बीदर और भाल्की शहरों में रह रहे मराठी भाषी लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। राज्य सरकार कर्नाटक में 865 मराठी भाषी गांवों और बेलगाम कारवार बीदर निपाणी भाल्की शहरों की एक-एक इंच जमीन अपने में शामिल करने के मामले पर उच्चतम न्यायालय में कानूनी रूप से आगे बढ़ेगी। इन गांवों का एक-एक इंच इलाका महाराष्ट्र में लाया जाएगा और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में जो भी आवश्यकता होगी महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र विस

कर्नाटक को एक इंच जमीन नहीं देंगेः फडणवीस

करेगी। प्रस्ताव में महाराष्ट्र सरकार ने मराठी बोलने वाले लोगों और विवादित क्षेत्र को लिए गए कर्नाटक सरकार के फैसलों की भी निंदा की है। ये प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए कर्नाटक के साथ विवाद वाले सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के साथ मजबूती से खड़े रहने की बात कही। मराठी भाषी गांवों को अपने साथ मिलाने के अपने दावे को दोहराते हुए शिंदे ने कहा कि कर्नाटक में 865 मराठी भाषी गाव हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि वो सीमा पर बसे मराठी लोगों के साथ खड़ी है और यह सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई भी लड़ेगी ताकि ये इलाके महाराष्ट्र में शामिल किए जा सकें। महाराष्ट्र सरकार द्वारा पारित किए जाने वाले इस प्रस्ताव में सीमावर्ती इलाकों पर रहने वाले लोगों के प्रति कर्नाटक प्रशासन के रवैए का भी विरोध किया गया है।

इसमें कर्नाटक सरकार के विवादित सीमावर्ती इलाके में रहने वाले मराठी भाषी लोगों के विरोध और उन्हें धमकाने की भी आलोचना की गई है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद सीमा विवाद शुरू नहीं हुआ। हमारी सरकार कर्नाटक में मराठी भाषी लोगों के प्रति न्याय सुनिश्चित करने के लिए जो कुछ भी कर सकती है वह करेगी।

हमने इस प्रस्ताव का समर्थन किया: उद्धव ठाकरे

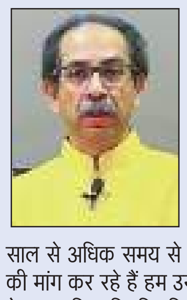

मंगलवार को महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर महाराष्ट्र विधानसभा में पास हुए प्रस्ताव पर पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमने इस प्रस्ताव का समर्थन किया महाराष्ट्र के पक्ष में जो भी होगा हम उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारे कुछ सवाल हैं। दो साल से अधिक समय से सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग महाराष्ट्र में शामिल होने की मांग कर रहे हैं हम उनके बारे में क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने जवाब दिया कि विवादित क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित नहीं किया जा सकता जैसा कि 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था। हालांकि स्थिति अब वैसी नहीं है। कर्नाटक सरकार इसका पालन नहीं कर रही है। वे वहां विधानसभा सत्र कर रहे हैं जिसका नाम बेलगावी रखा गया है इसलिए हमें सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट से विवादित क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करे के लिए कहना चाहिए।

बांबे हाईकोर्ट ने खारिज की बेल पर रोक लगाने वाली सीबीआई की याचिका

मुंबई। उद्धव ठाकरे सरकार में गृह मंत्री रहे अनिल देशमुख का करीब एक साल बाद जेल से बाहर निकलना तय हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनकी बेल पर रोक लगाने की मांग वाली सीबीआई की याचिका खारिज कर दी है। जेल सूत्रों का कहना है कि अब अनिल देशमुख कल सलाखों से बाहर आना तय हो गया है। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 दिसंबर को देशमुख की बेल पर 27 दिसंबर तक के लिए स्टे लगा दिया था। दरअसल सीबीआई ने देशमुख की बेल पर रोक जारी रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट में उसकी अर्जी पर सुनवाई ही नहीं हो सकी। इस बीच आज अनिल देशमुख की बेल पर रोक की अवधि समाप्त हो रही है। अब उन्हें कल जेल से रिहाई मिल सकती है। दरअसल 12 दिसंबर को बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस एमएस कार्णिक की बेंच ने अनिल देशमुख की बेल अर्जी मंजूर कर ली थी।

पीएम के छोटे भाई प्रह्लाद कार दुर्घटना में घायल

बेटे और बहू भी जख्मी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रह्लाद मोदी मंगलवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। यह हादसा कर्नाटक के मैसूर में उस समय हुआ जब वह अपने परिवार वालों के साथ जा रहे थे। कार में उनकी पत्नी बेटा और बहू भी मौजूद थे। बताया जाता है कि दुर्घटना में उनके बेटे और बहू को गंभीर चोटें आई हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा मंगलवार दोपहर पौने 2 बजे के आसपास हुआ। बांदीपुर के रास्ते में प्रह्लाद मोदी की कार डिवाइडर से टकरा गई। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की जो तस्वीर सामने आई है उसमें देखा जा सकता है कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए हैं।

संक्षेप

दो वांछित दुराचारी गिरफ्तार, भेजे गए जेल, अपहरण किशोरी बरामद

मऊआइमा। एक युवती और एक किशोरी का अलग अलग गांवों में अपहरण कर उसके साथ दुराचार करने वाले दो अलग अलग दुराचारी को मऊआइमा पुलिस ने दबोच कर जेल भेज दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किरांव निवासनीय एक चौदह वर्षीय किशोरी का एक दिन पहले एक युवक अपहरण कर ले गया और उसके साथ दुराचार किया। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर डाक्टरी चेकअप के लिए भेज कर आरोपी मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद इदरीश उर्फ छुटका दहियावां बाजार थाना होलागढ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि ग्राम बुआपुर निवासनीय एक युवती की शादी थरवई के एक युवक से तय होने के बाद वह युवती से बलात्कार करता रहा। बाद में जी भर जाने पर शादी से इंकार कर दिया था। युवती ने मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मऊआइमा पुलिस ने ग्राम लहुतारा थाना थरवई निवासी दुराचारी सुमित कुमार पुत्र राज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सड़क हादसे में किशोरी की मौत सीमेंट लदे ट्रक ने कुचला

बारा। चित्रकूट-प्रयागराज हाईवे पर मंगलवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में कक्षा छह की छात्रा की मौत हो गई। यह हादसा बारा थाना क्षेत्र के सेंहुड़ा बाजार के नजदीक हुआ। बताया जाता कि छात्रा अपनी मां के साथ बाजार खरीदारी करने गई थी। इसी दौरान वह ट्रक की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बारा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चीरघर भेजा।

जानकारी के मुताबिक बारा थाना क्षेत्र के गोंदिया का पूरा, सेंहुड़ा निवासी संग्राम यादव की 12 वर्षीय बेटी रिशु उर्फ बड़की कक्षा छह की छात्रा थी। घरेलू सामान खरीदने के लिए रिशु अपनी मां के साथ स्थानीय बाजार गई थी। बताया जाता है कि घर से निकलकर दोनों आटो पर बैठकर बाजार पहुंची, जहां आटो से उतरने के बाद मां किराया देने लगी, जबकि बेटी रिशु सड़क पार करने लगी। इसी दौरान वह चित्रकूट की तरफ से आ रहे बालू लदे ट्रक की चपेट में आकर काल कवलित हो गई।

एसओ बारा ने बताया कि ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आने से रिशु की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसे अस्पताल ले जाने का भी मौका नहीं मिला। हादसे के बाद राहगीरों ने शोर मचाया तो मां को इस हादसे की जानकारी हो पाई। देखते ही देखते मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया। सूचना पर एसओ बारा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर चीरघर भेजा। इस हादसे की वजह से मौके पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

संदिग्ध हालात में किशोरी फांसी के फंदे से झूल कर की आत्म हत्या, मचा कोहराम

मऊआइमा। मऊआइमा में एक किशोरी घर के अन्दर संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे पर झूल कर आत्म हत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय अतन उर्फ नौगिरा निवासी विशसा कुमार की 17.वर्षीय पुत्री पारूल सोमवार की रात में भोजन आदि करके सो गयी। मंगलवार को सुबह परिजन उठे तो पारूल को फांसी के फंदे पर झूलता देख परिजनों में कोहराम मच गया और रो रो कर बुरा हाल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। किशोरी किन कारणों से फांसी लगाई यह परिजन नहीं बता पा रहे हैं। वैसे गांव में तरह तरह की चर्चा व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही बता पाए गें। वैसे परिजनों का किसी पर कोई आरोप नहीं है।

श्रीमती डी.सिंह इंटर कॉलेज में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

नैनी। श्रीमती डी. सिंह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज दूरवाणी नगर नैनी में छात्र- छात्राओं के लिए दो दिवसीय शिविर लगाया गया। जिसमें उनको शैक्षिक एवं बौद्धिक जानकारियां दी गई। शिविर को टेंट लगाकर बनाया गया। जिसके अंदर पैरा और बिस्तर लगाकर छात्र-छात्राओं के रहने के लिए अलग-अलग व्यवस्था कराई गई थी। शिविर में पुराने जमाने के हिसाब से ढीवरी और लालटेन का प्रयोग किया गया। दो दिवसीय शिविर में उनको घर और समाज में रहने के तौर तरीके के विषय में जानकारियां दी गई। शिविर मैं छात्र- छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, योगाभ्यास और स्पाइडर क्लासेज कराया गया। शिविर में तकरीबन 70 की संख्या में छात्र-छात्राओं की मौजूदगी रही। शिविर के संयोजक अनुज शर्मा और नरेंद्र सिंह रहे। इस कार्यक्रम में दिव्या साहनी सुनीता भारती का सहयोग काफी सराहनीय रहा।

आरआरबी पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल उत्सव में विजेता खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

नैनी। मंगलवार को आरआरबी पब्लिक स्कूल, बालापुर, करछना में वार्षिक खेल उत्सव मनाया गया। जिसमें अर्जुन अवार्डी बैडमिंटन खिलाड़ी अभिन श्याम गुप्ता मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन पिंकेश मिश्रा के सानिध्य में किया गया। जिसमें वॉलीबॉल, कबड्डी, शॉट पुट, लंबी कूद, खो-खो सहित विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छोटे छोटे बच्चों ने भी अपनी आकर्षक रंगारंग प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्रबंधक राजेश मिश्रा एवं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनु महरोत्रा ने वॉलीबॉल, कबड्डी, शॉट-पुट आदि खेलों के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। आशीष शर्मा, श्रीमती स्तुति तिवारी, अनमोल, अभिषेक, कुमारी अंजना, विपिन के संरक्षण में विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों में उत्कृष्ट अनुशासन बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों के साथ अतिथिगण

खेलकूद के परिणाम इस प्रकार रहे। क्रिकेट - मैन ऑफ द मैच अनुज यादव कक्षा 11, शॉट पुट बालक वर्ग 6 से 8- शिवांश, शॉट पुट बालिका वर्ग 6 से 8 - श्रीजी, शॉट पुट बालिका कक्षा 9 से 11- निशि शुक्ला, शॉट पुट बॉयज 9 से 11 - आदर्श कोटर्या, 100 मीटर दौड़ बालक आर्यन सिंह, 100 मीटर दौड़ बालिका - वैष्णव सिंह, 200 मीटर दौड़ बालक - सुमित जायसवाल, 200 मीटर दौड़ बालिका- प्रिया शुक्ला, क्रिकेट मैन ऑफ द मैच- अनुज यादव, लंबी छलांग लगाने वाली लड़कियां- कक्षा 6 से 8 - श्रेया, लंबी कूद बालक वर्ग 6 से 8 - आलोक उपस्थित रहे।

बीडीओ बहरिया को मिली जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

धमकी

रंगदारी न देनें पर बीडीओ बहरिया से हुई झड़प

बहरिया। ब्लाक बहरिया के खंड विकास अधिकारी कार्यालय में आकर एक तथाकथित आरटीआई कार्यकर्ता जबरन आकर खंड विकास अधिकारी से गाली-गलौज करनें लगा जिसका विरोध करनें पर युवक नें खंड विकास अधिकारी बहरिया को जान से मारनें की धमकी देते हुए फरार हो गया। खंड विकास अधिकारी बहरिया श्रीश गुप्ता नें यह लिखित तहरीर देते हुए बताया कि मगंलवार सुबह करीब 11 बजे दयाशंकर यादव पुत्र जगदीश प्रसाद व अपनें साथी मनोज कुमार मिश्रा उर्फ मामा पुत्र राम सुमेर निवासी उधोपुर खगिया थाना मऊआइमा विकास खंड बहरिया अचानक हमारे कार्यालय में घुस आये और मेरे द्वारा कारण पूंछने पर वह गाली गलौज करनें लगा जब हमनें इसका विरोध किया तो वह हमसे हाथापाई करनें पर उतारू हो गया। जब तक कार्यालय के और कर्मचारी आते तब तक यह युवक हमें जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। खंड विकास अधिकारी बहरिया का कहना है कि उस तथाकथित आरटीआई कार्यकर्ता का कहना था। कि हमें बीस हजार रुपए महीना रंगदारी आपको देना पड़ेगा यदि आपने हमें बीस हजार रुपए महीना नहीं दिया तो आपको जान से हाँथ धोना पड़ेगा। मैं हर वक्त अपनें साथ असलहा लेकर चलता हूं । तुम्हे व तुम्हारे ब्लॉक प्रमुख शशांक मिश्रा को जान से मार दूंगा। जिसकी लिखित तहरीर खंड विकास अधिकारी बहरिया नें लिखित रूप से थाना अध्यक्ष बहरिया को दी। तहरीर मिलते ही थाना अध्यक्ष बहरिया नें विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सेंटा क्लाज की भूमिका में बच्चे ने मोहा मन

नैनी। नैनी क्षेत्र में क्रिसमस के त्योहार का उत्साह कई दिन पहले से ही देखा जा रहा है। इस त्योहार पर जहां एक ओर स्कूल कालेज एवं संस्थानों में क्रिसमस जलसा आदि आयोजित हो रहे हैं, वहीं पर दूसरी तरफ घरों में अपने मासूम नौनिहालों को भी क्रिसमस के लिए सेंटा क्लाज की भूमिका में तैयार किया जा रहा है।

शहीद को याद कर दी गई श्रद्धांजलि

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पड़िला के डीआईजी प्रभाकर त्रिपाठी के निर्देशन में सहायक कमांडेंट सुभाष चंद्र यादव अपनी टीम के साथ शहीद कांस्टेबल ड्राइवर रवि शंकर यादव के पैतृक गांव मदरा मुकुंदपुर डांडी थाना मेजा में सीआरपीएफ के अधिकारी पहुंचकर सहादत सम्मान पुष्प अर्पण समारोह में शहीद ड्राइवर कांस्टेबल रवि शंकर यादव के चित्र पर पुष्प गुच्छ अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई रवि शंकर यादव 25 दिसंबर 1998 को इंफाल मणिपुर में तैनाती के दौरान ऑपरेशन ड्यूटी में बम विस्फोट होने से शहीद हुए थे। इस शहादत सम्मान समारोह में सहायक कमांडेंट सुभाष चंद्र यादव ने उनके परिजनों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर रामलाल मिश्र सहित आदि कार्मिकों ने भी शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व संभ्रांत लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

इफको में निविदाकारों के लिए हुआ हेल्पडेस्क का उद्घाटन

इफको निविदाकारों को सम्बोधित करते इकाई प्रमुख संजय कुदेशिया

फूलपुर। निविदाकार इफको का अभिन्न अंग हैं। उनके हितों की रक्षा करते हुए उनकी समस्याओं का एक छत के नीचे निदान करना हम अपना दायित्व समझते है। यह बातें सोमवार को इफको में निविदाकारों के लिए हेल्पडेक्स का उद्घाटन करते हुए बतौर मुख्य अतिथि संजय कुदेशिया ने कही। इफको के वित्त प्रमुख इसके सिंह ने कहा कि निविदाकारों को जीएसटी, आयकर सेवा, बीमा सेवा, बैकिंग सेवा आदि सेवा बाजार से दस प्रतिशत की रियायत के साथ एक छत की नीचे सुलभ कराया जाएगा। इस दौरान संजय वैश्य, एमडी मिश्र, एपी राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पीके सिंह, पीके पटेल, शम्भू शेखर, संतोष कुमार सिंह, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार मिश्र व महामंत्री स्वयं प्रकाश, इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव में शामिल रहें।

भविष्य के लिए जल संरक्षण अहम जिम्मेदारी : रीता जोशी

कोरांव। आने वाले कल के लिए जल का संरक्षण करना हम सभी लोगों की अहम जिम्मेदारी है। सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत लोगों को स्वच्छ पेयजल घरों तक पहुंचाने के लिए योजना चलाई जा रही है ताकिलोगों को पेयजल के संकट से न गुजरना पड़े। उक्त बातें सांसद प्रयागराज डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी ने परमसुख आदिवासी इंटर कॉलेज में लोगों को संबोधित करते हुए कही । इस दौरान सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार मूलभूत समस्याओं के निदान के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। स्थानीय विधायक राजमणि कोल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरांव के 115 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत 1496 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है। जिला कोऑर्डिनेटर मीना शुक्ला ने जल जीवन मिशन के बारे में जानकारी दी। ब्लॉक के कोऑर्डिनेटर विनीत शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरांव में 1496 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है जिनको किट का वितरण किया गया है। कार्यक्रम का संचालन बबुआन द्विवेदी ने किया। इस दौरान प्रमुख रुप से ब्लाक प्रमुख मुकेश कोल संत प्रसाद पांडे अभिषेक शुक्ला राजेश त्रिपाठी आशीष मिश्रा जिला पंचायत सदस्य कुसुम केसरवानी पिंटू चौबे संतोष कोल कृष्ण मुरारी द्विवेदी शशी ब विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ला सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

लोगों को संबोधित करतीं सांसद डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी

बालकों की शहादत क्रांति की धधकती ज्वाला है

सहसों। वीबीएस विधि महाविद्यालय के प्रांगण में वीर बालक दिवस के पावन शुभ अवसर पर प्रबंधक राजेश बहादुर सिंह की अध्यक्षता में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के दोनों बच्चे को आज के ही दिन सन 1704 में दीवाल में चुनवा दिया गया था को याद करते हुए गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा। मदन मोहन मिश्र ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी देश के बालकों से ही देश का जज्बा जाना जाता है और यही विकास की रीढ़ माने जाते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रोफेसर जे एस सिंह रामसेवक मिश्रा सुमित सिंह विमल सिंह तथा धीरज यादव एवं सभी स्टाफ एवं छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत भटौती विकास खण्ड-मेजा प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा-सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत भटौती विकास खण्ड मेजा, प्रयागराज के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन योजना अन्तर्गत "ई-रिक्शा क्रय, डस्टबिन क्रय, प्लास्टिक बैंक क्रय, आर.आर.सी." सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेंट, मोरंग, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी आदि कार्य एस.बी.एम./15वें वित्त/मनरेगा की धनराशि से कार्य होना प्रस्तावित है। निविदा दिनांक 27.12.2022 से 03.01.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय ग्राम पंचायत भटौती में जमा की जा सकती है तथा दिनांक 11.01.2023 को अपरान्ह 02.00 बजे से कार्यालय ग्राम पंचायत भटौती में समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	नग	सामग्री की अनुमानित धनराशि	निविदा का मूल्य	धरोहर धनराशि	कार्य की अवधि
1.	सामुदायिक एवं व्यक्तिगत कम्पोस्ट पिट निर्माण	25	210000	500	2%	3 माह
2.	सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वर्मी कम्पोस्ट पिट निर्माण।	11	265000	500	2%	3 माह
3.	सामुदायिक कचरा पत।	10	60000	500	2%	3 माह
4.	प्लास्टिक बैक	03	15000	500	2%	1 माह
5.	ई-रिक्शा कचरा वाहन	01	150000	500	2%	15 माह
6.	स्वच्छता किट	04	12000	500	2%	15 माह
7.	एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केन्द्र	01	750000	500	2%	3 माह
8.	सामुदायिक एवं व्यक्तिगत सोकपिट निर्माण।	26	290000	500	2%	1 माह
9.	सिल्ट कैचर एवं फिल्टर चैम्बर।	69	414000	500	2%	3 माह
10.	यूट टाइप नाली एवं भूमिगत नाली निर्माण/मरम्मत।	1800 मीटर	3000000	500	2%	3 माह
11.	हैण्डपम्प प्लेटफार्म रेट्रो फिटिंग मरम्मत निर्माण	60	300000	500	2%	3 माह
12.	हैण्डपम्प सोकपिट निर्माण।	50	500000	500	2%	3 माह
13.	लीव पिट निर्माण व्यक्तिगत/सामुदायिक।	35	235000	500	2%	3 माह
14.	स्टार्म वाटर का निष्पादन/प्रबंधन	01	120000	500	2%	3 माह
15.	तालाब सौन्दर्यीकरण	01	100000	500	2%	3 माह
16.	वेस्ट इस्टेबलाइजेशन पोन्ड (WSP)	01	100000	500	2%	3 माह
17.	मलीय कचटरा प्रबन्धन हेतु ट्रैचिंग अनुमन्य अन्य कार्य।	30	150000	500	2%	3 माह
18.	स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 अन्तर्गत अनुमन्य अन्य कार्य।	आवश्यकतानुसार				

नियम व शर्तें :-

1- उपरोक्त कार्य कराये जाने हेतु अनुभवी संस्था के चयन हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जा रही है। 2- निविदा कार्यालय ग्राम पंचायत-भटौती से किसी भी दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 3- निविदादाताओं की जी.एस.टी., पैन, फर्म (रेग्यूलर) के रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छायाप्रति निविदा के साथ संलग्न कर देना होगा। 4- निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार गठित समिति को होगा। 5- प्रॉक्कलन के अनुसार सामग्री घट-बढ़ सकती है व भुगतान वास्तविक माप पुस्तिका के आधार पर होता है। 6- 2 प्रतिशत धरोहर सिक्योरिटी धनराशि नगद/एफ.डी.आर. के रूप में बन्धक होगी।

मैनाराम-ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-भटौती
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

राजेश कुमार त्रिपाठी-ग्रा. पं. सचिव
ग्राम पंचायत-भटौती
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

विज्ञान परिषद में शायर-ए - आजम जनाब मिर्जा गालिब की जयंती पर उपस्थित अतिथिगण

मौसम

अधिकतम : 29.00
न्यूनतम : 15.00
सूर्योदय : 06.19
सूर्यास्त : 05.15

अध्यक्ष की माँग पर सांसद कोटे से मेजारोड में लगी सोलर लाइटें

मेजा। व्यापार मण्डल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय की माँग पर क्षेत्र के मेजारोड बाजार में सांसद प्रयागराज प्रो रीता बहुगुणा जोशी के निधि से तीन सोलर लाइट लगाया गया। गौरतलब हो कि मेजारोड बाजार में कई जगह अंधेरा होने के कारण व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय ने रीता बहुगुणा जोशी को माँग पत्र सौंपा था और स्थिति से अवगत कराया था।

कोरोना का खतरा : अस्पतालों में हुई मॉक ड्रिल अफसरों ने देखी हकीकत

मॉक ड्रिल

कोरोना का बढ़ा खतरा तो अलर्ट हुआ स्वास्थ्य विभाग

प्रयागराज। कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच आज मंगलवार को प्रदेश के सभी डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों में मॉक ड्रिल हुई। प्रयागराज समेत पूरे प्रदेश में एक साथ मॉक ड्रिल कर विभाग के अफसरों ने अस्पतालों में व्यवस्थाओं की हकीकत देखी। ऑक्सीजन सप्लाई, वेंटीलेटर की क्रियाशीलता, दवा की उपलब्धता, मैन पावर समेत अन्य संसाधनों के बारे में अफसरों ने जानकारी ली। अलग से कोविड अस्पताल बनाने, ट्रायज बनाए जाने आदि के निर्देश भी दिए गए हैं। सीएमओ डॉ. नानक सरन, नोडल अधिकारी डॉ. आशू पांडेय व एसीएमओ डॉ. निशा सोनकर की मौजूदगी में लेवल टू के तेज बहादुर सप्रू कोविड अस्पताल में मॉक ड्रिल हुई। यहां अधिकारियों ने PICU, इमरजेंसी, आईसीयू समेत अन्य स्थानों पर जाकर हकीकत देखी। इस दौरान अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शारदा चौधरी, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज अखोरी समेत अन्य अधिकारी व डॉक्टर मौजूद रहे।

200 बेड कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित

सीएमओ डॉ. नानक सरन ने ने बताया कि कोरोना के खतरे को देखते आज मॉक ड्रिल कराई गई है। जो भी कमियां हैं उसे तत्काल दुरुस्त कराई जा रही है। जनपद में कुल 200 बेड आरक्षित किए गए हैं जिसमें 100 बेड स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और 100 बेड तेजबहादुर सप्रू अस्पताल में आरक्षित हैं। पहला मरीज आता है तो उसे तत्काल पहले एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। दोनों अस्पतालों में डॉक्टरों की कोविड ड्यूटी लगा दी गई है। ताकि मरीजों के आने पर तत्काल उनका इलाज कराया जा सके।

इन अस्पतालों में हुई मॉक ड्रिल

इसी तरह स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में एसएमओ डॉ. आलोक कुमार, रेलवे हास्पिटल में डिप्टी सीएमओ डॉ. राजेश सिंह, यूनाइटेड मेडिसिटी में डिप्टी सीएमओ सुनील कुमार सिंह, कोटवा एट बनी सीएचसी पर एसीएमओ डॉ. अशोक कुमार, सीएचसी फूलपुर में एसीएमओ डॉ.तीरथलाल, सीएचसी रामनगर में डिप्टी सीएमओ डॉ. नवीन गिरि, सीएचसी मांडा में डिप्टी सीएमओ डॉ. अमृतलाल यादव की मौजूदगी में मॉक ड्रिल कराई गई।

साइबर ठगों ने सीएचसी अधीक्षक को बनाया निशाना

उरुवा। साइबर ठगों द्वारा नंबर हैक कर स्वास्थ्य कर्मियों सहित सीएचसी अधीक्षक को अपना निशाना बनाया जा रहा है। साइबर ठगों ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. नीरज सिंह के नंबर से फोन कर एएनएम और आशा संगिनी,कार्यकर्तियों से उनके निजी और बैंक डिटेल पूछ रहे हैं। इस मामले की जानकारी मिलने पर जब सीएचसी अधीक्षक ने साइबर ठगों से बात की तो उन्होंने अधीक्षक से ही अभद्रता करते हुए उनकी ही डिटेल मांगने लगे। तत्काल सीएचसी अधीक्षक ने मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए साइबर ठगों के खिलाफ थाने जाकर लिखित तहरीर दी है। उरुवा विकास खंड क्षेत्र स्थित सीएचसी रामनगर के अधीक्षक डॉ. नीरज सिंह ने बताया कि उनका नंबर हैक कर साइबर ठगों द्वारा फील्ड वर्कर स्वास्थ्य कर्मियों से पर्सनल जानकारी लेते हुए बैंक की डिटेल मांगी जा रही है। मना करने पर साइबर ठगों द्वारा उनसे अभद्रता की जा रही है।सभी महिला स्वास्थ्य कर्मियों से बैंक डिटेल और पर्सनल जानकारी किसी अन्य को देने से मना कर दिया गया है। फील्ड स्टाफ सहित सीएचसी के कर्मचारियों को ठगी से बचने के लिए साइबर सेल को सूचना दे दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय 30 दिवसीय लोक नाट्य कार्यशाला के समापन पर छात्रों को बांटा प्रमाण पत्र

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय 30 दिवसीय प्रस्तुति परक लोकनाट्य कार्यशाला मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार सीएफपीजीएस के तत्वाधान में 17 फरवरी से 20 मार्च तक सॉफ्ट पावर आर्ट एंड कल्चर द्वारा किया गया प्रयागराज में पहली बार अंतरराष्ट्रीय 30 दिवसीय प्रस्तुति लोक के नाट्य कार्यशाला का आयोजन हुआ इस अवसर पर काफी संख्या में कलाकारों ने प्रशिक्षण भी प्राप्त किया था। आजादी के अमृत महोत्सव के समय में भी यह कलाकारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। मंगलवार को कलाकारों में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार के साथ-साथ प्रमाण निदेशक परिकल्पना प्रशिक्षण ज्ञान चंद यादव ने बांटा। सभी को प्रमाण पत्र बांट कर खुशियां जाहिर की तथा उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की इस अवसर पर कलाकारों को संबोधित करते हुए ज्ञानचंद ने कहा कि भारत की सभ्यता एवं संस्कृति को जीवित रखना है तो नाटक का मंचन होता रहे आप लोग कलाकारों की सहभागिता होती रहे। हालांकि नाटक मंडली द्वारा अग्नीपथ का मंचन अति सराहनीय रहा मार्च के महीने में संपन्न हुआ था जिसकी प्रदेशभर में जमकर सराहना हुई थी प्रमाण पत्र पाने वालों में दुष्यंत साहू सुखदेव राजवीर सिंह आर्यन सिंह हिमांशु अविनाश महेश भूपेंद्र राहुल अंश इत्यादि कलाकारों को प्रमाण पत्र बांटा गया प्रमाण पत्र मिलने पर सभी कलाकारों ने नाटक मंडली के निदेशक ज्ञानचंद का आभार प्रकट किया तथा कंधा से कंधा मिलाकर भारतीय संस्कृति नाट्य मंच को जीवित रखने का संकल्प लिया।

छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए

संक्षेप

दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत, दो गंभीर

कोरांव। थाना क्षेत्र के कोरांव देवघाट मार्ग पर मंगलवार की दोपहर दो बाईकों में जबरदस्त टक्कर हो गई । घटना में शामिल तीनो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां हालत गंभीर होने पर तीनों को शहर के लिए रिफर कर दिया गया। इलाज के लिए प्रयागराज ले जाते समय बाइक सवार एक युवक की रास्ते में ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के संसारपुर गांव निवासी विजय कुमार सिंह उम्र 40 वर्ष पुत्र रामरूप अपनी बाइक से कोरांव की तरफ आ रहा था ।माड़ो गांव निवासी निरजंन आदिवासी उम्र 25 वर्ष पुत्र राजपति एवम रमेश आदिवासी पुत्र भोलानाथ निवासी खीरी थाना कौंधियारा एक बाइक से जा रहे थे। कोरांव देवघाट मार्ग पर भागीरथी गार्डन के सामने दोनों बाइकों में आपस में तेज टक्कर हो गई। घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव भिजवाया जहां चिकित्सकों ने तीनों को शहर के लिए रिफर कर दिया । प्रयागराज इलाज के लिए जाते समय रास्ते में विजय कुमार सिंह पुत्र राम रूप की मौत हो गई।

केंद्रीय कारागार नैनी में 14 बंदियों का हुआ आपरेशन

नैनी। लायंस क्लब इलाहाबाद अरुणिमा के तत्वावधान में मंगलवार को केंद्रीय कारागार नैनी मैं 14 बंदियों का मोतियाबिंद का आपरेशन डा. एस.पी सिंह निदेशक मनोहर दास नेत्र चिकित्सालय एवं उनकी टीम के द्वारा किया गया। इस कार्य के लिए वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशिकांत सिंह ने क्लब को ध्नयवाद दिया। इस मौके पर लायन डा. जगदीश गुलाटी, मनोज खत्री, डा. अर्पण धर दुबे, डा. एस.के शुक्ला, सुरेंद्र राम, शिरीश श्रीवास्तव, डा. कुदरत उल्ला आदि लोग मौजूद रहे।

दुकानदार के सिर पर हाथ फेर कर किया अचेत, हजारों का माल लेकर फरार

नैनी। नैनी थाना क्षेत्र के देवरख गांव में मंगलवार की दोपहर साधु के वेश में आए युवक ने किराना व्यवसाई के सिर पर हाथ फेर कर अचेत कर दिया। इसके बाद गल्ले में रखे तकरीबन डेढ़ हजार रुपए नकदी समेत हजारों रुपए कीमती सामान लेकर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार देवरख गांव निवासी चुन्नीलाल भारतीया जो, कि गांव के समीप देवरख रोड पर किराने की दुकान खोल रखी है। बताते हैं, कि मंगलवार की दोपहर वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था, उसी दौरान साधु के वेश में आए युवक ने बातचीत के दौरान चुन्नीलाल के सिर पर हाथ फेरने लगा। हाथ फेरने के बाद वह बेहोश हो गया। इसके बाद उसने गल्ले के अंदर रखें लगभग डेढ़ हजार रुपए नकदी समेत हजारों रुपए कीमती किराने का सामान लेकर फरार हो गया। कुछ देर बाद दुकान के सामने से गुजर रहे लोगों ने चुन्नीलाल को अचेत अवस्था में देखा, तो इसकी जानकारी घरवालों को दी। जानकारी मिलने पर परिवार के लोग पहुंचे और उसे अपने साथ घर ले आए। घंटों बाद तक वह सोता रहा। घटना की चर्चा क्षेत्र में जोरों के साथ की जाती रही।

दहेज के लिए विवाहिता को ससुराल जनों ने पीटकर घर से भगाया

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र की करौहा गांव में एक विवाहिता को ससुराल जनों ने दहेज के लिए मारपीट कर घर से भगा दिया। पीड़िता ने स्थानीय थाने पर पहुंचकर अपने पति समेत ससुराल जनों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।पुलिस मामले की जांच कर रही है। फूलपुर थाना अंतर्गत साकोस वीर गांव निवासी रामचंद्र सरोज जो अपनी पुत्री नीतू सरोज का विवाह 28 दिसंबर 2020 को अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज देते हुए करौहा उतरांव निवासी सोभनाथ के पुत्र मोनू सरोज के साथ किया था। शादी के 2 माह बाद ही ससुराल जनों द्वारा विवाहिता को प्रताड़ना शुरू कर दिए। विवाहिता अपने घर पर ना बता कर बात को अपने तक ही रख रही थी। हद तो तब हो गई जब ससुराल जनों द्वारा विवाहिता को मारपीट कर से भगा दिया ।हाड़ कपा देने वाली ठंड में विवाहिता स्थानीय थाने पर पहुचकर अपने ससुरालजनों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।विवाहिता के एक वर्ष का मासूम बच्चा भी है ।ससुराल जनों द्वारा विवाहिता को घर मे भी घुसने नही दिया जा रहा है ।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत में बकरी चरने का उलाहना देने पर पड़ोसियों ने महिला को पीटा

बहरिया। थाना बहरिया क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा राजेपुर की निवासिनी अनीता देवी पत्नी दिलीप कुमार को सोमवार देर शाम उसके पड़ोसियों ने जमकर मारा पीटा। सूत्रों के अनुसार अनीता देवी के खेत में सोमवार देर शाम पड़ोसी की बकरी चर रही थी। जिसका उलाहना देने वह अपने पड़ोसी राम सिंह पाल उर्फ बब्बे पुत्र प्रभु पाल के यहां गई थी। जिस पर राम सिंह पाल व उसकी पत्नी विद्या देवी व बेटी ननकी, मोनी, पारुल, ज्योति ने अनीता देवी को उल्टा सीधा कहते हुए अपने दरवाजे से भाग जाने को कहा। जिस पर उसने उन लोगों से कहा कि आप लोग ऐसा क्यों कह रहे हो। बात इतनी बढ़ गई कि वह सब एक राय होकर अनीता देवी का बाल पकड़कर मारना पीटना शुरू कर दिये । जिसकी लिखित तहरीर अनीता देवी ने बहरिया थाने में दी।

सीएचसी रामनगर में डॉक्टरों की कमी, मरीज भरमार

उरुवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर में इन दिनों एलर्जी और वायरल बुखार से पीड़ितों की संख्या बढ़ गई है। सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में करीब दो सौ मरीजों ने अपना पंजीकरण कराया था। सोमवार को नसबंदी कैंप के दौरान मरीजों की भरमार से अस्पताल के डॉक्टरों की हालत पस्त रही। सीएचसी के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दुष्यंत सिंह ने बताया कि अस्पताल के एक डॉक्टर का तबादला होने के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिला मरीजों को छोड़कर पुरुष एवं बच्चों का उपचार करने के लिए डॉ. नीरज सिंह पटेल एवं मुझे सुबह 10 बजे से शाम के 4 बजे तक डटे रहना पड़ता है। अस्पताल में दिखाने पहुंचे अनेक लोगों ने बताया कि अस्पताल के दो डॉक्टरों के भरोसे पूरे दिन और रात की ओपीडी चलती है। सर्जन एवं बच्चों के डॉक्टर तथा हड्डी रोग के डॉक्टर न होने से निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ता है। निजी अस्पतालों की मोटी फीस के कारण क्षेत्र के गरीब असहाय लोगों को भारी मुशीबत का सामना करना पड़ रहा है।

पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर अधेड़ घायल

मऊआइमा। बाइक से आ रहा अधेड़ जैसे वह मरखामऊ मोड पर पहुंचा पिकअप ने बाइक में जोरदार टक्कर मार कर भाग गया। अधेड़ को उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। घायल की पत्नी ने अज्ञात पिकअप चालाक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। मालूम हो कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम आदमपुर निवासी फूलचंद्र 45 वर्ष अपनी बाइक से मऊआइमा आ रहा था। बताते हैं कि जैसे वह मरखामऊ मोड पर पहुंचा एक पिकअप ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे फूलचंद्र बुरी तरह घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पत्नी सुमित्रा देवी ने मऊआइमा थाने में अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

अवार्ड से सम्मानित होते त्रंबकेश्वर नाथ चतुर्वेदी

मिर्जा गालिब की जयंती पर सम्मान समारोह आयोजित

प्रयागराज। विज्ञान परिषद में शायर-ए - आजम जनाब मिर्जा गालिब की जयंती पर मंगलवार को एक सम्मान समारोह एवं गजल भरी शाम आयोजित हुआ जिसमें शहर के उदयीमान कलाकार त्रंबकेश्वर नाथ चतुर्वेदी को "एजाज- ए -फनकार" अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनकी गजलों की प्रस्तुति भी हुई कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम अध्यक्ष लोकेशशुक्ल, मुख्य अतिथि प्रो अली अहमद फातिमा, विशिष्ट अतिथि उस्ताद शमशाद अहमद खा, अशोक जैन जी, डॉ शांति चौधरी, राजू जैसवाल, एवं रवीन्द्र नाथ ओझा नें द्वीप जला कर किया लोगों की फर्माइश पर त्रंबकेश्वर और शमशाद "आह को चाहिए एक उम्र असर होने तक, दिले नादान तुझे हुआ क्या है, दिल ही तो है, आदि गा कर महफिल में रंग जमा दिया, कार्यक्रम का संचालन विवेक रंजन ने किया। संगतकर्ता में सूर्या भट्ट (तबला), दुर्गेश (कीबोर्ड), पर रहे। अतिथियों का स्वागत आशुतोष श्रीवास्तव एवं संस्था अध्यक्ष शरद चंद्र श्रीवास्तव ने किया धन्यवाद ज्ञापन संस्था सचिव श्वेता ने किया, कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ संगीतस्त्र, संस्था के पदाधिकारी, मुक्ति शर्मा, प्रीत बाजपेयी, कमलेश जोशी सहित कई लोग मौजूद रहे।

जार्जटाउन में एलआईसी एजेंट से दो लाख की लूट

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना इलाके में कुंदन गेस्ट हाउस के पास देर रात बदमाशों ने तमंचे की बट से प्रहार कर एलआईसी एजेंट से दो लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। पुलिस बदमाशों की खोजबीन कर रही है। सोहबतिया बाग निवासी शैलेश जायसवाल उर्फ टंटू पुत्र राजेंद्र प्रसाद एलआईसी में एजेंट हैं। सोमवार की रात वह कलेक्शन करके घर लौट रहे थे। सोमवार रात करीब 11 बजे कुंदन गेस्ट हाउस के पास पैशन सवार दो बदमाशों ने कुंदन गेस्ट हाउस के पास उन्हें रोक लिया। जब तक वह समझ पाते बदमाशों ने तमंचे की बट से प्रहार कर उनसे दो लाख रुपये छीन लिए। घटना के बाद बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की। बदमाशों का सुराग नहीं लग सका है।

निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खत्म करना भाजपा सरकार की साजिश : नरेन्द्र

प्रयागराज। निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खतम करने का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। उक्त बातें समाजवादी नेता एवं सपा के निवर्तमान प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने प्रयागराज स्थित पार्टी कार्यालय में सपा कार्यकताओं की बैठक में कहा है भाजपा पर तंज करते हुए सपा नेता ने कहा कि उत्तरप्रदेश सरकार की साज़िश है, तभी सरकार ने जानबूझकर सही तथ्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया। आरक्षण पर आंच आने का मतलब डाक्टर लोहिया से लेकर उन सभी समाजवादियों के संघर्षों पर आंच है जिन्होंने नारा दिया था ₹समाजवादियों ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ मे साठ₹ उन्होंने कहा कि डाक्टर लोहिया के सपनों को समाप्त करने का षड्यंत्र है, कल बाबा साहेब डॉ आंबेडकर के सपनों पर भी भाजपा द्वारा प्रहार होगा। उन्होंने सम्पूर्ण समाज को इस भयावहता की राजनीति के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए समाजवादी पार्टी और श्री अखिलेश यादव का साथ देने की अपील किया।

नरेन्द्र सिंह

किसान का हत्यारा कौन? थानाध्यक्ष के लिए चुनौती

खीरी। थाना क्षेत्र के पचौन्हा निवासी एक 40 वर्षीय किसान उमेश प्रताप सिंह पुत्र सूर्य प्रताप सिंह का गुरुवार को अचानक मौत हो गया था। मामले में खीरी पुलिस ने सूचना मिलने पर शव को चीरघर भेज दिया था। जिसमें पहले बीमार होने और अचानक मौत की बात गांव से चर्चा बनकर निकली थी। मामले 108 नंबर वाली सरकारी एंबुलेंस भी पंहुची थी। जिसके कारण बस मामला शांत था ।लेकिन पोस्टमार्टम में आई रिपोर्ट ने क्षेत्र में मामले को लेकर खलबली मचा रखी है। पीएम रिपोर्ट में आई सच्चाई को देखा जाए तो किसान की गला दबने एवं शरीर पर गंभीर अंदरूनी चोटें के कारण हुई मौत बताई जा रही है। मामले में उमेश के पिता सूर्य प्रताप सिंह ने बहू पर हत्या का आरोप लगाया है। वहीं मृतक की पत्नी पूनम सिंह ने भी पुलिस को तहरीर दिया है कि ससुर ने ही हत्या किया है ।साथ में जमीन के बंटवारे को लेकर भी आरोप जिसमें परिवार के कुछ सदस्यों से मारपीट भी हुई थी। पुलिस ने बताया कि मृतक का पिता ने बताया कि मृतक की पत्नी पूनम ने अपने पति से किसी को मिलने नही देती थी। अब ऐसे में आखिर सवाल बनता है कि किसान का हत्या किसने किया । बताते चले कि मृतक पिछले कई वर्षो से असाध्य बीमारी से पीड़ित था वहीं विवाह के चार वर्ष हुए है ।मृतक अपने दो भाइयों में बड़ा था। मामले में किसान का पीएम रिपोर्ट दो डॉक्टरों के पैनल एवं वीडियोग्राफी के बीच किया गया है। उक्त मामले में थानाध्यक्ष विरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि जांच चल रही है। मृतक की पत्नी पूनम और पिता सूर्य प्रताप को थाने बुला कर पूंछा ताछ किया गया है ।अब किसान की हत्यारे को ढूंढना अभी थानाध्यक्ष खीरी के लिए चुनौती बना है।

सीडीओ ने चयनित मत्स्य पालकों की समीक्षा की

प्रयागराज। मत्स्य संपदा योजना अन्तर्गत चयनित लाभार्थियों को परियोजनाओं की जानकारी हेतु एकदिवसीय वर्कशॉप आयोजित किया गया! सोमवार को विकास भवन के सरस सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी शीपू गिरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मत्स्य पालकों की समस्याओं को हर संभव निदान करने की बात कही! इस मौके पर मत्स्य विभाग द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के चयनित लाभार्थियों को संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई, सीडीओ ने मत्स्य पालकों को योजनाओं में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए हर संभव मदद् का आश्वासन दिया! मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रयागराज इरफान उल्ला खान ने लाभार्थियों को कार्य शुरू करने की जानकारी प्रदान करते हुए डीपीआर कराए गए कार्य एवं संबधित बिल को समय समय पर कार्यालय में उपलब्ध कराने के लिए मत्स्य किसानों को बताया! मत्स्य कृषकों को यह भी जानकारी प्रदान की गई कि सभी परियोजनाओं में स्वंय केअंश से कार्य पूर्ण कराए जाने पर ही अनुदान की राशि कृषकों को प्रदान की जाएगी!

मदरा टेला गंगा घाट पर पीपा के पुल शुभारम्भ पर नीलम करवरिया ने किया गंगा पूजन

मेजा। क्षेत्र के मदरा टेला गंगा घाट पर पीपा का पुल के शुभारंभ के अवसर पर मंगलवार को मदरा घाट पर पूर्व विधायक श्रीमती नीलम करवरिया ने गंगा पूजन किया। पूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष उरुवा अरुण कुमार तिवारी उर्फ टुनटुन ने किया।

श्रीमती करवरिया ने विधिविधान से गंगा माँ की पूजा अर्चना करके पुल का शुभारंभ कराया। पीपे के पुल पर जाने के लिए कोई रास्ता नहीं था किसानों की जमीन ली जाती थी जिससे किसानों का नुकसान होता था। ग्रामीणों की माँग पर नीलम करवरिया ने मौके पर मौजूद अधिशाषी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग से बात कर पुल तक जाने के लिए स्थाई सीसी रोड 700 मीटर बनाने की बात कहा। अधिशाषी अभियंता कौशल कुमार झा ने मौके पर ही फोन द्वारा इंजीनियर इन चीफ (एनसी) लोक निर्माण विभाग से बात कर सड़क बनवाने की बात कहा। सीसी रोड बनने की बात सुनकर ग्रामीणों में खुशी देखी गई। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस माह के अंत में पुल आम जनमानस के लिए खोल दिया जाएगा। इस दौरान सहायक अभियंता समरजीत सोनकर, अवर अभियंता एम पी सिंह इसके अतिरिक्त सतीश चंद मिश्र, पूर्व प्रधान दिनेश मिश्र, प्रधान जेरा पप्पू दुबे, राहुल दुबे, राहुल मिश्र, मनीष पाण्डेय, विमल तिवारी, विनय दुबे, श्लोक शुक्ल, धीरू शुक्ल, बृजमोहन निषाद, गंगा निषाद, रामसिंगार निषाद रहे।

मदरा गंगा घाट पर पूजन करती नीलम करवरिया

लायंस क्लब प्रयागराज गौरव का सम्मान कार्यक्रम सम्पन्न

कार्यक्रम

अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने किया सभी का सम्मान

प्रयागराज। लायंस क्लब प्रयागराज गौरव की जनरल बॉडी मीटिंग नवाब युसूफ रोड स्थिति सी.पी. एस. होटल में संपन्न हुई। जिसमें क्लब के विगत 6 महीने के सेवा कार्यों का मूल्यांकन किया गया तथा आगे की रूपरेखा तय की गई। लायंस क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह द्वारा सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ' तथा उनके द्वारा अनवरत सेवा कार्य में दिए गए समर्पण और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मुख्य रूप से सम्मानित होने वाले डॉ.आर. के. सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वी. के. मिश्रा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय तिवारी, डॉ. रमेश चंद्र, एस. के. मिश्रा, डॉ. संतोष यादव, डॉ. शशि बाला, डॉ. ईशान्या राज, संत कुमार वर्मा, राकेश पांडे, अल्पना वर्मा, शीतला प्रसाद श्रीवास्तव, सूर्यनाथ प्रजापति रहे। क्लब के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह ने क्लब को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए सभी सदस्य एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया तथा आगे के सेवा कार्यों का एक रूपरेखा तैयार किया। इसके साथ साथ क्लब के विगत 6 महीने के आय एवं व्यय के बजट को कोषाध्यक्ष डॉ. आशीष त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। तथा लायंस इंटरनेशनल द्वारा गुड पे अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आर. के. सिंह द्वारा किया गया।

सम्मानित करते अध्यक्ष नागेन्द्र सिंह

वार्षिक खेलकूद का हुआ शुभारंभ

सिकंदरा। अनुपम पब्लिक स्कूल एवं सूरसती सहादेव गुप्ता इंटरमीडिएट कॉलेज बाबूगंज सिकन्दरा में हर वर्ष की तरह मंगलवार श्रीश गुप्ता खंड विकास अधिकारी बहरिया के द्वारा फीता काटकर शुभारंभ हुआ। इस खेलकूद के कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाता है। इसमें स्कूल की छात्र व छात्राओं द्वारा अपनें अपनें खेल का प्रदर्शन किया जाता है। प्रत्येक खेलों में प्रथमा व द्वितीय स्थान पानें वाले छात्र छात्राओं को स्कूल द्वारा मेडल व आकर्षक पुरस्कार दिया जाता है। जिसमें विद्यालय की डायरेक्टर उषा रतन गुप्ता अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्ता, एवं उपाध्यक्ष मंजू गुप्ता, हेड इंचार्ज शहाना मलिक, प्रधानाचार्य अनिल कांत मिश्रा, एवं शबाना शेख आदि लोगों नें बच्चों को खेलकूद के विषय में अवगत कराया तथा विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गुप्ता नें खंड विकास अधिकारी बहरिया श्रीश गुप्ता का माल्यार्पण कर खेलकूद समारोह का शुभारंभ करवाया जिसमें खेल प्रभारी गौरव प्रजापति के साथ में समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी की शिक्षिका और दाई हुई सम्मानित

प्रयागराज। "आदर्श आगंनबाडी अभियान" के समापन और पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी बाजपेई की जयंतीं के अवसर पर अपने गोद लिये हुए नया कटरा, प्रयागराज स्थित प्राथमिक विद्यालय आंगनवाड़ी केंद्र पर पहुंचकर आंगनवाड़ी केंद्र में स्व.अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर "मन की बात" कार्यक्रम का श्रवण किया। गौरतलब है कि आंगनवाड़ी केंद्र को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े में आदर्श आंगनवाड़ी अभियान के तहत आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी ने गोद लिया था।?कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री कविता यादव त्रिपाठी ने उपस्थित नन्हें मुन्ने बच्चों को टिफिन, बिस्किट, केला और समोसा का वितरण किया गया। आंगनवाड़ी केंद्र की शिक्षिका और दाई को उनके कुशल कार्य के लिए साड़ी भेंट कर सम्मानित किया। वहां उपस्थित सभी बच्चों की उज्वल भविष्य की कामना की। इस कार्यक्रम में महानगर महामंत्री रीता सिंह, मीडिया प्रभारी चन्द्रा अहलुवालिया, प्रिया कैथवास, अनुराधा सुन्दरम, सुमन सिंह, मृदुला पाण्डेय,अनीता , प्रेमलता एवं समस्त महिला मोर्चा की बहनें उपस्थित रहीं।

संक्षेप

चोरी का बकरा बेच रहे युवक को पकड़ा

कौशाम्बी। सरायअकिल थाने के हसनपुर गांव से तीन दिन पहले चोरी गए बकरे को बेचने बाजार गए युवक को मालिक ने पकड़ लिया। हसनपुर निवासी राम समुंदर ने बताया कि शुक्रवार रात कमरे का ताला तोड़कर चोर उसके दो बकरे उठा ले गए थे। उसने थाने में घटना की तहरीर दी थी। मंगलवार को वह सरायअकिल में लगने वाली बकरों की बाजार पहुंचा। इसी दौरान घोसिया गांव का एक युवक उसी बकरे को बेचने के लिए बाजार में था। राम समुंदर ने युवक को पकड़ लिया और थाने ले गया। पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है।

पत्थर उखाड़कर जमीन पर किया कब्जा

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के भैला मकदूमपुर निवासी मंजू देवी पत्नी राम सुरेश का पड़ोसी से विवाद चल रहा है। विवादित जमीन कर पैमाइश कराने के बाद पीड़िता ने पत्थर लगवाया था। आरोपितों ने पत्थर को उखाड़कर जमीन पर कब्जा कर लिया। जानकारी होने पर महिला ने विरोध किया तो आरोपित मारपीट पर अमादा हो गए। सोमवार को पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पशुशाला से छह बकरी खोल ले गए चोर

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के रैयादेह माफी निवासी जवाहर लाल ने बताया कि उसने बकरी पाल रखी है। उसके छोटे भाई ने भी बकरी पाल रखी है। सोमवार की शाम बकरियों को घर के समीप बने पशुशाला में बांधने के बाद घर चले गए। आधी रात चोर छह बकरी खोल ले गए। खोजबीन के बाद थाने में पीड़ित ने मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आवारा मवेशियों को पकड़ने की गुहार

कौशाम्बी। आवारा मवेशियों से सिराथू के किसान परेशान हैं। सिराथू ब्लॉक के गांवों में सैकड़ों की संख्या में आवारा पशु घूम रहे हैं। इलाके के दिवाकरदत्तए बबलूए राम कैलाशए दिलीप कुमार आदि किसानों का कहना है कि शिकायत के बाद भी आवारा पशुओं से छुटकारा के लिए कोई इंतजाम नहीं किया जा रहा है। लोगों ने आवारा पशुओं को पकड़ने की गुहार लगाई है।

किशोरी को भगा ले गया पड़ोसी युवक

कौशाम्बी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी को पड़ोसी गांव का युवक भगा ले गया। सोमवार की शाम किशोरी खेत जाने के लिए निकली थी। किशोरी के घर न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो पता चला कि पड़ोसी गांव का युवक भगा ले गया है। सोमवार देर रात थाने में पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत की। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

भाभी के साथ युवक ने किया दुराचार का प्रयास

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम युवक ने घर में भाभी के साथ दुराचार का प्रयास किया। विवाहिता के शोर मचाने पर मौके पर पहुंचे पति के साथ आरोपित ने मारपीट की। महिला ने थाने में आरोपी देवर के खिलाफ तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटा एक की मौत, तीन घायल

हादसा

पश्चिम शरीरा के समीप हुआ हादसा, चीख पुकार

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा के समीप एक ईट से लदा ट्रैक्टर मंगलवार को अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे में सवार चार मजदूर बुरी तरह से घायल हो गये। घायलों की चीख पुकार सुन कर मौके पर पहुचे आस पास के लोगों ने एम्बुलेंस बुला कर सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया। जहा पर चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

बुलबुल पुत्र बचपन निवासी महेवा घाट अरविंद पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी महेवा घाट लालमन पुत्र नीरज निवासी महेवा घाट विमलेश पुत्र भैयालाल निवासी ग्राम अंधामा ट्रैक्टर में ईट लादने का काम करते है। वह मंगलवार को ईट भट्ठा से ट्रैक्टर में ईट लाद कर जा रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर पश्चिम शरीरा के करीब पहुचा अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्डु में पलट गया। जिसकी चपेट में आने से सभी लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों की चीख पुकार सुन कर आस पास के लोग मौके पर पहुच गये, लोगों ने आनन फानन एम्बुलेंस बुला कर घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करा दिया। जहा पर चिकित्सकों ने बुलबुल को मृत घोषित कर दिया। वही घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

खबर चलने से बौखला डॉक्टर के गुर्गे ने पत्रकार को धमकी

चायल,कौशाम्बी। पिपरी कोतवाली अंतर्गत चायल कस्बा निवासी विजय कुमार अनुसूचित पुत्र रामसुचित पासी जो एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र का पत्रकार है। उसके मुताबिक 26 दिसंबर को थानेदार गुंडा ऐक्ट की रिपोर्ट दी थी। डीएम ने गुंडा मुक्त कर दिया है। जिलाधिकारी कार्यालय से मिली राहत के बाद उक्त व्यक्ति की गुंडई बढ़ गई। सोशल मीडिया में खबर चलाई गई थी और अखबार में खबर चलाए जाने की जानकारी मिलते ही डॉक्टर विकास सिंह पुत्र डॉक्टर भीष्म सिंह निवासी करन चौराहा के पास विकास पॉलीक्लिनिक सराय अकिल जनपद कौशांबी और उनके कुछ समर्थक सक्रिय हुए और उक्त पत्रकार के मोबाइल फोन नंबर में आरोपी गाली गलौज करते हुए धमकी दिया है। हालांकि पीड़ित पत्रकार ने इसकी लिखित तहरीर अफसरों को दिया है।

हाड़ कंपाती ठंड, अलावा को उठ रही आवाज

कौशाम्बी। ठंड की दस्तक से मंगलवार को तो पूरा जिला गलन व शीतलहर से कांप उठा। बावजूद इसके करारी नगर पंचायत में अलाव की कोई व्यवस्था नही की गई। इससे राहगीर ठंड से बेहाल दिखे। मुख्य चौराहा पर देर रात तक राहगीरों का आवागमन रहता है। अलाव न जलने से वह भी इधर उधर ठिठुरते दिखाई दिए। जैसे जैसे दिसम्बर माह बीत रहा है। ठंड भी अपने शबाब पर आ गई है। सुबह कोहरा तो नही दिखता, लेकिन मौसम साफ होने के बाद भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिन भर भले ही तेज धूप निकली रही मगर सर्द हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। लेकिन नगर पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा अभी तक कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे लोग ठिठुरने को मजबूर हैं। कुछ जगहों पर तो लोग अपने इंतजाम से अलाव जलाकर ठंड से राहत लेते नजर आए। ठंड की वजह से पारा में उतारण्चढ़ाव बना हुआ है। बीते दो दिनों से पारा एक बार फिर लुढ़क रहा है। इससे कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोगों ने नगर पंचायत के जिम्मेदारों से मुख्य चौराहा बाजार व अन्य कई सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलवाने की मांग की है।

एडीएम ने किया आईजीआरएस व सीएम पोर्टल की समीक्षा

समीक्षा बैठक करते अपर जिलाधिकारी

कौशाम्बी। कलक्ट्रेट स्थित समाट उदयन सभागार में मंगलवार को अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ. विश्राम द्वारा आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों से कहा कि 29 दिसम्बर तक सभी शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित किया जाय, कोई शिकायत लम्बित न रहने पाये। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेंगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में समय व गुणवत्ता अवश्य सुनिश्चित करने के साथ ही टाइप आख्या ही अपलोड करने के निर्देश दियें।

इस अवसर पर सभी उपजिलाधिकारीगण, जिला विकास अधिकारी विजय कुमार एवं ई.डी.एम कीर्त कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर अटल भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कौशाम्बी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म जयंती के अवसर पर आज भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा कौशांबी द्वारा अटल भाषण प्रतियोगिता रखी गई जिसमें राजनीति में जोड़ रहे युवाओं को भी मंच से कैसे बोलना है वहां पर उनको इसके गुण सिखाए गए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रथम जिला अध्यक्ष चंद्र दत्त शुक्ला जी एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिवप्रताप मौर्य जी के सानिध्य में कार्यक्रम की अगुवाई हुई जिसमें भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए विकास कार्यों पर एवं भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ एवं राजनीति के अजातशत्रु के नाम से जाने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर बहुत सारी चचाएं हुई इस अवसर पर जिला के दोनों महामंत्री हर्ष केसरवानी जी नीरज मोदनवाल जी जिला सोशल मीडिया प्रभारी विनय कुमार पाण्डेय जी जिला उपाध्यक्ष बलराम पाल जी शानू कुशवाहा जी अखिल रस्तोगी जी जिला मंत्री मनीष मौर्य जी जिला कार्यसमिति सदस्य श्रीमती आशा रानी जी मंडल अध्यक्ष ज्ञान गुप्ता जी सूरज विश्वकर्मा जी भोला मौर्या जी रोहित मिश्रा जी मयंक केसरवानी जी अजय मौर्या जी अरविंद मौर्या जी कार्यालय प्रभारी रवि केसरवानी जी सहित सैकड़ों युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल भाषण प्रतियोगिता में अपने विचार रखते हुए

कोरोना वायरस से संघर्ष को तैयार की जा रही टीम

दारानगर, कौशाम्बी। स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशानुसार सीएससी कड़ा में मंगलवार को नोडल अधिकारी डॉ कमलेश के नेतृत्व में मॉक ड्रिल कर कोरोना के गंभीर मरीजों को क्विक रिस्पांस देने के लिए एक रिहर्सल किया गया। जिसमें एक गंभीर कोरोना के रोगी को महज 5 से 7 मिनट के भीतर ही ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ उसका इलाज शुरू कर दिया गया है। सीएससी कड़ा अधीक्षक डॉ सऊद ने बताया कि कोरोना से लड़ने के लिए सीएचसी में 50 बेड एवं ऑक्सीजन प्लांट के साथ.साथ सभी स्टाफ को प्रशिक्षण देकर तैयार कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण से कैसे लड़ना इसके लिए टीम को प्रशिक्षण भी दिया गया है। हालांकि जिस तरह से स्वास्थ्य विभाग की टीम कोरोना संक्रमण को लेकर अलर्ट है, उससे कहीं न कहीं यदि कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ तो कहीं न कहीं विभागीय टीम पूरी ताकत से उस पर काबू कर सकेगी।

सरकार की योजना में शिक्षा उन्मुखीकरण प्रमुख : निर्मला पासवान

कार्यक्रम

कड़ा बीआरसी में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कौशाम्बी। कड़ा ब्लाक क्षेत्र के संसाधान केंद्र कड़ा के प्रांगण में विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों स्थानीय प्राधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों की ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

बीआरसी कड़ा में प्राथमिक विद्यालयों के कायाकल्प डीबीटी और शिक्षा के उन्मुखीकरण के कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यातिथि और खंड शिक्षा अधिकारी डा० किरन पांडेय ने दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया। विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान ने कहा कि प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजनाओं शिक्षा उन्मुखीकरण प्रमुखता में है। मेरा प्रधानाध्यापकों और जन प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि डीबीटी के माध्यम से 1200 रुपये सीधे अभिभावकों के खाते में ड्रेस जूता मोजा तथा कापी पेन के लिए भेजे गए हैं। उसका सदुपयोग बच्चों के लिए करें। बच्चों को नियमित स्कूल भेजें। विशिष्ट अतिथि डाइट प्राचार्य अनिल सिंह ने शिक्षा शिक्षक और अभिभावक को विद्या के केंद्र बिन्दु रूप में परिभाषित किया। एसआरजी ओमप्रकाश सिंह ने कहा की अभिभावकगण जिसतरह बैंकों में धनार्जन के लिए निवेश करते हैं उसी तरह बच्चों के बेहतर भाविष्य हेतु प्रतिदिन बच्चों को विद्यालय भेजना एक निवेश है। कार्यक्रम में शिक्षक रणविजय निषाद श्रेया द्विवेदी कमला सोनकर दिनेश श्रीवास्तव प्रभाकर मिश्र रणधीर सिंह किशोर कुमार गुप्ता रामकृष्ण सुरेन्द्र मौर्य डायट प्रवक्ता देवेन्द्र मिश्र अरूण मिश्र अफरोज आलम संतोष कुमार राकेश कुमार शिव प्रसाद सहित सैकड़ों शिक्षक एवं प्रधान उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

कौशाम्बी। कोखराज कोतवाली क्षेत्र के टेगाई चौराहा के पास सप्ताह भर पहले एक बाइक में ट्रक ने टक्कर मार दिया था। जिसकी वजह से बाइक में सवार बहन की मौके पर मौत हो गई थी, जब कि भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया था। जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। मंगलवार को उसकी भी सांसे थम गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वही सूचना पर पहुची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

निर्मला देवी पत्नी उमाचन्द्र निवासी शहजादपुर अपने भाई अशोक कुमार निवासी धमनी का पुरवा के साथ बाइक से जिलाजेल में बंद बेटा से मिलाई करने जा रही थी। जैसे ही वह बाइक से टेंगाई चौराहा के पास पहुचेए सामने से आ रही ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे बाइक में सवार दोनों लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। घटना को अंजाम देकर ट्रक चालक गाड़ी छोड कर फरार हो गया। वही घायलों की चीख पुकार सुन कर आस पास के लोग मौके पर पहुच गये। लोगों ने आनन फानन घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहा पर चिकित्सकों ने निमार्ला देवी को मृत घोषित कर दिया। बहन की मौत के बाद भाई अशोक कुमार की हालत गम्भीर देख कर इलाज के लिए एसआरएन प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। जहा पर उसका इलाज चल रहा था, मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। वही सूचना पर पहुची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। वही घटना को लेकर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वही घटना को लेकर मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

विजिया से भंखदा मार्ग बना हादसे का सबब

बारा,कौशांबी। सदर तहसील के विजिया चौराहा से भखंदा जाने वाली सड़क गड्ढों में तब्दील है। इधर बीच सड़क में आवागमन बाधित हो रहा है। ऐसे में राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड रहा है। लोगों का आरोप है कि सडक ध्वस्त होने की शिकायत जनप्रतिनिधियो के अलावा विभाग से भीा किया गया है लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। लोगों का यह भी आरोप है कि ध्वस्त सड़क की मरम्मत की मांग की गई लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं हो सकी। सडक खराब होने के कारण सबसे ज्यादा दिक्कत वाहन चालकों को होती है वहीं स्कूल आने जाने वाले नोनिहाल भी आए दिन गिरकर चुटहिल हो रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों ने इस ओर जिम्मेदारों का ध्यान आकृट कराया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ती से नाराज किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

प्रदर्शन

विकासखंड कौशांबी के गोपसहसा गांव का मामला

कनैली, कौशाम्बी। विकासखंड कौशांबी में बीडीआ कार्यालय के सामने मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि गोपसहसा गांव की आंगनवाड़ी कार्यकत्री कई महीनों से पोषाहार का वितरण नहीं कर रही है। प्रदर्शन के बाद यूनियन के कार्यकताओं ने कौशांबी ब्लॉक के प्रांगण में बैठक भी किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक अध्यक्ष भान सिंह ने बताया कि किसानों की मुख्य समस्या बिजली बिल बकाया होने के कारण उनके कनेक्शन काटे जा रहे हैं उसे ना काटा जाए। गरीबों को शौचालय, आवास, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन दिया जाए। इस मौके पर कौशांबी ब्लॉक के युवा अध्यक्ष नमो मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष राम छाया मौर्य, कल्लू बच्चा लाल छोटे लाल मानसिंह निशा देवी श्यामलाल सुमन देवी आदि किसान यूनियन के लोग इकट्ठा रहे।

प्रदर्शन करते भाकियू कार्यकर्ता

किसान मुद्दे पर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

कौशाम्बी। भाकियू भानुसंगठन के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने मंगलवार को जिलाध्यक्ष संजय सिंह यादव के अगुवाई में जनहित की समयस्याओ को लेकर चायल क्षेत्राधिकारी, व तहसीलदार दीपिका सिंह को ज्ञापन सौंपा है। दिए गए ज्ञापन के माध्यम से सगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकारी हैंड पंप में निजी मोटर डाल कर कब्जा किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी अफसर कुछ नहीं कर रहे हैं। ऐसे में जनता परेशान है। बढ़ती ठंड में गरीबो को कम्बल वितरण कराया जाए ताकि गरीब असहाय ठंड की चपेट में आने से बच सकें। कोटेदार द्वारा घटतौली करना बंद कराया जाए, ताकि जनता को सरकार की वितरण प्रणाली का शप्रतिशत लाभ मिल सके। जिले में लगातार हरे पेड़ो को काटा जा रहा है। विभाग इस पर रोक लगाए। नहरों में सिंचाई के लिये पानी छोड़ा जाए ताकि किसानों को खेत की सिंचाई के लिए भटकना न पड़े,चिरारी ग्राम सभा के चकरोड को कब्जा मुक्त कराया जाए। इस दौरान ज्ञापन देने में जिला मीडिया प्रभारी राजू सिंह,तहसील अध्यक्ष चायल फिरोज अहमद,वरिष्ट सलाहकार डा. दिलदार सिंह यादव,ब्लाक अध्यक्ष शारदा प्रसाद,बलराम यादव आदि संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन सौंपते भाकियू कार्यकर्ता

पुलिस के हत्थे चढ़े आधा दर्जन जुआरी

दारानगर, कौशाम्बी। कड़ाधाम थाना मे तैनात उपनिरीक्षक कमलेश यादव ने मुखबीर की सूचना पर पुलिस बल के साथ आधा दर्जन के करीब जुआरियो को दबोचकर लिखापढ़ी किया है।

बताया जाता है की कड़ाधाम थाना के उपनिरीक्षक कमलेश यादव को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि कुछ जुआंरी सार्वजनिक जगह पर जुआं खेल रहे है। मुखबीर की सूचना पर पुलिस बल के साथ पहुंचे उपनिरीक्षक ने आधा दर्जन जुआरियो को दबोच लिया। पकड़े गए जुआंरियों के पास से मौके पर 52 अदद ताश के पते व 820 मालफड़ तथा जमा तलाशी के दौरान 510 बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर दिया था।

आखिर कब होगी खाद बीज की दुकानों के सैंपल की जांच पूरी : सोनी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने कृषि विभाग की खानापूर्ति की कार्यवाही पर भारी नाराजगी जाहिर की है। साथ ही विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। अजय सोनी ने कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा करीब महीने भर से अधिक समय पूर्व खाद बीज की दुकानों से नकली खाद बीज के लिए गए सैंपल पर अभी तक कोई जांच की कार्यवाही पूरी होने या नहीं होने पर सवाल करते हुए विभाग के उच्चाधिकारियों से पूंछा है कि जिले की कई दुकानों से नकली खाद बीज के लिए जो सैंपल लिए गए थे उनकी जांच पूरी हुई या नहीं। आगे पूंछा कि अगर सैंपल की जांच पूरी हो गई हो तो विभाग के अधिकारियों ने अभी तक जांच को दबाए क्यूं बैठे हैं।

गौरतलब है कि समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने नवम्बर माह में कई दुकानों में नकली खाद बीज की बिक्री होने का आरोप लगाते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर ऐसी दुकानों पर समुचित कार्यवाही करने की मांग की थी। जिसपर कृषि विभाग के अधिकारियों ने जिले की खाद बीज की तमाम दुकानों में छापा मारा था और उन दुकानों से खाद बीज के सैंपल लिए थे। महीने भर से ज्यादा समय बीत जाने पर भी आज तक सैंपल जांच की कार्यवाही का कुछ अता पता नहीं चला। इस संबंध में उप कृषि निदेशक उदयभान गौतम से अजय सोनी ने पिछले सप्ताह भेंट कर लिए गए सैंपल की जांच के संबंध में पूंछतांछ कर जांच को सार्वजनिक करने की मांग की थी जिसपर उप कृषि निदेशक ने थोड़े दिन बाद सैंपल जांच के बारे में बताने को कहा था। करीब सप्ताह भर बीत जाने के बाद भी अभी तक सैंपल जांच का कुछ पता नहीं चला। किसान नेता अजय सोनी ने कृषि विभाग द्वारा खाद बीज के लिए गए सैंपल की जांच के परिणाम को सार्वजनिक करने एवं दोषियों पर समुचित कार्यवाही करने की मांग की है।

दिन में जल रही स्ट्रीट लाइट, अनदेखी

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद के वीरांगना दुर्गा भाभी नगर भडेसर में दिन.रात स्ट्रीट लाइटें जलती रहती हैं। लाइटों को जलाने व बंद करने के लिए आज तक कोई इंतजाम नहीं किया गया है। दिन.रात जलने के कारण कई लाइटें खराब हो गई हैं। लोगों ने लाइट के रखरखाव के लिए स्विच की व्यवस्था कराने की मांग की है।

सड़क पर खड़े आड़े-तिरछे वाहनों से लग रहा जाम

कौशाम्बी। मूरतगंज कस्बा में जाम से लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि सड़क पटरी पर अतिक्रमण के साथ आड़े.तिरछे वाहन खड़े रहते हैं। तिराहे पर खड़ी पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। सबसे ज्यादा दिक्कत सुबह.शाम होती है। घंटों वाहन जाम में रेगते रहते हैं। इससे स्थानीय व्यापारी भी परेशान रहते हैं। शिकायत के बाद भी जाम की समस्या से निजात नहीं मिल रहा है।

पेड़ से लटकता मिला प्रेमी-प्रेमिका का शव

हड़कम्प

- पुलिस मौत के कारणों को खंगालने में जुटी
- गॉव में हत्या कर दोनों के शव पेड़ की डाल से लटकाने की भी चल रही है अफवाह
- सूचना पर डीएम, एसपी, एएसपी व थानाध्यक्ष जेठवारा सहित बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई

पेड़ से लटका प्रेमी-प्रेमिका का शव

सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी व पुलिस अधिकारी

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के बलापुर गॉव में मंगलवार की सुबह गॉव के बाहर पेड़ की डाल से लटकते युवक व युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक व युवती एक ही गॉव व एक ही विरादरी के हैं। घटना से गॉव में तरह-तरह की चर्चा व्याप्त है।

जेठवारा थाना क्षेत्र के बलापुर गॉव में मंगलवार की सुबह गांव के बाहर युवक व युवती का शव पेड़ की डाल से एक साथ लटकते देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। इस दौरान युवक व युवती के परिजन सहित बड़ी संख्या में इलाके के लोग घटना स्थल पर पहुंच गये। मृतक युवक व युवती पटेल विरादरी के बताए गये। ग्रमीणों की बातों पर यकीन करें तो दोनों में प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक साथ जीने मरने की कसमें खाए थे। लेकिन दोनों के परिजन इस बात पर राजी नहीं थे। परिजनों ने दोनों पर पाबंदियां लगा रखी थी। प्रेमी शिवम पटेल प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करता था। वह कुछ दिन पूर्व ही घर आया था। शिवम पटेल अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए बेचैन था। बताया जाता है कि सोमवार की रात दोनों गॉव के किनारे गये और पेड़ की डाल से एक साथ लटककर जान दे दी। रात में दोनों के परिजन एक दूसरे का काफी खोज भी किया। सुबह हुई तो शौच को निकले ग्रामीणों ने बाग में पेड़ से लटकते देखा तो गॉव सहित पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गॉव में हत्या कर दोनों के शव पेड़ की डाल से लटकाने की भी अफवाह चल रही है। सूचना पर डीएम डा0 बंसल, एसपी सतपाल अंतिल, एएसपी रोहित मिश्रा थानाध्यक्ष जेठवारा सहित बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है। एएसपी रोहित मिश्र ने बताया कि घटना की जॉच की जा रही है। पुलिस हत्या व आत्महत्या के पहलुओं पर जॉच कर रही है। परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दिया है।

विज्ञान प्रदर्शनी में नौनिहालों के बनाये माडलों को मिली सराहना

बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी

प्रतापगढ़। शहर के बीएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विज्ञान प्रदर्शनी का अयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा हस्त निर्मित वैज्ञानिक मॉडलों को अतिथियों ने खूब सराहा। प्रर्दशनी का शुभारंभ अतिथियों सीनियर सर्जन डा0 आरके सिंह, डा0 श्रृद्धा सिंह, डा0 मो0 अनीश, भाजपा नेता ओम प्रकाश त्रिपाठी, डा0 विन्ध्याचल सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। प्रदर्शनी के साथ छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। प्रदर्शनी में आये अतिथियों ने बच्चों के द्वारा बनाये माडल की सराहना करते हुए प्रत्यके बच्चे से माडल के बारे में जानकारी ली। डा0 आर के सिंह ने कहा कि विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं के जरिये विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जा रहा है। इससे बच्चों का न केवल ज्ञानवर्धन होता है बल्कि उनका उत्साहवर्धन भी होता है। शिक्षिका जेबा नाज ने बताया कि विज्ञान प्रर्दशनी बच्चों की कल्पना शक्ति, विचारों आदि को कड़ी मेहनत के साथ तैयार किया गया है। जिसमें जूनियर के बच्चों ने एक से बढ़कर एक जीवनोपयोगी एंव ज्ञान-विज्ञान पर आधारित हस्तनिर्मित वैज्ञानिक माडलों को बनाया है। जिसमें वर्किंग रोबोट, इलेक्ट्रिसिटी, पावर लिफ्ट, बैंक लाकर, वालकेनो डेम, लाईफाई तकनीक, स्वचालित प्रणालियों, जल संरक्षण, भकंप, सड़क सुरक्षा वर्षा जल संचयन, आधुनिक सिंचाई पद्धति आदि विषयों पर बच्चों द्वारा बनाये माडल शामिल रहे। विद्यालय के प्राधानाचार्य समीर द्विवेदी ने बच्चों का हौसला बढ़ाया। प्रबंधक अलका सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्था के डायरेक्टर राकेश सिंह ने आये हुए अतिथियों व अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ व अभिभावक मौजूद रहे।

संक्षेप

कोरोना पर एहतियातन किया मॉकड्रिल

प्रतापगढ़। कोरोना के दोबारा लक्षण को देखते हुए स्वास्थ्य महकमे ने बचाव को लेकर एहतियातन तैयारी तेज कर दी है। मंगलवार को लालगंज की सीएचसी परिसर मे स्थित ट्रामा सेंटर में कोरोना से बचाव के लिए चिकित्सा टीम ने माकड्रिल किया। जिले के डिप्टी सीएमओ डा. आरपी गिरि के निर्देशन में ट्रामा सेंटर में कोरोना के संभावित मरीजों के उपचार व उनके सुरक्षात्मक अन्य बिंदुओं पर पूर्वाभ्यास किया गया। अधीक्षक डा. अरविंद गुप्ता ने बताया कि ट्रामा सेंटर में कोरोना के उपचार को लेकर साफ सफाई के साथ सेनेटराइजेशन के विशेष प्रबन्ध प्रभावी किये जाएगें। उन्होने लोगों से भी एहतियातन सुरक्षा के लिए कोविड दिशानिदेर्शों का पालन करने की अपील की है। बतादें कोरोनाकाल में लालगंज ट्रामा सेंटर को कोविड एल-वन के रूप में प्रभावी बनाया गया था। ट्रामा सेंटर परिसर में ही क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की विधायक निधि से ऑक्सीजन प्लांट व कोविड रैनबसेरा तथा ऑक्सीजन कन्संट्रेटर भी लगाया गया है।

इंटर कालेज की खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रतापगढ़। बाघराय के रामस्वरूप भारती इंटर कालेज सुन्दरगंज के प्रांगण में तीन दिवसीय श्रीमती निशी बाला भारती स्मारक खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में तीन मीटर की दौड़ में रविशंकर यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर कालेज का मान बढ़ाया। जबकि आठ सौ मीटर की बालिका वर्ग की दौड़ में जूली सरोज ने बाजी मारी। गोला फेंक में मुकेश गुप्ता, लंबी कूद में सनी सरोज, बालीबाल प्रतियोगिता में कक्षा 9 एवं कक्षा दस के छात्रों ने भाग लिया। जिसमें कक्षा दस के छात्र विजई हुए। कबड्डी प्रतियोगिता में कक्षा 9 एवं कक्षा दस के बीच खेल में कक्षा 9 की टीम विजई रही। कबड्डी प्रतियोगिता में कक्षा 12 एवं कक्षा 11 के बीच हुए खेल में इंटर की टीम विजई रही। प्रतियोगिता का संचालन कमलेश पांडे ने किया। छात्र अमित, रितेश, अंकित, विनय, शाहिल विश्वकर्मा, हर्ष सरोज आदि के बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना की गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ रामपूजन यादव, रमाकांत, अनिल, विजय त्रिपाठी, अरूण कुमार ओझा, कमलेश पांडेय, उमानरायण, कैलाश नाथ श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, मनोज यादव आदि मौजूद रहे।

धर्मान्तरण के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद ने निकाली शोभायात्रा

शोभायात्रा निकालते विश्व हिन्दू परिषद

प्रतापगढ़। धर्मान्तरण के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद ने संत समाज के साथ मंगलवार को शोभायात्रा निकालकर हिन्दू समुदाय को जागरूक किया। शोभायात्रा लालगंज से घुइसरनाथ धाम तक लगभग दस किलोमीटर निकाली गई। इस दौरान यात्रा में शामिल लोग एकता के नारे लगा रहे थे। विहिप के डा0 शिवेशानन्द महराज ने बताया कि शोभायात्रा के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी। यह शोभायात्रा केन्द्रीय कार्यालय नई दिल्ली के निर्देश पर हिन्दू समुदाय को जागरूक करने के लिए निकला गई थी। उन्होंने बताया कि विहिप 21 से 31 दिसम्बर के बीच धर्म रक्षा अभियान चलाकर छल, कपट, लोभ, लालच के बल पर हो रहे धर्मान्तरण के प्रति देश वासियों को सजग किया जा रहा है। राष्ट्र को इस कलंक से मुक्ति दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। डा0 शिवेशानन्द ने बताया कि 23 दिसम्बर को स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस को केंद में रखकर यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें हिन्दू समाज से किसी भी कारण से दूर हुए स्वजनों को स्वधर्म में वापसी के लिए प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के संचालक श्री नारायण शुक्ल ने बताया कि इस दौरान हवन, यज्ञ, कथा, प्रवचन, शोभायात्रा, गोष्ठियां, सद साहित्य का वितरण किया जा रहा है। यात्राओं, प्रभात फेरियों द्वारा संतों के निर्देशन में धर्म जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान संत अनुराग, बाल व्यास सिद्ध विनायक, विजय कुमार, सुशील ओझा, विनीत ओझा, रमा शंकर सिंह, मनोज मिश्र, मदन शुक्ल, उदय राज वर्मा, भाजपा नेता ओम प्रकाश त्रिपाठी, सोनू सिंह सहित बड़ी संख्या में परिषद से जुड़े महिला व पुरूष मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में डॉक्टर समेत परिजन घायल

प्रतापगढ़। कुंडा के चिकित्सक का परिवार कौशाम्बी जा रहा था, तभी स्कूल वाहन ने उनकी कार में टक्कर मार दिया। हादसे में चार लोग घायल हो गए। जबकि चिकित्सक के भाई की हालत गंभीर है। कुंडा के मदरियापुर गांव निवासी डॉ. अरुण ओझा कुंडा में चिकित्सक हैं। उनकी भाभी पूजा देवी (39) कौशाम्बी में शिक्षिका हैं। मंगलवार सुबह डॉक्टर के परिजन कौशाम्बी के लिए अपनी कार से निकले। जैसे ही हथिगवां थाना क्षेत्र के मोहददीनगर चैराहे मोड़ पर पुरनेमऊ के पास पहुंचे। स्कूली वाहन ने कार में टक्कर मार दिया। हादसे में अंजली ओझा (26) पत्नी डॉ. अरुण ओझा, अनिल कुमार ओझा (44) पुत्र डॉ. आरके ओझा, उनकी पत्नी पूजा देवी (39) तथा कार चला रहा ममेरा भाई शैलेश मिश्रा (22) पुत्र डेविड मिश्रा निवासी चैरही मानिकपुर गंभीर रुप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को इलाज को सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद भी अनिल ओझा की हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने रेफर कर दिया। घायल के इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ ले जाया गया है।

जीआरपी थाने का सीओ ने किया निरीक्षण हेड और आरक्षी को किया पुरस्कृत

जीआरपी थाने का निरीक्षण करते सीओ

प्रतापगढ़। सीओ रेलवे प्रथम अनुभाग लखनऊ संजीव सिन्हा ने मंगलवार को जीआरपी थाने का अर्धवार्षिक मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने बेहतर शस्त्र प्रदर्शन करने वाले थाने के हेड मुहर्रिर विनोद कुमार और मुख्य आरक्षी विनोद कुमार निषाद को पुरस्कृत किया गया। साथ ही आरक्षी से मुख्य आरक्षी की प्रोनत्ति पाने वाले जुल्फकार अली को फिती लगाकर उनके कार्य की सराहना की। सीओ ने मालखाना, बंदीगृह, और अभिलेखों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने ट्रेनों में होने वाली चोरी और जहरखुरानी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधियों पर नकेल कसने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में पकड़े गए शातिरों को जेल की हवा खिलाने के लिए एसओ मोहम्मद राशिद खान की सराहना की। पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं को साझा किया। इस दौरान उप निरीक्षक रामजीत समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने आगमन पर सीओ को सलामी दी।

वालीवॉल प्रतियोगिता में देवरी टीम को मिला विजेता का खिताब

प्रतियोगिता

- नेहरू युवा केंद्र प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक के दर्जनों विद्यालयों के छात्र, छात्राओं ने भाग लिया

विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए

प्रतापगढ़। लालगंज के ब्लाक स्तरीय वालीवाल प्रतियोगिता में देवरी की टीम को विजेता का खिताब मिला। सांगीपुर के भगौरा गांव में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नेहरू युवा केंद्र प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक के दर्जनों विद्यालयों के छात्र, छात्राओं ने भाग लिया। इसमें बालीबाल फाइनल मुकाबला रोचक दिखा। फाइनल मुकाबला देवरी व भगौरा के बीच खेला गया। तीन सेट में हुए मैच में दोंनो टीमों द्वारा एक, एक सेट जीतकर मैच जीतने से रोमांचक स्थिति बन गयी। हालांकि तीसरे सेट में मात्र एक अंक से देवरी टीम के हाथ विजेता का खिताब लग गया। वहीं कबड्डी तथा खो खो प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय सांगीपुर को प्रथम स्थान हासिल हुआ। इसके तहत बालक वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में मंजीत पटेल, तथा 800 में आलोक सिंह, तथा 1600 मीटर की दौड़ में सुभाष कुमार वर्मा प्रथम स्थान मिला। बालिका वर्ग में, 100 मीटर दौड़ में रानी रजक तथा 400 मीटर दौड़ में स्वाती देवी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार बतौर मुख्य अतिथि, जिला युवा समन्वयक उपनिदेशक समर बहादुर सिंह ने प्रदान किया। कार्यकर्म का संचलन हरिकृष्ण यादव ने किया। अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अशोकधर द्विवेदी ने किया। इस मौके पर कृपाशंकर, रामजी, शिवम तिवारी, विनोद त्रिपाठी, संजय यादव, एहसान अली, बलराम कश्यप आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में शामिल लोग

गुरुमत ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतापगढ़। शहर के बाबागंज स्थित गुरुद्वारा नानक शाही में मंगलवार को गुरुमत ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साहिबजादों के शहीदी पर्व एवम गुरुगोबिंद सिंह जी के 356वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष में दो दिवसीय गुरमत ज्ञान प्रतियोगिता क्विज में सिक्ख समुदाय के लोगों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा बने लोगों में प्रतियोगिता के प्रति उत्साह रहा। क्विज प्रतियोगिता का आयोजन सरदार मंजीत सिंह गोबिंद के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर भवनजीत कौर, रविन्द्र कौर, गुरप्रीत कौर, रविन्द्र कौर, प्रभजोत कौर, सिमरन कौर आदि मौजूद रहे। सरदार मंजीत सिंह ने प्रतियोगितावमे शामिल प्रतिभागियों एवम सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि विजयी प्रतिभागियों को पुरुष्कर का वितरण 31 दिसम्बर की रात नव वर्ष के रंग हरि कीर्तन के संग कीर्तन दरबार में किया जाएगा।

नगर निकाय चुनाव का टलना बीजेपी को हार का डर : प्रमोद तिवारी

संबोधित करते कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी

प्रतापगढ़। यूपी नगर निकाय चुनाव को लेकर हाईकोर्ट के फैसले पर कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि हिमांचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव व दिल्ली के नगर निगम चुनाव के साथ देश में हुए उप चुनावो में करारी हार से भाजपा का डर सामने आया है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने जानबूझकर निकाय चुनाव को लेकर न्यायालय के निदेर्शों का पालन नहीं किया। सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में जो तथ्य रखे गये वह अपर्याप्त थे। ऐसे में हाईकोर्ट के सामने यूपी सरकार के निकाय चुनाव की अधिसूचना रदद करने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। रामपुर खास के दौरे पर आये प्रमोद तिवारी ने लालगंज में मीडिया से रूबरू होते हुए यह भी दावा किया कि यूपी में जब भी नगर निकाय के चुनाव होंगे भाजपा को हार का स्वाद चखना पड़ेगा। वहीं सांसद के साथ दौरे में मौजूद प्रदेश कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने भी प्रदेश के नगर निकाय चुनाव को लेकर हाईकोर्ट के फैसले को सरकार की नीतिगत कमजोरी के साथ कोर्ट के सामने मजबूत पैरवी का अभाव बताया। उन्होनें कहा कि भाजपा को मंहगाई, बेरोजगारी व महिला उत्पीड़न की घटनाओं के लगातार बढ़ने से जनता के आक्रोश के सामने निकाय चुनाव में जीत की संभावना नहीं दिख रही थी। ऐसे में सूबे की सरकार ने निकायों में सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती दिशा निदेर्शों की जानबूझकर अनदेखी की।

रानीगंज तहसील के गायब फाइलों का नहीं लगा सुराग पेशकार पर दर्ज है मुकदमा

प्रतापगढ़। रानीगंज तहसील में कोर्ट की महीनों से गायब फाइलों का अभी तक पता नहीं चल सका। एक महीने पहले तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह ने पूर्व पेशकार के खिलाफ फाइलों को गायब करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं अभी तक पूरी फाइलों का पता नहीं चलने पर तहसीलदार ने पूर्व पेशकार के खिलाफ विभागीय कार्यवाही के लिए डीएम को पत्र भेजा है। रानीगंज तहसील में तहसीलदार कोर्ट की लगभग पांच हजार फाइलों का संरक्षण पूर्व पेशकार के जिम्मे था। तबादला होने के बाद चार्ज लेने आए पेशकार को करीब 260 फाइल ही मिली। करीब एक महीने पहले तहसीलदार धर्मेंद्र सिंह ने पूर्व पेशकार के खिलाफ रानीगंज थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद करीब पच्चीस सौ फाइलें मिल गई। फिर भी दो हजार फाइलों का अभी तक पता नहीं चल सका है। जिससे मुकदमों से जुड़ी फाइलों की सुनवाई में अड़चन आ रही है। वहीं वादकारियों को भी अपने मुकदमें को लेकर परेशानी हो रही है। इस बारे में तहसीलदार ने बताया कि पूर्व पेशकार के खिलाफ गायब फाइलों को लेकर विभागीय कार्यवाही के लिए डीएम को रिपोर्ट भेजी गई है।

अधिकारी व दलाल यहां की जनता से पैसा मांगे तो जाएंगे जेल : डॉ0 आर.के. वर्मा

लोगों को संबोधित करते डॉ आर.के. वर्मा

प्रतापगढ़। प्रदेश में महंगाई व भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। सरकार इस पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। महंगाई और भ्रष्टाचार पर प्रदेश व केंद्र सरकार विफल है। इसका खामियाजा सरकार को नगर पंचायत के चुनाव में जनता अवश्य दिखाएगी। यह बातें रानीगंज के सपा विधायक डॉक्टर आरके वर्मा ने नगर पंचायत सुवन्सा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करने के पश्चात मंगलवार को सुवन्सा बाजार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सुवन्सा नगर पंचायत जब से बनी है, तब से यहां भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। रानीगंज क्षेत्र की जनता ने ऐसे विधायक चुना है, जो दबंगई व दलालों पर अंकुश लगा सके। अब सुवन्सा नगर पंचायत में भ्रष्टाचार व लूट नहीं होगा। यहां पर सभी अधिकारी, कर्मचारी व कथित दलाल अब सावधान हो जाएं। जो भी अधिकारी व कथित दलाल यहां की जनता व गरीब किसानों से एक रुपए भी मांगेगा। यदि इसकी शिकायत मिलेगी तो वह जेल की सलाखों के पीछे होगा। साथ ही विधायक डाक्टर आरके वर्म ने रानीगंज नगर पंचायत व पृथ्वीगंज नगर पंचायत की विभिन्न परियोजनाओं का भी लोकार्पण व शिलान्यास किया इस मौके पर डॉक्टर शेर बहादुर यादव, अमरपाल यादव, सूरज पटेल, सुधीर श्रीवास्तव, विवेक यादव, नरेंद्र पाल, संजय सरोज, संतोष यादव, अशोक मौर्य, वाहिद अली, वसीम भाई, मूलचंद यादव, रंजीत मौर्या, राजेश सरोज, लाल तिवारी, बृजेश यादव व मीडिया प्रभारी संजीव कुमार पांडेय सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जनसंपादकीय

हिन्दी के योद्धा श्रीनारायण चतुर्वेदी

हिन्दी भाषा के नायक के रूप में श्रीनारायण चतुर्वेदी 'भैया जी' की बहुत ख्याति थी। उनका जन्म 28दिसंबर,1893में इटावा में हुआ।और देहांत 18अगस्त,1990को हुआ।सन 1925 में उन्हें सरकारी फेलोशिप मिली थी और तीन वर्ष इंग्लैण्ड में रहकर उन्होंने शिक्षा शास्त्र में एम ए.किया था`स्वदेश वापस आने के बाद उन्हें शिक्षा विभाग में बड़े पद पर नौकरी मिली थी वे सरस्वती के संपादक भी रहे`उनदिनों निरालाजी ,पढीस,रामविलास शर्मा, अमृतलाल नागर ,यशपाल आदि भी लखनऊ में थे`

श्रीनारायण चतुवेर्दी जी उत्तर प्रदेश के शीर्ष शिक्षाधिकारी थे निराला जी अक्सर उनके लखनऊ आवास पहुंच जाया करते थे। और वहां कब तक रहेंगे, कब अचानक कहीं और चले जाएंगे, यह तय नहीं रहता था। श्रीनारायण चुतवेर्दी के साथ निरालाजी के कई प्रसंग जुड़े हैं। लोग चतुवेर्दीजी को सम्मान से 'भैयाजी' कहकर संबोधित करते थे। वह हिन्दी के कवि-साहित्यकारों को मंच दिलाने से लेकर उनकी रचनाओं के प्रकाशन, आतिथ्य, निजी आर्थिक जरूरतें पूरी कराने तक में हर वक्त तत्पर रहते थे।

बाद में जब उर्दू को राज्य की द्वितीय राजभाषा बनाने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार ने पारित किया तब पूरे प्रदेश की हलचल तेज हो गयी थीं`लखनऊ के साहित्यकारों में उनकी गहरी पैठ थीं`कुअर चन्द्र प्रकाश सिंह , लक्ष्मीशंकर मिश्र निशंक,गंगारत्न पाण्डेय,अमृतलाल नागर आदि से उनकी बहुत आत्मीयता थीं` युवा वृद्ध सभी हिन्दी प्रेमी उनके साथ थे`अब कांगेस की स्थिति ठीक नही थीं`आपातकाल के बाद कई प्रदेशों में गैर कांग्रेसी सरकारें भी बनीं थीं`लेकिन जब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का वोट खिसक रहा था तो तुष्टीकरण की राजनीति के अलावा कांग्रेस को अन्य मार्ग नहीं दिखा`उर्दू को द्वितीय राजभाषा बनाने से मुस्लिम वोटों को कांग्रेस अपने हित में पक्का करना चाहती थीं` इंदिरा जी की सहमति से जब विश्वनाथ प्रताप सिंह (9 जून 1980 --18 जुलाई 1982) प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो मसौदा तैयार हो गया` उनके बाद श्रीपति मिश्र ( 19 जुलाई 1982 --2 अगस्त 1984)मुख्यमंत्री रहे लेकिन इस अध्यादेश को लागू नही किया`फिर जब नारायण दत्त तिवारी मुख्यमंत्री बने (3 अगस्त-1984 से 24 सितम्बर 1985)तो इसी अवधि में यह आदेश लागू हुआ` तिवारी जी कांग्रेस के प्रतिबद्ध सिपहसालार थे।

सब जानते थे कि इस आदेश से उर्दू का भला होने के बजाय कांग्रेस का भला होने वाला था` भैया जी इस आदेश का आरम्भ से ही विरोध कर रहे थे`उनके साथ हजारों हिंदीवादी कवि लेखक भी खड़े हुए थे` उस अवस्था में भी उनकी आँखों में एक युवकोचित जोश था` कुंवर चंद्रप्रकाश सिंह,गंगारत्न पाण्डेय,शिवसिंह सरोज,लखनऊ विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक विद्यार्थी सैकड़ों पत्रकार शिक्षक साहित्यकार उनके नेतृत्व में एक जुट हुए थे` हम जैसे युवा और युवारचानाकार मंच के अनेक साथी भी स्कूल कालेज के तमाम विद्यार्थी उनके साथ धरना प्रदर्शन में जुट गए` इसके साथ ही पत्रक वितरित करने का काम हम युवा लोगों ने खूब किया था` उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के परिसर में भी हमारा धरना हुआ था`वहीं पास में विधानसभा और प्रेस क्लब भी है , तो सब पल पल की खबर पत्रकार पहुंचाते थे`भैया जी इस भाषा आन्दोलन के अगुआ थे`अखबारों में भी खूब कवरेज होता था` उनका कहना था - ह्यदस प्रतिशत लोगों को खुश करने के लिए प्रदेश की नब्बे प्रतिशत जनता पर उर्दू थोपकर सरकार उनका अपमान कर रही है।

इसी बीच चतुवेर्दी जी को मनाने की तमाम कोशिश सरकार कर रही थीं`इसी प्रयास में सरकार ने यकायक उन्हें उत्तरप्रदेश हिन्दी साहित्य संस्थान का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान भारत भारती(1984) देने का निर्णय लिया` अखबारों में यह समाचार प्रकाशित हुआ, जब भैया जी को यह पता लगा तो उन्होंने अपना लिखित बयान स्वतन्त्र भारत दैनिक को भेजा और शिवसिंह सरोज जी से उसे प्रकाशित करने को कहा` वह उनका ऐतिहासिक बयान शब्दशः तो याद नही है किन्तु वह कुछ इस प्रकार था- ह्यमाननीय मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश सरकार , आपने जो मुझे एक लाख रुपये के 'भारत भारती' सम्मान के लिए चुना है उसके लिए आपका धन्यवाद`मैं सामान्य घर से आता हूँ मैंने अपने जीवन में कभी एक लाख रुपये एक साथ देखे तक नहीं हैं`लेकिन आपकी सरकार ने पौने दस प्रतिशत लोगों के तथाकथित हित मेंउर्दू को द्वितीय राजभाषा बनाकर इस राज्य की राजभाषा प्रेमी 90 प्रतिशत जनता का अहित और अपमान किया है।मैंने साहित्य में ऐसा कुछ किया भी नही है , इसे देखते हुए मेरे लिए यह 'भारत भारती' पुरस्कार लेना अनुचित है। मैं इसे विनम्रता पूर्वक लौटा रहा हूँ।'

यह उनका पत्र दूसरे दिन जब स्वतन्त्र भारत के मुखपृष्ठ पर छपा तो पूरे प्रदेश के हिन्दी प्रेमी समाज में हलचल तेज होगई` बड़े साहित्यकारों के साथ हम युवा रचनाकार और विद्यार्थी भी उस भाषा आन्दोलन में जाते थे`उस समय हिन्दी संस्थान के अध्यक्ष शिवमंगल सिंह सुमन जी थे`उनके लिए भाषा की यह राजनीति और भारत भारती पुरस्कार के विवाद से बड़ी मुसीबत बन गयी थी`तमाम बैठकें हुई लेकिन भैया जी न माने`फिर अंत में यह तय किया गया कि इस बार का यह सम्मान अमृतलाल नागर जी को दिया जाय` पहले तो विवादित होने के कारण नागर जी ने इस पुरस्कार को लेने से अपनी असहमति जताई किन्तु बाद में शिवमंगल सुमन की अध्यक्षता में नगर के वरिष्ठ साहित्यकारों सहित अनेक साहित्यकार उनके घर पर उन्हें मनाने पहुंचे सबका यही निवेदन था कि इस विवाद में हिन्दी संस्थान के इस गौरवशाली सम्मान का निरादर न हो`नागर जी जितने बड़े लेखक थे उतने ही सुलझे और समझदार व्यक्ति थे उन्होंने सबकी भावनाओं को स्वीकार किया`इधर जनता ने सरकार के प्रति अपना विरोध जताने वाले भैया जी के लिए अटल बिहारी बाजपेयी जी के हाथों से एक लाख ग्यारह हजार का भारत भारती जनसम्मान दिलवाया`बाद में सन 1987 के विश्व हिंदी सम्मेलन में पढ़ने के लिए अटल जी ने जो कविता लिखी उसमें भैया जी का सादर उल्लेख किया था। चतुवेर्दी जी का मानना था कि हिन्दी और देवनागरी लिपि का अधिकाधिक प्रयोग ही हमारी संस्कृति को सुरक्षित करेगा।

उर्दू विधेयक लागू करने के विरोध में उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने चतुवेर्दी जी के पक्ष में निर्णय दिया किन्तु प्रदेश सरकार उच्चतम न्यायालय में चली गयी`वहां भी 22 अप्रैल 1987 को उत्तर प्रदेश सरकार की अपील निरस्त कर दी गयी`चतुवेर्दी जी ने राजभाषा हिन्दी के संरक्षण के लिए बहुत काम किया`उनका सम्मान हिन्दी के अनन्य सेवी के रूप में हमेशा किया जाता रहेगा`इस भाषा आन्दोलन के दौर में अनेक बार उनसे मिलने और उनके चरण छूने का सौभाग्य मुझे भी मिला` आशीर्वाद के लेने के अलावा उनसे कभी व्यक्तिगत संवाद नही हुआ पर अब सोचता हूँ कि उन्हें छूकर मानो तब मैंने निराला को ही छू लिया था`निराला जी को तो मैंने नही देखा पर उनके कुछ स्वाभिमानी तत्व भैया जी के व्यवहार में अवश्य दिखते थे`एक दफा भाई आवारा नवीन जी के साथ किसी कविता पुस्तक पर सम्मति के लिए उनके पास हम दोनों पहुंचे लेकिन उनका मूड शायद किसी कारण ठीक नहीं था उन्होंने कुपित ब्राहमण की तरह वह किताब फेंक दी और बोले ह्यकविता लिखने से हिन्दी की रक्षा होगी ?ह्नतब हम दोनों को बहुत बुरा लगा था`बाद के दिनों में उनका स्वभाव सशंकित वृद्ध जैसा हो गया था`इसके बावजूद हिन्दी के अप्रतिम योद्धा तो वे थे ही , उनकी सुधि को नमन।

भारतेन्दु मिश्र
सी-45/वाई-4, दिलशाद गार्डन,दिल्ली, संपर्क- 98680313 84

हत्या के परिदृश्य में

चिड़िया का बच्चा फुदक-फुदककर /उड़ना सीख रहा था हौले-हौले
माँ ने मना किया पर मैं भागा था माँ का हाथ छुड़ाकर
लगभग चीखते हुए माँ ने कहा था पीछे से मत छूना खग-शिशु को
वरना वो भूल जाएगा उड़ना!/ और जब उड़ नहीं सकेगा तो /उसी के स्वजन
मार डालेंगे उसे चोंच मार-मारकर/ और उसकी हत्या का पाप लगेगा तुझको
पर खुद को रोक नहीं सका था/ मुझको इतना उमड़ा था खग-शिशु के लिए प्यार
उसे बैठाया अपनी नन्ही हथेली पर/ खूब खेला कई बार चूमा और सहलाया कितनी ही बार...
और जब छोड़ा तो सचमुच/ उड़ना भूल गया था चिड़िया का बच्चा
पाँव से चलकर इधर-उधर /बागड़ में ढूँढ रहा था /जीवन का ठौर-ठिकाना
तभी गूँजी कौओं की काँव-काँव/ कीं-कीं करते तिरबद्ध उतरे पँछी-पक्षी...
शाख पर बैठी एक माँ का क्रदन/ मैं अब भी सुन रहा हूँ/ और जैसे अपनी
छोटी-छोटी आँखें तरेर
अब भी देख रही है खग-शिशु की माँ मुझको
और मैं खग-शिशु का हत्यारा/ पश्चाताप में डूबा
हत्या के उस परिदृश्य में अभी भी खड़ा हुआ हूँ/ दम सिकुड़!

- वसंत सकरगाए

नई पुरानी चुनौतियों के बीच राह बनानी होगी

प्रसंगवश

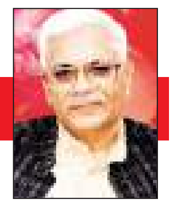

गिरीश्वर मिश्र

अनुभव का सात्य तो वर्तमान ही है। अतीत और भविष्य दोनों से हमारी भेंट वर्तमान में और उसी के संदर्भ में होती है। अतीत की ओर की यात्रा स्मृति और उसके सद्यः उपलब्ध भौतिक चिह्नों के सहारे होती होती है पर जब हम भविष्य की बात करते हैं तो कल्पना और अनुमान का ही सहारा रहता है। तर्क से देश काल की कुछ विशेषताओं को ठहरा कर भविष्य की पैमाइश करना सरल हो जाता यदि आगे आने वाली परिस्थितियाँ स्थिर बनी रहतीं। जब हम भारत और उसके कोटि-कोटि जनों के लिए सोचते हैं तो मन में भारत भूमि पर हजारों वर्षों की आर्य सभ्यता और संस्कृति की बहु आयामी यात्रा कौंध उठती है। विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों के संघात के बीच ज्ञान, विज्ञान, कला, साहित्य का अविरल प्रवाह राष्ट्रीय गौरव का बोध कराता है। साथ ही भारत का भाव हमें उस दाय को सँभालने के लिए भी प्रेरित करता है जिसके हम वारिस हैं। निकट अतीत का स्वाधीनता संग्राम देशवासियों को राष्ट्र को आगे ले जाने का दायित्व भी स्मरण कराता है। स्वाधीनता आश्वस्त करती है पर हमारे आचरण को आयोजित करने के लिए कर्तव्य-मार्ग का निर्देश भी दिखाती है ताकि वह सुरक्षित रहे । इस तरह अतीत कभी व्यतीत नहीं होता बल्कि हमको रचता रहता है । इसीलिए देश का आख्यान किस रूप में उपलब्ध होता है यह राजनैतिक सवाल बन जाता है और उसे लेकर जब तब विभिन्न राजनैतिक दलों के बीच अपने अपने दावों को लेकर प्रतिस्पर्धी राजनैतिक दलों में होड़ चलती रहती है। उनके बीच मुद्दों को खोज-खोज कर अक्सर तीखी बहसें भी छिड़ती रहती हैं। इतिहास में दर्ज होने और खारिज होने के मायने सीधे-सीधे वर्तमान और भविष्य में अपनी बढ़त पाने के लिए दावों की पुष्टि या खंडन से जुड़े होते हैं।

अगले वर्ष के बारे में सोचते हैं तो तमाम इरादों, वादों, संघर्षों, संधियों, संकल्पों और उपलब्धियों के तुमुल कोलाहल से गुजरते हुए स्मृतिपटल पर बनते बिगड़ते कई चित्र तैरने लगते हैं। भारत देश विकास के मार्ग पर एक यात्रा पर अग्रसर है । भारत के लिए अगले साल में क्या कुछ होने वाला है और यह सवाल इससे भी जुड़ा है कि हम भारत के लिए क्या चाहते हैं और उभरती परिस्थितियों में क्या कुछ सम्भव है। इस सिलसिले में यह भी याद रखना जरूरी है कि आज की दुनिया में परस्परनिर्भरता एक अनिवार्य नियति बनती जा रही है। आर्थिक, राजनैतिक और पारिस्थितिक रिश्ते अब स्वभावतः वैश्विक होते जा रहे हैं। फलतः कहीं भी अगर कुछ घटित होता है तो उसका असर अन्यत्र भी पड़ता है। प्रचलित सूचना के मुताबिक चीन के वूहान नगर से निकले कोरोना वाइरस और कोविड-19 यूरोप, अमेरिका और भारत समेत एशिया के तमाम देशों में फैल कर लगभग पूरे विश्व को एक ऐसी महामारी की चपेट में लिया जिससे लाखों लोगों के जीवन की हानि और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। ऐसे ही यूक्रेन और रूस के बीच चल रहा युद्ध प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पूरे संसार में आर्थिक कठिनाई बढ़ा रहा है।

इस बीच भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय पहल की और, अपनी बात रखी और उसकी साख में बृद्धि हुई है। नए साल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और जी-20 समूह की अध्यक्षता के साथ भारत की वैश्विक उपस्थिति निश्चित ही फलदायी होगी। पड़ोसी देशों के हालात संतोषजनक नहीं है और बहुत जल्द सुधार की आशा नहीं दिखती। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में आंतरिक रूप से राजनैतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट गहराते दिख रहे है। चीन का रुख भी सहयोग की जगह मुश्किलें पैदा करने वाला रहा है। पड़ोसी देशों की यह स्थिति भारत के लिए सजग और सतर्क राजनय और सामरिक तत्पारता की जरूरत को रेखांकित करती है। इसे देखसते हुए भारत के सुरक्षा प्रयास वरीयता के साथ शुरू है और स्वदेशी तकनीकों और उत्पादों पर ध्यान दिया है। अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर हलचल कम होती नहीं दिखती और चीन तथा पाकिस्तान की हरकतों का अंदेशा देखते हुए देश को सामरिक शक्ति को सुदृढ़ रखना होगा।

भारत के आधुनिक लोकतंत्र ने पचहत्तर सालों की यात्रा के दौरान अंग्रेजी राज के उपनिवेश की विकट छाया से मुक्ति की आहट शिक्षा की संरचना, विषयवस्तु और प्रक्रिया में बदलाव में दिखने लगी है। परिवर्तन की अस्त-व्यस्तताओं के साथ ढाँचे को पुनर्व्यवस्थित करने के लिए राज्यों और केंद्र में कई स्तरों पर गहन तैयारी की जरूरत है। अध्यापक-प्रशिक्षण, पाठ्य-विषय, शिक्षण-माध्यम, पुस्तक-निर्माण, शैक्षिक-मूल्यांकन और शैक्षिक-संरचना आदि के मोर्चों पर आगे बढ़ने के लिए आर्थिक निवेश जरूरी होगा ताकि जरूरी अवसंरचना स्थापित और संचालित हो सके। भारतीय सभ्यता और संस्कृति के साथ जुड़ाव को आगे बढ़ाना और मातृभाषा में पढ़ाई के साथ डिजिटलीकरण की दिशा में सावधानी से आगे बढ़ना होगा। आज ह्यहाइब्रिडह्न प्रणाली लोकप्रिय हो रही है। आनलाइन शिक्षा पूरक और विकल्प दोनों ही रूपों में अपनाई जा रही है। इसके चलते विद्यार्थी और अध्यापक दोनों के कौशलों और दक्षताओं को पुनर्परिभाषित करने की जरूरत पड़ रही है। इन दृष्टियों से यह साल बड़ा ही निर्णायक सिद्ध होगा।

भारत अभी भी एक कृषिप्रधान देश है और गावों की परिस्थितियाँ देश के लिए से महत्वपूर्ण हैं और उनकी उपेक्षा नहीं होनी चाहिए । खाद्यान्न उत्पादन में विविधता की दृष्टि से मोटे अनाज, तिलहन तथा दलहन को बढ़ावा देने के उपक्रम और तेज होंगे। किसानों के पिछले आंदोलन की दुखद स्मृति अभी भी बनी हुई है। खाद, बीज, सिंचाई की व्यवस्था और बाजार से जुड़ी नीतियों पर संवेदना के साथ विचार जरूरी है। आशा है बिना भूले उन मुद्दों के समाधान की राह निकलेगी। पेस्टीसाइड के घातक प्रभावों को देखते हुए देसी बीज और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से दूध, फलों और सबज़ियों के उत्पादन में वृद्धि जरूरी है।

स्वास्थ्य की चुनौती बिकराल हो रही है। पर्यावरण प्रदूषण, भोज्य पदार्थ में मिलावट, मंहगी दवाएँ, अस्पतालों की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं का बाजारीकरण स्वास्थ्य को आम आदमी की पहुँच से दूर कर रहा है। स्वास्थ्य की नैतिकता एक बड़ा सवाल बनता जा रहा है। इस बीच एलोपैथिक औषधि को उपलब्ध कराने के लिए जेनरिक औषधि की विशेष दूकानें खुली हैं जहां उचित दाम पर दवाएँ मिल रही हैं, पर वह नाकाफी है। आयुष की व्यवस्था देसी चिकित्सा पर बल देने के लिए प्रयास रात की गई है पर समग्र स्वास्थ्य (मानसिक और शारीरिक दोनों ही) की देखरेख अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। टेंली मेंडिसिंन की सेवाओं का विस्तार तेजी से किया जाना चाहिए। जनसंख्या को देखते हुए चिकित्सकों की संख्या अपर्याप्त है। इसलिए स्तरीय स्वास्थ्य-शिक्षा के विस्तार पर वरीयता के साथ काम करना जरूरी होगा ।कोविड की लड़ाई में देश की उपलब्धि सराहनीय थी। उसकी नई दस्तक पर सजगता जरूरी होगी।

मीडिया का कल्पनातीत विस्तार खास तौर पर इलेक्ट्रोनिक और सोशल मीडिया जिस तरह फैला है उसने लोगों की मानसिकता, आचरण और वैचारिक परिपक्वता सबको हिला दिया है। उसकी प्रभाव-क्षमता रोचक सामग्री, तीव्र गति और अंतःक्रियात्मकता (इंटेरैक्टिव) के कारण बहुत बढ गई है। संवाद और संचार की दुनिया पर इस तरह का कब्जा जमा कर समाज का मन मस्तिष्क कब्जे में लेने की यह कोशिश न केवल नए सामाजिक वर्ग और भेद बना रही है बल्कि मनुष्यता का मशीनीकरण करती जा रही है। उसका विवेक, उसकी सामाजिकता और उसके आत्मबोध सबको समेटते और ध्वस्त करते हुए यह प्रौद्योगिकी निजी और सामाजिक रिश्तों नातों को खंडित करती जा रही है। इसके दुरुपयोग के चलते मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना कठिन हो रहा है। इसे लेकर सामाजिक बहस और इसके नियमन की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

न्याय का क्षेत्र एक दुखती रग है जिधर अभी तक व्यवस्थित रूप से ध्यान नहीं दिया जा सका है। न्यायाधीशों की कमी और करोड़ों की संख्या में प्रतीक्षारत मुकदमे ऐसे घोर तथ्य हैं जिनकी उपेक्षा घातक है। साथ ही उसमें विलम्ब होने के कारण सभी को असंतोष है। न्याय व्यवस्था की औपनिवेशक आधारभूमि से अभी पूरी तरह से निजात नहीं मिल पाई है। उच्चतम न्यायालय की सक्रियता से जरूर कई महत्वपूर्ण पहलें हुई हैं, फैसले लिए गए हैं और केंद्र सरकार ने भी कई सुधार के काम हाथ में लिए हैं परंतु सस्ता, शीघ्र और संतोषप्रद न्याय पाना अभी भी टेढ़ी खीर है। भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी शासन या सुशासन स्थापित करना अभी भी अधूरा सपना है । बढ़ते आर्थिक अपराध, पद और अधिकार का दुरुपयोग, संस्थाओं की स्वायत्तता का नाश और राजनीति में अनपढ़, धनी और अपराधी लोगों का बढ़ता वर्चस्व ऐसी स्थितियों बना रहे हैं जो आम जनों के मन में राज्यव्यवस्था के प्रति संदेह पैदा करती हैं । बाजार, वैश्वीकरण और निजी सुख की बढ़ती चाहत ने सामाजिकता को हाशिए पर भेजने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राजनैतिक दलों में वैचारिकता और अनुशासन की कमी चिंताजनक हो रही है। यह दुखद है जाति, आरक्षण, भाषा, शिक्षा और धर्म से जुड़े मुद्दे अक्सर अल्पकालिक राजनैतिक स्वार्थ के चलते सद्भाव के साथ नहीं सुलझाये जाते। आज देश-सेवा के मूल्य को पुनः प्रतिष्ठित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। निजी लाभ और समाज के कल्याण के बीच द्वन्द्व की जगह परस्परपूरकता को पहचानने की जरूरत है। अमृत-काल हमसे पुण्यकारी संकल्प की माँग करता है और यह अवसर देता है कि अपने मनोदेश में हम भारत को स्थान दें। भारत की समृद्धि से ही सभी समृद्ध होंगे। हमारी भारतीयता का प्रमाण भी यही है कि हम भारत को क्या दे सकते हैं। यदि भारत हमारा है तो हमें भी भारत का होना चाहिए।

(लेखक वर्धा विवि में कुलपति रहे हैं, संपर्क 9922399666)

नए साल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और जी-20 समूह की अध्यक्षता के साथ भारत की वैश्विक उपस्थिति निश्चित ही फलदायी होगी। पड़ोसी देशों के हालात संतोषजनक नहीं है और बहुत जल्द सुधार की आशा नहीं दिखती। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में आंतरिक रूप से राजनैतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट गहराते दिख रहे है। चीन का रुख भी सहयोग की जगह मुश्किलें पैदा करने वाला रहा है। पड़ोसी देशों की यह स्थिति भारत के लिए सजग और सतर्क राजनय और सामरिक तत्पारता की जरूरत को रेखांकित करती है।

बीएचयू के क्रांतिकारी : वीर करण बत्रा

स्मरण

शुभनीत कौशिक

'साफ रंगत, गोल चेहरा, मजबूत कद-काठी, चेहरे पर मुहाँसे, चश्मा, कद पाँच फुट चार इंच और घुंघराले बाल।' वर्ष 1940 में तेइस साल की उम्र वाले क्रांतिकारी और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के छात्र वीर करण बत्रा के चेहरे-मोहरे के बारे में यही बातें सीआईडी की फाइल में दर्ज.हैं। अरोड़ा (पंजाबी) समुदाय से आने वाले वीर करण बत्रा बीएचयू के इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लेने से पूर्व कलकत्ता के सेंट जेवियर्स कॉलेज में छात्र रहे। अपनी राजनीतिक सक्रियता की वजह से वीर करण पहली बार पुलिस की निगाह में तब चढ़े, जब उन्होंने साम्यवादी नेता शिव पूजन त्रिपाठी के साथ बनारस मजदूर संघ के संगठन का काम शुरू किया और छात्र राजनीति में सक्रिय हुए। इसी दौरान वे बनारस स्टूडेंट्स फेडरेशन की कार्यकारिणी के सदस्य बने।

जुलाई 1939 में बनारस स्टूडेंट्स फेडरेशन के महासचिव के रूप में उन्होंने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच एक पर्चा बाँटा जिसमें आंदोलन के लिए छात्रों का आह्वान किया गया था। उनके हस्ताक्षर वाले इस पर्चे का शीर्षक था : 'ए क्लेरीअन कॉल टु स्टूडेंट्स'। 12 जुलाई 1939 को उन्होंने युक्त प्रांतीय स्टूडेंट्स फेडरेशन के महासचिव शफीक अहमद नकवी को पत्र लिखकर यह जानकारी दी थी कि बनारस में तीन प्रौढ़ शिक्षा केंद्र शुरू किए गए हैं और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए कक्षाएँ भी शुरू की जा रही हैं।

वीर करण बत्रा आगे भी बनारस स्टूडेंट्स फेडरेशन कार्यकारिणी के सदस्य बने रहे और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की छात्र संसद में विपक्ष के नेता थे। जून 1940 में उन्होंने फरार साम्यवादी नेता डी.के. बेडेकर को शरण दी थी, इसकी खबर भी सीआईडी को मिल गई थी। 6 नवम्बर 1940 को वीर करण बत्रा ने जवाहरलाल नेहरू की गिरफ़्तारी के विरुद्ध बीएचयू में छात्रों की हड़ताल आयोजित करने में अहम भूमिका निभाई। हड़ताल के दौरान एक विरोध रैली भी निकाली गई, जो सभा में परिणत हुई, जिसे वीर करण ने सम्बोधित किया। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे सरकार के युद्ध-कार्यों में उसे कोई सहयोग न दें। इसके साथ ही, उन्होंने सभा में एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों की निंदा की गई थी।

यही नहीं 13-14 नवम्बर को उन्होंने विश्वविद्यालय में एक पर्चा भी बाँटा, जिसमें सरकार की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध 16 नवम्बर 1940 को हड़ताल का आह्वान किया गया था। इन पर्चों में उन दो छात्रों की गिरफ़्तारी का भी विरोध किया गया था, जिन्हें बनारस में राजनीतिक पोस्टर लगाने के जुर्म में गिरफ़्तार कर लिया गया था। सोलह नवम्बर को हुई इस हड़ताल को आयोजित करने और छात्रों द्वारा कक्षाओं के बहिष्कार में भी उनकी प्रमुख भूमिका रही। उल्लेखनीय है कि यह हड़ताल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों और कॉलेजों पर पाबंदियाँ लगाने के विरोध में भी हुई थी। दिसम्बर 1940 में बनारस में आयोजित हुई युक्त प्रांतीय छात्र सम्मेलन के सफल आयोजन में भी वीर करण बत्रा ने योगदान दिया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र सम्मेलन को भी सम्बोधित किया और सम्मेलन में लाए गए उस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसमें व्यक्तिगत सत्याग्रह को जनांदोलन में तब्दील करने की बात कही गई थी। वे गोपाल दास श्रीवास्तव के नेतृत्व वाले उस छात्र समूह से भी जुड़े थे, जो छात्रों की गुप्त सभाएँ और उनके बीच राजनीतिक चर्चाएँ आयोजित करता था। वीर करण यूपी स्टूडेंट्स फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी चुने गए थे। इस दौरान वे बीएचयू में स्टडी सर्किल भी चला रहे थे। दिसम्बर 1940 में 'नैशनल हेराल्ड' के लिए कोश एकत्र करने के लिए गठित समिति के वे सदस्य बनाए गए।

नागपुर में हुए छात्र सम्मेलन के बाद बीएचयू में गोपाल दास श्रीवास्तव के नेतृत्व में साम्यवादी रुझान वाले छात्रों ने अपना एक अलग समूह बना लिया। स्टूडेंट्स फेडरेशन के इस नए गुट के संचालन के लिए वीर करण बत्रा ने एक तदर्थ समिति का गठन किया और वे इसके नेता बने। स्टूडेंट्स फेडरेशन के साम्यवादी गुट के चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे प्रो. कालेलकर का भी उन्होंने सहयोग किया। वीर करण फरार साम्यवादी नेता गोपाल दास श्रीवास्तव के लिए संदेशवाहक का भी काम कर रहे थे। जनवरी 1941 में उन्होंने दिल्ली में स्टूडेंट्स फेडरेशन के साम्यवादी गुट के नेता एम. फारूकी को पत्र लिखा और 'स्वाधीनता दिवस' (26 जनवरी) को लेकर हो रही तैयारियों और प्रस्तावित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्हें बनारस आने और छात्रों को सम्बोधित करने का आमंत्रण दिया। इस पत्र के साथ वे पर्चे भी संलग्न थे, जो साम्यवादी गुट द्वारा बीएचयू में बाँटे गए थे। 20 जनवरी, 1941 को उन्होंने डॉ. के.एम. अशरफ की गिरफ़्तारी के विरुद्ध आयोजित प्रतिरोध में हिस्सा लिया और इस अवसर पर दिए अपने भाषण में अंग्रेजी सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि सरकार डॉ. अशरफ पर लगाए गए आरोपों को साबित करे। 26 जनवरी 1941 को 'स्वाधीनता दिवस' की गतिविधियों में उन्होंने हिस्सा लिया और भाषण भी दिया। इसके तीन दिन बाद साम्यवादी छात्र नेता फारूकी बनारस आए और वीर करण से मिले।

सीआईडी को इस बात की भी जानकारी थी कि वीर करण बत्रा फरार छात्र नेता गोपाल दास श्रीवास्तव और एन. राजशेखर रेड्डी को आश्रय दिलाने में भी मदद दे रहे थे। 1 फरवरी, 1941 को लखनऊ से साम्यवादी नेता सुल्ताना मिनहाज बनारस आयीं और उन्होंने बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी की छात्राओं को सम्बोधित किया। सुल्ताना मिनहाज ने छात्राओं की भी एक समिति बनाने का सुझाव दिया और उसे वीर करण से सम्पर्क में रहने के लिए भी कहा। सीआईडी की रिपोर्ट के अनुसार, वीर करण बत्रा लखनऊ के फरार साम्यवादी छात्रनेता हरिश्चन्द्र तिवारी के साथ भी बनारस में देखे गए और उन्हें उनके गुप्त ठिकाने की जानकारी थी। फरवरी 1941 में ही कानपुर के साम्यवादी छात्र नेता टी.के. चतुवेर्दी ने वीर करण को पत्र लिखकर उन्हें अपनी प्रस्तावित यात्रा की जानकारी दी और उनसे बनारस की स्थिति जाननी चाही।

उपर्युक्त सूचनाओं को देने के बाद सीआईडी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि स्पष्ट है कि वीर करण बत्रा छात्र नेताओं में 'सबसे अवांछित' हैं, जो स्टूडेंट्स फेडरेशन में कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि के रूप में काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वह बनारस के साम्यवादी गुट के मुख्य नेताओं के सहयोगी हैं और उनका नाम कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के युक्त प्रांत के संगठनकर्त्ता गोपाल परांजपे के पास से मिले पत्रों और दस्तावेजों में भी मिला है। इस रिपोर्ट के आधार पर बनारस के पुलिस अधीक्षक ने भारत सुरक्षा कानून की धारा 26 के अंतर्गत वीर करण बत्रा की गिरफ़्तारी का सुझाव दिया था।

सितम्बर 1941 में बीएचयू के इंजीनियरिंग कॉलेज में चतुर्थ वर्ष के छात्र वीर करण बत्रा को गिरफ़्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ़्तारी से पूर्व पंजाब और युक्त प्रांत की सरकारों के बीच काफी पत्राचार इस बात को लेकर हुआ कि वीर करण बत्रा की गतिविधियों को कैसे नियंत्रित किया जाए। पंजाब की सरकार का कहना था कि चूँकि बत्रा बनारस में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, इसलिए बत्रा पर कार्रवाई युक्त प्रांत की सरकार को करना चाहिए। वहीं युक्त प्रांत की सरकार का कहना था कि चूँकि बत्रा मूल रूप से लाहौर के रहने वाले हैं, इसलिए उन पर कार्रवाई पंजाब सरकार को करनी चाहिए। दोनों प्रांतों की सरकारों ने गृह विभाग को भी इस मामले से अवगत कराया। आखिरकार गृह विभाग के हस्तक्षेप के बाद भारत रक्षा अधिनियम की धारा 129(2) के अंतर्गत वीर करण बत्रा की गिरफ़्तारी हुई। क्रांतिकारी वीर करण बत्रा ने बीएचयू के छात्र-छात्राओं के बीच राजनीतिक जागरूकता फैलाने, स्टडी सर्किल चलाने, मजदूरों को संगठित करने और भूमिगत क्रांतिकारियों को शरण देने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

(लेखक बलिया के सतीश चंद्र कॉलेज में इतिहास के शिक्षक हैं.)

बीएचयू में गोपाल दास श्रीवास्तव के नेतृत्व में साम्यवादी रुझान वाले छात्रों ने अपना एक अलग समूह बना लिया। स्टूडेंट्स फेडरेशन के इस नए गुट के संचालन के लिए वीर करण बत्रा ने एक तदर्थ समिति का गठन किया और वे इसके नेता बने। स्टूडेंट्स फेडरेशन के साम्यवादी गुट के चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे प्रो. कालेलकर का भी उन्होंने सहयोग किया। वीर करण फरार साम्यवादी नेता गोपाल दास श्रीवास्तव के लिए संदेशवाहक का भी काम कर रहे थे।

व्यंग्य

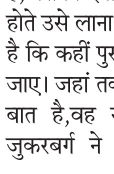

गावहिं गीत मनोहर नाना

अरविंद तिवारी

साहित्य का लेखा जोखा भी मूलतः विवाद का ही लेखा जोखा होता है ।कई बार कोरोना को बीच में लाना पड़ता है,जैसे कि इस बार साल का अंत होते होते उसे लाना पड़ गया ।पहला डर यह है कि कहीं पुस्तक मेला स्थगित न हो जाए। जहां तक साहित्य के सृजन की बात है,वह रुक भी नहीं सकता। जुकरबर्ग ने बड़ा आविष्कार यही सोचकर ही किया है,ताकि सृजन यात्रा बराबर चलती रहे।लेखक पिछले कई सालों से साहित्य वाली नेकी फेसबुक पर डालता आया है।सो यह वर्ष भी फेसबुकिया साहित्य से भरपूर रहा।रोज नए लेखकों की पल्टन साहित्य रचकर इसी प्लेटफॉर्म पर फेंकती रही।पर साल के समाप्त होते होते कई साहित्यकार गुड मॉर्निंग तक सीमित हो गए।यह बात दीगर है,इस साल भी पाठक साहित्य से दूर रहा।साहित्यिक मित्र जरूर विवाह समारोहों में आए लिफाफे लौटाने की तर्ज पर एक दूसरे का कर्ज,बधाई देकर उतारते रहे।उतारना ही होता है,इससे कोई मतलब नहीं मित्र के यहां जो शादी हुई है,वह अच्छी है या बुरी।

वर्ष का अंत होते होते साहित्य अकादमी के पुरस्कार घोषित हो गए।हिंदी साहित्य की खासियत यह है कि जब भी कविता पर साहित्य अकादमी घोषित होता है,विवादों की बरसात होने लगती है।यह बेमौसम की बरसात इस बार भी दिसम्बर में हो रही है।जिस कविता संग्रह पर पुरस्कार मिला है,उसका शीर्षक लोगों नहीं भा रहा है।दरअसल हर साहित्यकार कद्दू की सब्जी नहीं खाता,इसलिए कइयों को तुमड़ी शब्द समझ में ही नहीं आ रहा है।सभी साहित्यकारों को वाम और दक्षिण अच्छे से समझ में आते है।हर पुरस्कार और सम्मान इसी कसौटी पर कसा जाता है।पूर्व में इस पुरस्कार को प्राप्त कर चुके कवियों को भी इस अवसर पर नहीं बख्शा जाता।दर्जनों वाम साहित्यकारों पर दक्षिण बनकर लाभ लेने की तोहमत लगाई जाती है।यह वर्ष जाते जाते इसी तोहमत पर विमर्श कर रहा है।

इस वर्ष भी कथा साहित्य को काम कोहनी मारता रहा।सत्य कथाओं की हिंदी कहानी में ऐसी घुसपैठ पहले कभी नहीं देखी गई।कई उपन्यास साहित्य अकादमी की लिस्ट में शामिल होने पर ही सफल मान लिए गए।वहां तक पहुंचे हैं,तो कभी सम्मानित भी हो जाएंगे।कुछ कथाकार इफ्को सम्मान की बाट जोहते रहे।कहानी की पत्रिकाएं कम जरूर हुईं पर निकलती रहीं।कुछ कथाकार लघु कथाओं के जरिए बड़े लेखक हो गए।

कविता का बहुत बुरा हाल रहा।कवि,प्रकाशक और पाठक तीनों को इसका मलाल रहा।वर्ष के अंतिम महीने में कोरोना के आगमन की सूचना से उन कवियों में खुशी का संचार हुआ,जिनकी कोरोना पर लिखी बहुमूल्य कविताओं की अब तक कोई किताब नहीं आ पाई थी।ये कवि शर्तिया पुस्तक मेले तक अपना संग्रह छपवा लेंगे। प्रकाशक को पांडुलिपि और आर्थिक सहायता जा चुकी है।

इस बार भी व्यंग्य में आधा तीतर आधा बटेर होता रहा।दो अखबारों ने अपने चर्चित व्यंग्य स्तंभ क्या बन्द किए,व्यंग्यकार स्तब्ध रह गए।इस बार व्यंग्य में कुछ नए प्रयोग हुए।रामचरित मानस की चौपाइयों की मदद से व्यंग्य को आगे बढ़ाया गया। गावहिं गीत मनोहर नाना अर्थात नाना मनोहर गीत गा रहे हैं!इस कमाल का कोई जवाब ही नहीं।लंका निसिचर निकर निवासा का अर्थ,लंका में राक्षस नेकर पहनते हैं,बताकर व्यंग्य लिखे जाने लगे।

पाठक इन व्यंग्य लेखों को समझ तो नहीं पाए,पर उन्हें इस प्रयोग से आनंद आ गया।यों व्यंग्य को हम जैसे कई व्यंग्यकार भी नहीं समझ पाते!यही कारण है सभी व्यंग्यकार वर्ष पर्यन्त अपने अपने व्यंग्य को श्रेष्ठ बताते रहे और अखबारों को बिना फीस लिए ही अपनी सेवाएं देते रहे।संपादक चूंकि किसी को पारिश्रमिक नहीं दे पा रहे थे,इसलिए वे भी मनोहर को सीताजी का नाना मानकर ही छापते रहे।

(लेखक वरिष्ठ व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

नकली शराब बेचने वाले गैंग का भंडाफोड़

2.50 लाख की अपमिश्रित शराब बरामद, एक गिरफ्तार

सफलता

शराब को नशीला बनाने में प्रयुक्त केमिकल व बिक्री के 32030 रुपये बरामद

पत्रकार वार्ता में खुलासा करते एसपी।

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध, अपमिश्रित शराब एवं मादक पदार्थो की तस्करी, बिक्री पर पूर्णतः अंकुश लगाते हुए तस्करी, बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है।
उक्त निर्देश के अनुक्रम में क्षेत्राधिकारी लालगंज दीक्षांत राज के नेतृत्व में थाना लालगंज पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार को प्रभारी निरीक्षक लालगंज ज्ञानू प्रिया व आबकारी निरीक्षक रोशन लाल मय पुलिस टीम द्वारा विशेष प्रवर्तन अभियान व देखभाल क्षेत्र में मामूर थे कि इस दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत लहंगपुर स्थित सरकारी देशी शराब की दुकान की चेकिंग की गयी। जिसमें देशी शराब की दुकान में संचित कुल स्टॉक 76 पेटी शीशी/200 अवैध/ अपमिश्रित देशी शराब बरामद हुई। जिसके सम्बन्ध में विक्रेता दीपक कुमार पुत्र जगनारायण निवासी मदहरपुर थाना अहरौरा की सघनता से जांच की गयी तो 10 पेटी (कुल 457 मीरजापुर को हिरासत में लेकर दुकान की सघन चेकिंग करते हुए दुकान से लगे अन्य कमरे को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखी हुई प्लास्टिक के बोरे में 71 अदद खाली शीशी अंकित ब्लू लाईम, 08 लीटर हल्के भूरे रंग का तरल पदार्थ, सोपासास की खुली 02 अदद बोतल बरामद की गयी। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना लालगंज पर धारा 60/72 उत्तर प्रदेश उत्पाद शुल्क/ आबकारी अधिनियम के तहत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा जा रहा है।

छापेमारी में मिला नकली शराब बनाने का उपकरण

लालगंज। थाना क्षेत्र के लहंगपुर में सोमवार को देर रात ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उप जिलाधिकारी नवनीत सेहरा ने देसी शराब की दुकान में औचक निरीक्षण किया। जांच पड़ताल के दौरान देसी शराब की दुकान के पीछे वाले कमरे में मिलावटी शराब का धंधा चल रहा था। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा ने लहंगपुर में देसी शराब की दुकान पर छापामार और शराब के स्टाक और अभिलेखों का निरीक्षण किया। छापेमारी करवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टाक और अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान दुकान के पीछे वाले कमरे में मिलावटी शराब बनाए जाने का उपकरण व शराब बरामद हुआ। जिसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने आबकारी विभाग को कारवाई का निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बताया कि सेल्समैन आबकारी विभाग की ओर से जारी आइकार्ड गले में पहन कर ही शराब की बिक्री करें। बगैर आइकार्ड सेल्समैन शराब की बिक्री करते पाया गया तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर तहसीलदार शशांक शेखर राय पुलिस उपाधीक्षक दीक्षांत राज थाना प्रभारी ज्ञानू प्रिया मैं स्टाफ के साथ मौजूद रहे।

रेलवे सफाई कर्मियों ने ठेकेदार व मैनेजर पर लगाया शोषण का आरोप

प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन डीएम को सौंपा ज्ञापन

आखिर कब तक चलेगी ठेकेदार व मैनेजर की दबंगई कब होगा न्याय

जनसंदेश न्यूज

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते सफाई कर्मी।

मीरजापुर। रेलवे स्टेशन काम करने वाले सफाईकर्मियों ने ठेकेदार व मैनेजर पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए डीएम को पत्रक देकर जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि मंगलवार की सुबह रेलवे स्टेशन पर काम करते हुए मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला सफाई कर्मी रेनू घायल हो गई।
मौके पर काम कर रहे सफाई कर्मचारियों ने इलाज करा कर उसे घर भेज दिया गया। रेलवे सफाई कर्मियों ने ठेकेदार व मैनेजर के ऊपर आरोप लगाते हुए बताया कि ठेकेदार व मैनेजर द्वारा उनसे समय से अधिक काम लिया जाता है और पूरा वेतन भी नहीं दिया जाता है पहुंचने में थोड़ी देर हो जाती है तो उस दिन की हाजिरी कट जाती है। वही रेलवे सफाई कर्मियों का कहना है कि वेतन बढ़ाने का आश्वासन कई बार देने के बाद भी आज तक वेतन नहीं बढ़ा और जो वेतन दे रहे हैं। उसमें से भी वेतन काटकर अधूरा वेतन दिया जा रहा है। वैसे भी आज सुबह काम करते समय महिला सफाई कर्मी रेनू जो कि मालगाड़ी की चपेट में आ गई और घायल हो गई। ऐसे में हम लोगों के साथ कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है तो दुर्घटना होने के बाद हमारे परिवार का जिवकोपार्जन कैसे चलेगा। इस पर भी कई महीनों से ठेकेदार व मैनेजर द्वारा केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। लेकिन अभी तक इन बातों पर कोई ना ही ध्यान दिया जा रहा है और ना ही अभी तक कोई निष्कर्ष निकाला गया है।

पशु चिकित्सा आरोग्य मेले का किया आयोजन

चील्ह। विकास खंड कोन के तिलठी गांव में राम लीला मैदान पर पशु चिकित्सा आरोग्य मेला का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ कोन मंडल अध्यक्ष भाजपा दीपक सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। इस मेले में आसपास के कई गांव से पशुपालक अपने पशुओं को लेकर मेला स्थल पर पहुंचे जहां पर उनकी जांच व उपचार उपस्थित पशु चिकित्सकों द्वारा किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी चील्ह नवीन चंद्र पांडे ने बताया कि इस तरह के आयोजन से एक ही स्थल पर कई गांव के पशुओं की किसी भी रोग व समस्या का डॉक्टरों द्वारा उपचार के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया जाता है इस मेले में लगभग 1500 बड़े पशु व 500 छोटे पशुओं का उपचार किया गया। शिविर में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शकुंतला, डॉक्टर सरिता काकोरिया, डॉ राम सुंदर, रणजीत सिंह सहित कई डॉक्टर और बड़ी संख्या में पशुपालक इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जालसाजों ने युवक के खाते से उड़ाया 92 हजार

जनसंदेश न्यूज

साइबर क्राइम

आंगनबाड़ी का अधिकारी बताकर पत्नी के खाते में लगाया चूना

जिगना। विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के पियरी भीट गांव निवासी युवक को आंगनबाड़ी केंद्र से पैसा दिलाने के नाम पर ठगों ने उसके बैंक खाते से 92 हजार रुपए उड़ा लिया। पुलिस अधीक्षक को पत्रक सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी गणेश बिंद पुत्र बाबूलाल ने बताया कि रविवार की देर शाम स्वयं को आंगनबाड़ी का अधिकारी बताकर पत्नी के खाते में 16 हजार रुपए आनलाइन ट्रांसफर करने की बात कर ठगों ने उससे एकाउंट नंबर व ओटीपी नंबर पूछ लिया। इस दौरान उसे गुमराह करने के लिए मोबाइल कांफ्रेंसिंग कर- के गांव की आंगनबाड़ी से भी बात कराता रहा। जिसके कारण वह भ्रम में पड़ गया। ठगों ने दो घंटे के अंदर छः बार में 92 हजार 317 रुपए निकाल लिए। भुक्तभोगी को जब यह जानकारी हुई कि उसके खाते से पैसा निकल गया है वह दौड़ा-दौड़ा अपने गांव के ग्राम प्रधान शिव लखन बिंद के पास पहुंचा सारी जानकारी दिया। लेकिन इसके पहले जाल सजों ने अपना काम कर लिया था। भुक्तभोगी के मात्र 719 रुपए उसके खाते में बचा हुआ है। मोबाइल पर मैसेज आने पर उसके होश उड़ गए। जिस नंबर से काल आई थी। वह भी बंद हो गया। भुक्तभोगी ने पुलिस अधीक्षक से जांच कराने की मांग की है।

एक ही रात में दो दुकानों से चोरों ने उड़ाया लाखों का सामान व नगदी

मड़िहान। थाना सन्तनगर क्षेत्र अंतर्गत दीपनगर बाजार में सोमवार की रात में दो दुकानों की खिड़की से फांद कर पीछे के दरवाजा से एक लाख से ऊपर के समान व नगद रुपये चोरों ने साफ कर दिया। लालगंज कलवारी रोड पर सहज जन सेवा केंद्र के प्रभारी अवधेश कुमार मिश्र अपने सहज जन सेवा केंद्र को रोज की भांति बन्द कर घर देवरी शिव बालक खास चले गए।
जब मंगलवार को सुबह 10 बजे दुकान बाहर से खोले तो अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। उनके दुकान से दो लैपटॉप जिसकी अनु कीमत 55 हजार लेमिनेशन मशीन ढाई हजार, प्रिंटर मशीन 13 हजार, नगद 18 हजार लेकर चोर पिछले दरवाजे से चंपत हो गये। सहज संचालक अवधेश ने बताया कि जमीन से 9 फिट ऊपर के जंगला से फांद कर चोर अंदर आया और पीछे के गेट से निकल गया। घटना की जानकारी डायल112 व थाना सन्तनगर को दिया गया। वही दीपनगर बाजार में शिव कुमार ठठेरी की दुकान में पीछे से ही जंगला से फांद कर सोमवार के ही रात दुकान में घुस कर केवल पीतल व फूल के बर्तन साफ कर दिया। जिसमें दुकानदार द्वारा बताया गया कि दुकान से पीतल के हंडा, परात, फूल के थार, लोटा, कटोरा, थाली ही चोर ले गए है। जिसकी अनुमानित कीमत 70 हजार है। जबकि स्टील के सभी बर्तन अपनी जगह पर ही पड़े रहे। दुकानदार ने बताया कि रात को दुकान 9 बजे बन्द कर कमरे पर सोने के लिए गया था। जब सुबह 9 बजे दुकान खोला तो पीछे का दरवाजा खुला देख होश उड़ गए। डायल 112 को सूचित करते हुए थानाध्यक्ष संतनगर को तहरीर दी गई है। इसी प्रकार दीपनगर में दुर्गा मंदिर के सामने मोहन सेठ का 70 हजार रुपये नगद दीवार में लगे जंगले से दुकान में फांद कर चोरों ने हाथ साफ कर दिया था। जिसकी कोई कार्यवाही नही हुई थी। दोनों दुकानदारों ने थानाध्यक्ष संतनगर कमल टावरी को लिखित आवेदन कर माल बरामद के साथ कार्यवाही की मांग किया है। थानाध्यक्ष कमल टावरी ने बताया कि घटना स्थल की जांच की गई है जल्द ही कार्यवाही भी होगी।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में झांकी, देवी जागरण के साथ हुआ कवि सम्मेलन

अदलहाट। वृक्षोपल्ली सेवा आश्रम बरईपुर के महन्त स्वामी रामानंद महाराज के गुरु स्वामी परमानंद महाराज के 75 वें जन्मदिवस पर सोमवार को देर रात तक बरईपुर स्थित आश्रम में कवि सम्मेलन, झाकी, देवी जागरण का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव में साधु सन्तों को सम्मानित करने के साथ भण्डारे का भी आयोजन किया गया। झाकी कार्यक्रम में विजय जायसवाल की टीम का राधा कृष्ण व भगवान शंकर के नृत्य मनमोहक रहा। इसके पूर्व कवि सम्मेलन में रंजना राय ने सरस्वती बंदना गाया। कवि सम्मेलन का संचालन ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने किया। आयोजक महन्त स्वामी रामानंद महराज ने जन्मोत्सव कार्यक्रम में आये साधु संतों, भक्तों, कवियों व कलाकारों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान डा0 विजय शंकर शास्त्री पूर्व मंत्री भारत सरकार, डा0 सुमन शास्त्री, ओम प्रकाश पाण्डेय, दीपक पाण्डेय, हरिमोहन सिंह, प्रबन्धक गांधी विद्यालय कछवा टप्पू बाबू, जितेन्द्र शर्मा, नीरज गुप्ता, देवानंद आदि रहे।

उद्यमियों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण करें अधिकारी : डीएम

बैठक

डीएम की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक कर सुनी समस्याए

बैठक को संबोधित करतीं डीएम।

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक आहूत की गयी। जिसमें उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर जिलाधिकारी द्वारा निस्तारण के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी ने कहा कि एक और जमीन चिहिन्त करने का निर्देश दिया गया। गोसाईपुर विन्ध्याचल जर्जर रोड़ मरम्मत कराने एवं अतिक्रमण हटवाने के सम्बन्ध में बताया गया।
जिलाधिकरी ने कहा कि जर्जर रोड़ बनवाने एवं अतिक्रमण हटवाने के साथ एक सप्ताह में काम कार्य प्रारम्भ करें। अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया कि अनुस्मारक पत्र प्रेषित किया जाय। डालमिया भारत ग्रीन विजन लि0, ग्राम नेवादा तहसील लालगंज, मीरजापुर के सहायक महा प्रबन्धक अशोक बोस द्वारा अवगत कराया गया है कि मेरी फर्म सीमेन्ट उत्पाद इकाई की स्थापना करना चाहती है जिसके लिए भूमि क्रय कर लिया गया है तथा मेरे द्वारा 660 करोड़ का निवेश किया जायेगा। श्री बोस द्वारा अवगत कराया गया है कि माह जुलाई-2022 में कन्वर्जन आफ लैण्ड यूज का आवेदन किया गया है, स्वीकृत प्राप्त कर लिया गया हैं। यह भी अवगत कराया गया कि वन, ग्राउण्ड वाटर, अग्नि शमन आदि विभागों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त हो गया हैं। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित किया कि पोस्टर मास्टर से स्थलीय निरीक्षण कराते हुये कार्य प्रारम्भ करायें। औद्योगिक आस्थान पथरहिया में साफ सफाई के सम्बन्ध में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद के द्वारा अवगत कराया गया कि नियमित साफ सफाई करायी जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्र ने कहा कि उद्यमियों को यदि किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो अवगत कराये उसका निस्तारण कराया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस, उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद अंगद गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता विद्युत सहित सम्बन्धित अधिकारी व उद्यमी उपस्थित रहें।

सिकिया गांव में नहीं होगा तेरहवीं संस्कार

बैठक

यादव बिरादरी ने आम सभा कर लिया निर्णय, दी समाज को नसीहत

ग्राम सभा सिकिया में बैठक करते यादव बिरादरी के लोग

मीरजापुर। व्यक्ति के निधन के बाद उसकी आत्मा की शांति के लिए तेरहवीं संस्कार या मृत्यु भोज की प्रथा चली आ रही है। लोग इस प्रथा को भली भांति निभाते है, लेकिन अब काफी लोग इस प्रथा से विरत हो रहे हैं। इसकी बजाय अब लोग दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ करते है। ऐसा ही नरायणपुर विकास खंड में एक गांव सिकियां जयरामपुर है। इस गांव के यादव बिरादरी के लोग आम सभा कर तेरहवीं संस्कार व मृत्युभोज नहीं करने का फैसला लिया है। इस प्रथा को समाप्त करने के लिए गांव के यादव बिरादरी के लोगों ने मंत्रणा कर अपनी सहमति जारी किया है। उनका मानना है कि एक दुखित परिवार किसी के निधन पर भोज कैसे करा सकता है। भोज कार्यक्रम निधन पर शोभायमान नहीं होता है। इसलिए हम लोग इस प्रथा को समाप्त करने का निर्णय लिए है। ग्रामीणों ने कहा कि इस अभियान के द्वारा लोगों को भी जागरूक किया जाएगा। दरअसल सिकिया गांव में दिवंगत रामदुलार पुत्र पनारू का 21 दिसम्बर को शोक दिवस था। लेकिन बिरादरी की जागरूकता मुहिम में सम्मिलित परिवार द्वारा तेरहवीं संस्कार की बजाय श्रद्धांजलि सभा करने का निर्णय लिया गया। तमाम लोग इस परंपरा को सराहनीय बता रहे है। उनके मुताबिक किसी परिवारिक सदस्य के निधन पर परिवार शोकाकुल होता है। इसलिए उस द्रवित परिवार द्वारा भोज कराने की कुप्रभा समाप्त होनी चाहिए। गांव के बुजुर्गों ने कहा कि इस परम्परा का बहिस्कार कर इसके खिलाफ अभियान भी चलाएंगे। ये सामाजिक जागरूकता की पहल है। जिसे आगे बढ़ाया जाएगा। इस दौरान नंदलाल,नागेश्वर,प्रमोद , माधो, मिठाईलाल, पूर्व प्रधान कल्पू, दयाराम, जवाहिर, रामलखन , रामेश्वर यादव, शिवकुमार यादव, गुंगई यादव, भोला यादव, रामू यादव, राधेश्याम यादव, नखडू यादव, मंगल यादव, मनोज यादव, जोगिंदर, बच्चूलाल यादव, मदन यादव आदि रहे।

जब संगठित रहेगा समाज तभी होगा सशक्त : विवेक बरनवाल

मीरजापुर। बरनवाल सेवा समिति मीरजापुर के सदस्यों द्वारा समाज के आदि पुरुष अग्रज महाराजा अहिबरन जी की जयंती लोहंदी स्थित अभिनंदनम पैलेस मैरैज हाल में भव्य रूप से मनाया गया। जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोपालापुर से आए समाज के वरिष्ठ उमाकांत बरनवाल ने सभी सदस्यों को एतिहासिक आयोजन की बधाई दी। कहा बरनवाल समाज के लोग हर संभव समाज के सभी वर्गो का सहयोग करते आए हैं और करते रहेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विनित बरनवाल ने कहा हमारा समाज राजनितिक रूप से पिछड़ा हुआ है और अब समय आ गया की समाज के लोग अपने समाज के राजनीतिक रूप से सक्रिय लोगों का सहयोग करें और उनको आगे बढ़ाएं। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में घोसिया ,भदोही से आए अशोक जी बरनवाल, निवास बरनवाल, अश्वनी बरनवाल, अवधेश बरनवाल ने समिति के पदाधिकारियों को भव्य आयोजन की बधाई दी। अध्यक्ष विवेक बरनवाल एवं मंत्री पवन बरनवाल के द्वारा सभी संरक्षकों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को धन्यवाद दिया गया।

मिसेज इंडिया वैशाली वर्मा का हुआ अभिनंदन

चुनार। नगर स्थित उस्मानपुर के कॉलेज में सोमवार को मिसेज इंडिया माई आईडेंटिटी 2022 का खिताब जीतने वाली वैशाली वर्मा का स्वागत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वैशाली वर्मा का माल्यार्पण व स्वागत प्रधानाचार्य सौरभ कुमार श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। विजय कुमार वर्मा पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद चुनार के द्वारा उनके व्यक्तिगत जीवन पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं के द्वारा माला पहना कर मिसेज इंडिया का स्वागत किया गया। जिसमें छात्र, छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन लल्लन प्रसाद के द्वारा किया गया।
उक्त कार्यक्रम में नयन कुमार वर्मा, अशरफ अली के साथ शिक्षक, शिक्षिका के रूप में अनामिका मौर्य, शालिनी साहू, अजय कुमार यादव, दीपक सिंह, कृष्ण कुमार, वेदिका विश्वकर्मा, अनामिका सिंह, पूनम सिंह, मोनी वर्मा, सुनीता शर्मा, मीरा देवी, हेम लाल कुशवाहा, क्षितिज शर्मा, चंचला सिंह, दीप्ति सिन्हा, आंचल मौर्य, स्नेह लता पाठक, सहित समस्त छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

संक्षेप

सीडीओ ने किया गो आश्रय स्थल का निरीक्षण

मीरजापुर। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने नगर पंचायत कछवाँ स्थित गो-वंश आश्रय स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि गौवंश आश्रय स्थल पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया है तथा ठंड से बचाव हेतु आलाव की व्यवस्था है किन्तु मल-मूत्र एवं पानी के निकासी हेतु बनाई गयी नाली की सफाई नहीं है, जिस पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत को निर्देशित किया गया कि मूत्र व पानी की निकासी तथा आगामी दिनों में ठंड के बढ़ते प्रकोप से पशुओं को बचाने हेतु त्रिपाल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। निरीक्षण पंजिका के अवलोकन में पाया गया कि पूर्व अधिकारियों द्वारा जाँच के समय दिये गये निदेर्शों को अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत द्वारा गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है। पंजिका को अवलोकित करते हुए अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि निरीक्षण के समय दिये गये निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। तदुपरान्त विकास खण्ड मझवॉ के ग्राम पंचायत करसड़ा में स्थित गौआश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस आश्रय स्थल में कुल-92 गो-वंशज संरक्षित है। दूसरी ओर बने वर्मी कम्पोस्ट पिट के निरीक्षण में पाया गया कि ऊचाई अत्यधिक है, जिससे कार्य करने में कठिनाई आने के दृष्टिगत खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया तत्काल उस पर सीढ़ी बनवायें तथा निर्मित पिट का प्रयोग न करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया गया कि कम्पोस्ट पिट में केचुआ आदि डालते हुए कम्पोस्ट खाद उत्पादित करते हुए ग्राम के समूह की महिलाओं को उससे जोड़ते हुए शासकीय धन की उपयोगिता सुनिश्चित किया जाये।

चोरी और आगजनी मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग

जिगना। बीते सोमवार की रात बिहसड़ा कला के ग्राम प्रधान चंद्रशेखर कुशवाहा पुत्र रामाश्रय कुशवाहा के घर बिहसडा कोइरान में चोरी के साथ-साथ चोरों द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस की शिथिलता और कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है जिसको लेकर प्रधान संघ छानबे केअध्यक्ष संतोष तिवारी, उपाध्यक्ष विनोद यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गुलाम रसूल प्रधान प्रतिनिधि, पंच बहादुर सिंह, बबलू गौतम, अशोक बिन्द, बृजेश जयसवाल, कमलेश कुमार बिंद, राजेश बिंद, बृजेश मिश्रा, प्रधानों ने थानाध्यक्ष से मांग किया है कि मामले पर उचित कार्यवाही कर दोषी लोगों के ऊपर कार्यवाही की जाए।

तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा कोर्ट

हलिया। न्यायालय द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में ड्रमंडगंज पुलिस ने थाना क्षेत्र के दो गांवों से मंगलवार को तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। क्षेत्र के बबुरा कलां गांव निवासी छोटे लाल केसरवानी व सुकुरु केसरवानी तथा बबुरा रघुनाथ सिंह गांव निवासी रामचंद्र पाल को न्यायालय द्वारा वारंट जारी होने पर एसआई अवधेश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल गणेश सिंह ने उनके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष अतुल कुमार पटेल ने बताया कि सूचना के बाद भी न्यायालय में पेश नही होने पर न्यायालय के आदेश पर तीनों वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत

लालगंज। लालगंज बाजार निवासी निरंजन उम्र 35 वर्ष पुत्र लक्ष्मी नारायण उर्फ ननकू मंगलवार सुबह 9:00 बजे अपने बाइक से बनारस के लिए जा रहा था जैसे ही समोगरा पेट्रोल पंप के पास पहुंचा की विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टक्कर हो गया टक्कर इतना जबरदस्त था कि निरंजन गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची करनपुर पुलिस घायल को एंबुलेंस से मंडलीय अस्पताल के लिए भेजा गया जहां चिकित्सक द्वारा देखते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजन को सूचित कर दिया था। परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। मृतक के एक लड़का शिवा उम्र 12 वर्ष एवं दो लड़की है। पुलिस शव को लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई। वही शव लालगंज पहुंचते ही परिजनों में रो रोकर बुरा हाल हो गया।

राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुआ शेम्फोर्ड का छात्र : शिप्रा बरनवाल

मीरजापुर। राष्ट्रीय विज्ञान संचार प्रौद्योगिकी परिषद भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी गतिविधि के तीसवें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के पूर्वी उत्तर प्रदेश का राज्य स्तरीय आयोजन पतंजलि ऋषिकुल स्कूल प्रयागराज में 24 से 26 दिसम्बर 2022 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 37 जिलों के 82 बाल विज्ञानियों ने अपने स्थानीय स्तर की समस्या को चिन्हित कर अपने लघु शोध पत्र प्रस्तुत किये जिनमें से रास्ट्रीय स्तर के लिए सीनियर वर्ग से 14 एवम जूनियर वर्ग से 7 टीम का चयन किया गया। जनपद से 3 टीमों ने प्रतिभगिता की जिसमें जनपद के सीनियर वर्ग के शिवम जायसवाल की टीम सेम्फोर्ड स्कूल बसही का चयन राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है। शिवम जायसवाल की टीम ने विंध्याचल स्थित गोसाई पुरवा एवम सगरा गाँव में प्रदूषण की समस्या का पता लगाने के लिए दोनों गाँवों में पर्यावरण में विभिन्न अवयवों के कारण होने वाले प्रदूषण के कारण एवं स्तर को प्रयोगों के माध्यम से पता लगाया और अपने लघु शोध पत्र प्रस्तुत किया। डायरेक्टर शिप्रा बरनवाल व विवेक बरनवाल ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए छात्र को बंधाई दिया।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में ध्वनि मति से 22 करोड़ का बजट पास

मड़िहान। विकास खण्ड के सभागार भवन में मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत क्षेत्र पंचायत की खुली बैठक आहूत की गई जिसमें बीडीओ शरद कुमार सिंह द्वारा पिछले वर्ष की कार्ययोजना के कार्यो पर चर्चा करते हुए बताया कि 130 कार्ययोजना में प्रस्तावित थे जिसमें बजट को देखते हुए 56 कार्यो पर गति देने हेतु कार्यवाही कर 40 काम पूर्ण कर लिए गए है। जिसकी पूर्ति हेतु अभी 27 लाख बजट की दरकार है। सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्रीकृष्ण उपाध्याय कहा कि जल जीवन मिशन में खोदे गए नाली, खड़ंजा को दुरुस्त कराने हेतु ग्राम प्रधानों को सचेत किया साथ ही गांव से सभी घरों में नल लगवाने हेतु आधार उपलब्ध कराने में सहयोग के लिए प्रेरित किया। बीडीओ द्वारा कार्यो पर विस्तृत चर्चा के बाद मनरेगा, राजवित्त, केंद्रीय वित्त को मिलाकर 22 करोड़ रुपये का बजट सदन में रखा गया जिसे सभी ने ध्वनि मति से पारित किया। बीडीओ ने सदन को बताया कि 1 जनवरी से मनरेगा में श्रमिकों का भुगतान आधार बेस होगा जिसके लिए श्रमिकों को अपना आधार ब्लाक कार्यालय में फीड कराने होंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख गरिमा कोल व संचालन बृजमोहन एडीओ एमआई ने किया। बैठक में विधायक छानबे राहुल प्रकाश कोल, सांसद प्रतिनिधि संतोष कुमार विश्वकर्मा, जग प्रकाश कोल, आदि रहे।

ताला बंद पाए जाने पर डीपीआरओ ने लगाई फटकार

मीरजापुर। विकासखण्ड सिटी के ग्राम पंचायत में पिपराडाड में मंगलवार को जिला पंचायत राज अधिकारी अरविंद कुमार जायसवाल ने पंचायत भवन, शौचालय व इंटरलॉकिंग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई शौचालयों में ताला बंद पाए जाने पर जिला पंचायत राज अधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। पंचायत भवन निरीक्षण के दौरान पंचायत कर्मी उपस्थित पाए गए। गांव की गलियों व विद्यालय में गंदगी पाए जाने पर डीपीआरओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए साफ सफाई के लिए सफाईकर्मियों को निर्देशित किया। वही अधूरे कार्यों को पूर्ण कराने के लिए सम्बंधित को एक सप्ताह के अंदर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। तत्पश्चात सिटी विकासखंड के भरूहना में पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी के द्वारा कार्य में कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाई की जाएगी।

दिव्यांग शिविर में 62 लाभार्थियों को सामग्री वितरित

सीखड़। मुख्य विकास अधिकारी मीरजापुर के निर्देश के क्रम में मंगलवार विकास खण्ड सीखड़ प्रांगण में दिव्यांग शिविर का आयोजन खण्ड विकास अधिकारी शिव पूजन भारतीया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। शिविर में जनपद से आये चिकित्सकों द्वारा कुल 62 लाभार्थियों को जाँच के बाद छड़ी, व्हील चेयर, बैसाखी हेतु पात्र पाया गया। कार्यक्रम में संयुक्त खण्ड विकास अधिकारी के.के.सिंह, एडीओ पंचायत प्रदीप सिंह, एडीओ समाज कल्याण विनोद शुक्ला, प्रधान मुकेश सिंह, कुंजन सरोज, चन्द्र बली यादव, रितेश सिंह सहित दिव्यांग विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहें।

पूर्व प्रधान के निधन पर शोक

हलिया। विकास खंड के चंद्रगढ़ मुड़ेल गांव निवासी अधिवक्ता व चंद्रगढ़ ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान 65 वर्षीय त्रिलोक नारायण सिंह के निधन पर क्षेत्रीय लोगों ने गहरा शोक जताया है। पूर्व प्रधान काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे जहां सोमवार की देर शाम को उनका निधन हो गया। अधिवक्ता और पूर्व प्रधान के निधन को पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष विजय नारायण मिश्र ने क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। अधिवक्ता व पूर्व प्रधान के निधन पर पूर्व ब्लाक प्रमुख हलिया ज्ञानेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान सियाराम मिश्र, कौशलेन्द्र गुप्ता, शिव गोविन्द चौरसिया, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष शिव प्रसाद तिवारी, श्याम बहादुर सिंह, देवदत्त सिंह, जगलाल पाल, राम बिहारी मिश्र, शम्भू नाथ मिश्र अधिवक्ता आई पी मिश्र, बाल कृष्ण मिश्र आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

पिकप के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत

मीरजापुर। कटरा कोतवाली क्षेत्र के शास्त्री ब्रिजके पास पिकप व बाइक की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार पड़री थाना क्षेत्र के बसुहीं देवरी गांव निवासी दिलीप तिवारी पुत्र राकेश तिवारी उम्र 18 वर्ष सोमवार की देर रात शास्त्री ब्रिज के पास से अपने घर वापस लौट रहा था इसी दौरान सामने से आ रही पिकप की चपेट में आ गया। घायलावस्था में युवक को ईलाज हेतु मण्डलीय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस नेश्व को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्पोर्ट्स

बृजेश राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैंपियनशिप विजेता बने

इंदौर। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता बृजेश दमानी ने पहली बार राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीती है। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता बृजेश ने यहां हुए टूर्नामेंट के फाइनल में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के ध्रुव सितवाला को हराकर यह खिताब अपने नाम किया। इसमें चार गेम के बाद फाइनल मैच 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद बृजेश ने शानदार खेल दिखाते हुए 4-3 से बढ़त बनायी। उन्होंने अंत में आठवें गेम में भी दबदबा बनाए रखा और 5-3 से खिताब जीत लिया। बृजेश ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक के बी भास्कर और सेमीफाइनल में एस श्रीकृष्णा को हराया था।

वार्नर के दोहरे शतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 386 रन बनाये

मेलबर्न। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के शानदार दोहरे शतक से मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 386 रन बना लिए थे। वहीं इससे पहले दक्षिण-अफ्रीका की टीम अपनी पहली पारी में 189 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को 197 रनों की बढ़त मिल गयी है और अब उसका लक्ष्य तीसरे दिन बड़ी बढ़त हासिल करना रहेगा। दिन का खेल समाप्त होने के समय पर ट्रेविस हैड 48 और एलेक्स कैरी 9 रनों पर खेल रहे थे। वार्नर अपना दोहरा शतक 200 रन बनाने के साथ ही रिटायर्ड हर्ट होकर पेवेलियन लौट गये। वहीं एक अन्य खिलाड़ी कैमरुन ग्रीन भी 6 रनों पर ही रिटायर्ड हर्ट हुए। दूसरे दिन के खेल का आकर्षण वार्नर की बल्लेबाजी रही।

वार्नर ने तीन साल के बाद शतक लगाया। वह यहीं नहीं रुके और उन्होंने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 254 गेंदों पर दोहरा शतक लगा दिया। इसके बाद वह जश्न मनाते हुए चोटिल हो गए आर उन्हें पेवेलियन लौटना पड़ा।

वार्नर 200 रन के मील के पत्थर तक पहुंचने से पहले ही खिंचाव से परेशान थे पर जिस प्रकार अतिउत्साह में उन्होंने इस दोहरे शतक का जश्न मनाया उससे उनकी हालत और भी खराब हो गई है। सलामी बल्लेबाज ने अपने दोहरे शतक के जश्न में जैसे ही एक ऊंची छलांग लगाई वह जमीन पर पड़ने के बाद दर्द से परेशान हो गये।

वार्नर को अपनी पारी के दौरान खिंचाव के इलाज के लिए कई बार चिकित्सक मदद की जरूरत पड़ी पर वह उन्होंने दोहरा शतक बनाने तक मैदान पर जमे रहे। वार्नर ने इस पारी में अपने टेस्ट करियर में 8000 रन भी पूरे किए वह ऐसा करने वाले आठवें ऑस्ट्रेलियाई बन गए हैं। दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को कोई सहायता नहीं मिली और वे बेबस नजर आये।

वॉर्नर ने अपने 100वें टेस्ट में दोहरा शतक लगाने के साथ ही पूरे किये 8000 रन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक लगाने बाद इसे दोहरे शतक में बदल दिया। यह संयोग से वार्नर का 100वां टेस्ट भी था। इसमें दोहरा शतक लगाने के साथ ही इस बल्लेबाज ने एक और अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वार्नर ने इस मैच में अपने 8000 रन भी पूरे किये। वार्नर अब 8000 रन बनाने वाले अपने देश के आठवें खिलाड़ी बन गये हैं। आठ हजार रन बनाने वाले अन्य खिलाड़ी हैं एलन बॉर्डर (11174 रन) स्टीव वॉ (10927 रन) माइकल क्लार्क (8643 रन) मैथ्यू हेडन (8625 रन) स्टीव स्मिथ (8503 रन)। इस बल्लेबाज ने यह रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बनाया है।

उनके लिए यह शतक इसलिए भी अहम है क्योंकि यह 25 टेस्ट के बाद आया है। इस बल्लेबाज ने अपना पिछला शतक तीन साल पहले जनवरी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया था। इस बल्लेबाज के नाम 100 टेस्ट की 183 पारियों में 46.21 की औसत से 8122 रन हैं। उनके नाम लंबे प्रारूप में 25 शतक हैं और उन्होंने इसके साथ ही 34 अर्धशतक भी लगाये हैं।

वार्नर ने 77वें ओवर की आखिरी गेंद पर लुंगी एनगिडी को चौका लगाकर दोहरा शतक पूरा किया। दोहरा शतक लगाने के बाद वार्नर घुटनों के बल बैठ गए और उन्होंने हेलमेट निकालते हुए सबका अभिवादन किया। इस दौरान उनके चेहरे पर खुशी थी। टेस्ट क्रिकेट में यह वार्नर का तीसरा दोहरा शतक था हालांकि दोहरा शतक लगाने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए। इस बल्लेबाज ने 254 गेंदों पर 16 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 200 रन बनाए।

अब वह टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सातवें खिलाड़ी बन गये हैं। दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। पोंटिंग ने 168 मैचों और 287 पारियों में 51.85 की औसत से 13378 रन बनाए थे।

स्टार्क की अंगुली में चोट लगी तीसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का सिडनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। स्टार्क को यहां (एमसीजी) में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले ही दिन बाएं हाथ की अंगुली में चोट लग गयी थी। स्टार्क को उसके बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वह बाद में नेट में हुए गेंदबाजी सत्र के बाद मैदान में लौटे पर उन्होंने तब भी गेंदबाजी नहीं की।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने कहा कि स्टार्क को खेलने की मंजूरी दे दी गई है और उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी भी की थी पर मैच के पूरा होने पर उनकी स्थिति की समीक्षा होगी। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल दो अतिरिक्त तेज गेंदबाजों जोश हेजलवुड और लांस मॉरिस ने भी नेट्स में गेंदबाजी की थी। इन्हें स्टार्क की जगह शामिल किया जा सकता है। स्टार्क के विकल्प के तौर पर मॉरिस को वेस्टइंडीज के खिलाफ एडिलेड टेस्ट से पहले बुलाया गया था। मॉरिस ने अब तब ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से केवल 18 टेस्ट हैं।

सीमित ओवरों के प्रारुप को अलविदा कह सकते : स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा है कि उनके लिए टेस्ट क्रिकेट सबसे ऊपर है। ऐसे में वह अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने के लिए अगले चरण में सीमित ओवरों के प्रारुप को अलविदा कह सकते हैं। स्टार्क उन 6 खिलाड़ियों में से हैं जो ऑस्ट्रेलिया के लिए सभी प्रारुपों में खेलते हैं।

स्टार्क ने कहा हटटेस्ट हमेशा टॉप पर रहेगा। यह फॉर्मेट सीमित ओवरों के फॉर्मेट से काफी ऊपर है।ह्व स्टार्क के टीम की 2023 वर्ल्ड कप योजनाओं में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 टी20 वर्ल्ड कप में खेलने की इच्छा का भी संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि मैं बाकी चीजों के बारे में बाद में फैसला करूंगा। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मेरा शरीर कैसा महसूस करता है। खेलना मुझे पसंद है और अगर लय सही रही और टीम में चयन हुआ तो मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा।

इस अनुभवी गेंदबाज ने कहा कि आज के दौर के व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी खिलाड़ी के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलना असंभव की तरह है। उन्होंने कहा कि तीनों फॉर्मेट के खिलाड़ी के रूप में हर मैच को खेलना इस समय लगभग असंभव है। अपने वर्कलोड मैनेजमेंट को बनाए रखने के लिए स्टार्क ने 2015 से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेना छोड़ दिया है। 32 साल के स्टार्क ने अब तक 71 टेस्ट में 287 विकेट लिए हैं। उन्होंने 107 वनडे में 211 विकेट झटके हैं जबकि 58 टी20 में उनके नाम 73 विकेट हैं।

रीड ने एफआईएच विश्व कप के लिए भारतीय टीम को टिप्स दीं

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच कोच ग्राहम रीड ने अगामी एफआईएच विश्व कप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम के खिलाड़ियों से कहा है कि वे मैदान में संयमित रहें और गोल होने पर भी दबाव में न आते हुए अपनी ओर से पूरे प्रयास करते हुए खेल को दूसरे स्तर पर ले जायें। कोच ने कहा कि खिलाड़ियों को भावनाओं में बहने से बचना होगा। कोच के अनुसार विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलने के दौरान सकारात्मक मानसिकता रखनी होगी है। भारतीय टीम को विश्व कप में अपने पहले ही मैच में 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन से खेलना है।

रीड ने कहा है ह्यह्य आम तौर पर देखा गया है कि भारतीय खिलाड़ी जब विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में खेलते हो तो भावनाओं में बह जाते हो जिससे उन्हें नुकसान होता है। इसलिए उन्हें भावनाओं में बहने से बचना होगा। साथ ही कहा कि अगर विरोधी आपसे गेंद छीने या गोल कर दे तो हालात काफी कठिन हो सकते हैं। उन्होंने कहा ह्यह्यवह जरूरी है कि ह्यअगली चीज क्या होगी आप यह जानने की मानसिकता विकसित करो। जो हो गया आप उसे नहीं बदल सकते इसलिए उस काम पर ध्यान दो जो आपके सामने है और उसे किया जा सकता है इसलिए इस पर अपना ध्यान बनाये रखो।

रीड ने कहा कि आधुनिक हॉकी आजकल बेहद प्रतिस्पर्धी को गयी है। इसलिए भुवनेश्वर और राउरकेला की संयुक्त मेजबानी में हो रहे विश्व कप के लिए प्रबल दावेदार की भविष्यवाणी करना बहुत कठिन है। उन्होंने कहा किसी टीम का को विजेता नहीं बताया जा सकता।

अगर मैं आज की स्थिति को देखता हूं तो मैं ऑस्ट्रेलिया बेल्जियम और भारत को दावेदार मान सकता हूं और कल मैं फिर नीदरलैंड जर्मनी और भारत के साथ जा सकता हूं। रीड ने कहा ह्यह्यबेशक मैं भारत को शीर्ष तीन में रखूंगा क्योंकि अगर हम अच्छा खेलते हैं तो हमारे पास अच्छा अवसर होगा। साथ ही कहा कि शीर्ष आठ टीम में से कोई भी विश्व कप जीत सकता है।

आर्सेनल शीर्ष पर पहुंची वेस्ट हैम को 3-1 से हराया

हैरी के गोल से टोटेनहैम बराबरी पर पहुंचा

लंदन। आर्सेनल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में वेस्ट हैम को 3-1 से हराकर शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और बेहतर बनायी है। वहीं एक अन्य मैच में न्यू कास्टल की टीम लीस्टर को 3-0 से हराकर दूसरे स्थान पर रही। वह आर्सेनल से सात अंक पीछे है।आर्सेनल के 15 मैचों में 40 जबकि न्यू कास्टल के 16 मैचों में 33 अंक हैं। एक अन्य टीम मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। वेस्ट हैम की ओर से सैद बैनरहम के 27वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया पर इसके बाद ने शानदार वापसी करते हुए तीन गोल दाग दिये। आर्सेनल की ओर से दूसरे हाफ में बुकायो साका गेब्रियल मार्टिनेली और एडी एनकेतिया ने गोल किये। वहीं एक अन्य मैच में हैरी केन के गोल से चौथे स्थान पर कायम टोटेनहैम ने दो गोल से पीछे होने के बाद भी अच्छी वापसी करते हुए ब्रैटफोर्ड के खिलाफ मैच 2-2 से बराबरी पर ला दिया।

श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों में सैमसन को अवसर मिले : जाफर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा है कि श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिये। जाफर का कहना है कि सैमसन को श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज में अवसर मिले। साथ ही कहा कि वह सैमसन सीमित ओवरों के अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए वह उन्हें इन दोनों प्रारुपों में लंबे समय तक खेलते हुए देखना चाहते हैं। सैमसन ने अंतिम एकदिवसीय न्यूजीलैंड के खिलाफ जबकि अंतिम टी20 वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह टीम में अपनी जगह नहीं बना पाये हैं।

साल 2015 में भारतीय टीम में डेब्यू करने वाले सैमसन ने अभी तक भारत के लिए 16 टी20 और 11 एकदिवसीय मुकाबले ही खेले हैं। उन्हें कभी खराब फार्म और कभी निरंतर की कमी के नाम पर बाहर कर दिया जाता है पर जाफर उन्हें लंबी रेस का घोड़ा मानते हैं।

जाफर ने ट्वीट किया मुझे उम्मीद है कि सैमसन श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय सीरीज दोनों के लिए भारतीय टीम में शामिल रहेंगे और उन्हें लंबे समय तक अवसर मिलेगा।

भारतीय टीम को नये साल की शुरुआत में 3 जनवरी से श्रीलंका के खिलाफ 3 से 15 जनवरी के बीच तीन मैच की टी20 सीरीज के अलावा तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। वहीं श्रीलंका के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत का दौरा करेगी। कीवी टीम 18 जनवरी से 1 फरवरी तक 3 एकदिवसीय और इतने ही मैच की टी20 सीरीज खेलेगी।

एकदिवसीय विश्वकप में जगह बनाने सूर्यकुमार को बेहतर बनाना होगा प्रदर्शन

मुम्बई। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। इसके बाद भी उनके लिए अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। इस कारण टीम इंडिया में जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा होना माना जा रहा है।

सूर्यकुमार ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 13 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 12 पारियों में 34 की औसत से 340 रन बनाए हैं। इसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सबसे ज्यादा स्कोर 64 रन है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 99 का है। इस प्रकार देखा जाये तो एकदिवसीय में उनका प्रदर्शन अब तक सामन्य रहा है। वहीं इस बल्लेबाज ने 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय की पारियों में 44 की औसत से 1408 रन बनाए हैं। अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम प्रबंध मध्यक्रम में बेहतर संयोजन के लिए बल्लेबाज तलाश रहे है। विराट कोहली का एकदिवसीय विश्वकप में खेलना तय है और वे नंबर-3 पर उतरते है। वहीं रोहित शर्मा और शिखर धवन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। ऐसे में मध्यक्रम में जगह के लिए सूर्यकुमार का मुकाबला श्रेयस अय्यर और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ियों से है। वहीं घरेलू टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले रजत पाटीदार और राहुल त्रिपाठी भी बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबा ऋषभ पंत भी मध्यक्रम में ही उतरते हैं। राहुल के एकदिवसीय के प्रदर्शन को देखें तो उन्होंने अब तक 45 मैच की 43 पारियों में 45 की औसत से 1665 रन बनाए हैं। जिसमें 5 शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट 88 का है जबकि 27 साल के अय्यर ने 33 एकदिवसीय की 30 पारियों में 48 की औसत से 1299 रन बनाए हैं। जिसमें 2 शतक और 12 अर्धशतक हैं और उनका स्ट्राइक रेट 98 का है। इसको देखते हुए सूर्यकुमार को एकदिवसीय में अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर बेहरदीन ने संन्यास लिया

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम के पूर्व कप्तान फरहान बेहरदीन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेहरदीन ने सोशल मीडिया खेल को अलविदा कहने की घोषणा की। इस क्रिकेटर ने दक्षिण-अफ्रीका की ओर से 59 एकदिवसीय और 38 टी20 मैच खेले हैं और साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण-अफ्रीकी टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है।

बेहरदीन ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट को छोड़ने का फैसला कठिन था और पिछले कुछ सप्ताह उनके लिए विशेष रूप से कठिन थे। सोशल मीडिया पर बेहरदीन ने लिखा18 साल आए और चले गए। सभी प्रारूपों में 560 प्रो खेल मेरे देश के लिए 97 कैप कैबिनेट में 17 ट्रॉफी और 4 विश्व कप खेलने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ मेरे परिवार और दोस्तों का आभार जिन्होंने मेरा समर्थन किया। वह 2012 2014 और 2016 में दक्षिण अफ्रीका के टी20 विश्व कप अभियान के साथ-साथ 2015 में एकदिवसीय विश्व कप का हिस्सा थे। बेहरदीन ने एकदिवसीय क्रिकेट में 1074 रन और टी20 में 518 रन बनाये हैं।

उसका घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा था। बेहरदीन ने 2004 में प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया और 125 मैचों में 7000 से अधिक रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 150 रन था।

भारतीय प्रशंसकों का सम्मान करते हैं : रमीज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिके बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष रमीज राजा ने पद से हटाये जाने के बाद कहा है कि उन्होंने अपने काम का आनंद उठाया। रमीज ने यह भी कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों का सम्मान करते हैं।

साथ ही कहा कि क्रिकेट बंदिशों को तोड़ता है। यह बाधाओं को पार करने में मदद करता है। बतौर क्रिकेटर और बतौर कमेंटेटर मुझे भारतीय प्रशंसकों से भी बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार मिला है।

रमीज ने भारत कहा कि परेशानी तब शुरू हुई जब भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने बिना किसी बैठक के पाक में होने वाले एशिया कप के बहिष्कार की धमकी दे दी।लंबे समय के बाद पाकिस्तान को एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी मिली थी। उसी कारण मैंने कहा था कि

एशिया कप की मेजबानी करेगा पर बीसीसीआई ने बिना किसी बैठक बिना किसी बातचीत या बगैर किसी कमेटी के पाक से मेजबानी के अधिकार वापस लेने का फैसला सुना दिया। एशिया कप के किसी भी सदस्य को इस बारे में पता तक नहीं था। जब कोई देश बॉस बनने की कोशिश करता है तो परेशानी खड़ी हो जाती है।

अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाक नहीं आयेगी तो हम भारत में होने वाले विश्वकप का बहिष्कार करेंगे। मैंने केवल अपना पक्ष रखा था।

रमीज ने कहा तय हुआ था कि पा हमने भारत के खिलाफ इस मसले पर एक रुख लिया पर बीसीसीआई ने उसको भारत में अलग तरह से पेश कर दिया जबकि हम भारतीय प्रशंसकों का पूरा सम्मान करते हैं।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी नहीं बिकने से निराश हैं संदीप

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र के लिए कोच्ची में हुई नीलामी में जहां देश और विदेश के कई अनजान से क्रिकेटरों को भी करोड़ों की रकम मिली है। वहीं कुछ खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं बिके हैं। इन्हीं में से एक तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को भी किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। जिससे ये खिलाड़ी हैरान होने के साथ ही निराश भी है। संदीप ने कहा कि वह अपने को बिना बिके हुए देखकर हैरान और निराश हैं।

संदीप ने कहा मैं हैरान और निराश हूं। मुझे नहीं पता कि मैं बिना बिके कैसे रह गया। मैंने जिस भी टीम के लिए खेला अच्छा प्रदर्शन किया और सोचा था कि कोई टीम मेरे लिए बोली लगाएगी। सच कहूं तो मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मुझसे गलती कहां हुई है मुझे यह भी नहीं पता। घरेलू क्रिकेट में मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। रणजी ट्रॉफी में आखिरी राउंड में मैंने सात विकेट लिए। इसके साथ ही मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

संदीप का नाम आईपीएल में लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाजों के नाम पर है। पावरप्ले में उन्होंने जिस भी फ्रेंचाइजी के लिए खेला हो विकेट लिया है। उनके नाम प्रति पारी 1.09 विकेट हैं इसके इसके बाद भी आईपीएल 2023 की नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था।

उन्होंने कहामैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखने का प्रयास किया है और यही मेरे हाथ में है। मैं चयन को नियंत्रित नहीं कर सकता। अगर मौका आता है तो अच्छा है वरना मुझे अच्छा काम करते रहना होगा। संदीप ने इस नीलामी में अपना आधार मूल्य 50 लाख रुपए तय किया था नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी में से किसी भी टीम ने उनपर बोली नहीं लगाई हालांकि अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है तो वह उसके विकल्प के रूप में आईपीएल में खेल सकते हैं।

57वीं टाइगर लीग बैडमिंटन : गौतम तीर्थ आरव और आरोही फाइनल में

इन्दौर। सरताज अकादमी द्वारा आयोजित श्रीराम चड्ढा स्मृति 57वीं टाइगर लीग बैडमिंटन स्पर्धा में तीर्थ गोयल और आरव गोयल के बीच 13 वर्ष बालक एवं आरोही गोयल और वृतिका राज के बीच 11 वर्ष आयु का खिताबी मुकाबला होगा। गौतम मूणत जूनियर बालक के खिताबी मुकाबले में है।

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में हो रही स्पर्धा में तीर्थ गोयल ने समर्थ दुबे को 15-4 16-14 से और आरव गोयल ने श्लोक खत्री को 15-9 15-12 से हराया जूनियर वर्ग में गौतम मूणत ने संदिली गोयल को तीन गेमों में 14-16 15-3 15-8 से पराजित किया। 11 वर्ष आयु वर्ग में आरोही गोयल ने अशंक मिश्रा को 15-4 15-2 से हराया। अन्य लीग मैचों में देवांशी गर्दे ने तीर्थ गोयल को 15-9 20-18 से गौतम मूणत ने प्रियांशी पटेल को 15-11 15-5 से और आशुतोष बिन्नानी ने संदिली गोयल को 15-7 15-7 से पराजित किया। जूनियर बालकों के खिताबी मुकाबला गौतम मूणत और आशुतोष बिन्नानी के बीच हैं। 13 वर्ष बालिका फाइनल में याशिका जायसवाल और देवांशी गर्दे हैं।

अश्विन और कार्तिक से मिला सहयोग : जगदीसन

चेन्नई। तमिलनाडु के बल्लेबाज नारायण जगदीसन को कोच्ची में हुई आईपीएल नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 90 लाख रुपये में खरीदा है। इससे उत्साहित इस खिलाड़ी ने ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन और विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा की है। जगदीशन हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर सबकी नजरों में आये हैं।

जगदीसन के अनुसार अश्विन और कार्तिक जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से उन्हें अपने खेल को लेकर अहम सलाह मिली है इससे भी उन्हें काफी लाभ मिला है। जगदीसन ने कहातमिलनाडु टीम में बहुत अनुभवी खिलाड़ी रहे हैं और मैं भाग्यशाली हूं कि लगभग सभी के साथ मुझे खेलने का अवसर मिला है। साथ ही कहा कि इस दौरान अश्विन और कार्तिक ने भी मुझसे काफी बात की थी। उन्होंने मेरी क्षमता को पहचाना। मैंने आमतौर पर उनके साथ क्रिकेट के बारे में बहुत सी बातचीत की है कि वे कैसे तैयारी करते हैं। उन्होंने मुझे अच्छी सलाह दी थीं।

इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केकेआर में जगह मिलने से बहुत खुश है हालांकि में वर्तमान में रहने की कोशिश कर रहा हूं। नीलामी से पहले भी मेरा विचार यह था कि अगर मुझे चुना जाता है तो अच्छा है लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो यही सबकुछ नहीं है। ऐसे में मैं अपने काम पर ध्यान रखते हुए बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दूंगा।

एमआई हर्मन ईस्टर्न कप अगले माह आकर्षण का केन्द्र रहेंगे आर्चर

केपटाउन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग एमआई केपटाउन की ओर से खेलेंगे। एमआई ने अर्चर को अगले साल जनवरी में शुरू हो रहे ईस्टर्न कप एसए20 लीग के उद्घाटन सत्र के लिए वाइल्डकार्ड के रूप में अनुबंधित किया है। आर्चर ने फिट नहीं होने के कारण मार्च 2021 से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। वहीं सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने दक्षिण अफ्रीका के गैर अनुभवी खिलाड़ी जॉर्डन हर्मन को शामिल किया है।

आर्चर को मुंबई इंडियंस ने भी पिछली बार आईपीएल नीलामी में आठ करोड़ रुपये में अनुबंधित किया था हालांकि वह खेल नहीं पाये थे। उन्हें मुंबई ने इस बार भी बरकरार रखा है।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस और एसए20 टीम एमआई केप टाउन का मालिकाना अधिकार एक ही समूह के पास है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक प्रवक्ता ने कहा है कि इंग्लैंड बोर्ड ने इस गेंदबाज को एनओसी दे दी है। जो जुलाई 2021 से 17 महीने से अधिक समय से खेल से बाहर हैं। एनओसी प्रदान करने के बाद भी ईसीबी उनके ठीक होने को इंतजार कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी पूर्ण वापसी के लिए एक रोडमैप भी रखा गया है।

प्रणय करियर की सर्वश्रेष्ठ आठवीं बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में पहुंचे

सिंधु सातवें स्थान पर खिसकीं

नई दिल्ली। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय इस साल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) विश्व रैंकिंग में 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह प्रणय के करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। प्रणय इससे पहले साल 2018 में आठवीं रैंकिंग पर पहुंचे थे पर इसके बाद वह साल 2019 में खराब प्रदर्शन के कारण 34वें स्थान पर फिसल गये थे। प्रणय ने इस साल एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सात टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी जबकि दो टूर्नामेंटों में वह सेमीफाइनल में पहुंचे। इसके अलावा स्विस ओपन में वह उपविजेता रहे थे।

उन्होंने कोई एकल खिताब नहीं जीता पर भारतीय टीम की थॉमस कप जीत में उनकी भूमिका निभाई रही थी। वहीं अन्य भारतीय पुरुष खिलाड़ियों में लक्ष्य सेन पहले की तरह ही सातवें स्थान पर बरकरार हैं पर किदांबी श्रीकांत एक स्थान नीचे 12वें स्थान पर खिसक गए हैं।

वहीं राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से चोटिल होने के कारण खेल से दूर रहीं स्टार खिलाड़ी पी वी सिंधु को महिला एकल रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह सातवें स्थान पर फिसल गयी है।

वहीं दूसरी ओर पुरुष युगल रैंकिंग की बात करें तो सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग सेन पांचवें स्थान पर बने हुए हैं जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी तीन स्थान के लाभ के साथ ही 21वें नंबर पर पहुंच गई है। महिला युगल रैंकिंग में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की जोड़ी एक स्थान के लाभ के साथ ही 17वें स्थान पर पहुंच गई है।

300 करोड़ के हथियारों व मादक पदार्थों के साथ 10 पाकिस्तानी गिरफ्तार

कोस्टगार्ड के साथ गुजरात एटीएस का बड़ा ऑपरेशन

नई दिल्ली। गुजरात तट के पास सोमवार तड़के चालक दल के 10 सदस्यों के साथ एक पाकिस्तानी नौका पकड़ी गई है। इस नौका में 300 करोड़ रुपए मूल्य के हथियार गोला-बारूद और 40 किग्रा मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने यह जानकारी दी। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा साझा की गई एक सूचना के आधार पर तटरक्षक ने 25 और 26 दिसंबर की दरमियानी रात को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के नजदीक के क्षेत्र में गश्त के लिए अपने तेज गश्ती पोत आईसीजीएस अरिंजय को तैनात किया।

दिन के शुरूआती घंटों के दौरान मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका अल सोहेली को भारतीय जलक्षेत्र में संदिग्ध रूप से आते देखा गया। इसमें कहा गया कि आईसीजी पोत द्वारा चुनौती दिए जाने और चेतावनी के तौर पर गोली चलाए जाने के बावजूद नौका नहीं रुकी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि तटरक्षक अंततः नौका को रोकने में कामयाब रहा।

बयान के अनुसार नौका पर 300 करोड़ रुपए मूल्य के हथियार गोला-बारूद और लगभग 40 किलोग्राम मादक पदार्थ पाए गए। चालक दल के 10 सदस्यों और नौका को आगे की जांच के लिए ओखा बंदरगाह लाया जा रहा है। पिछले 18 महीनों में आईसीजी और गुजरात एटीएस द्वारा यह सातवां संयुक्त अभियान है और ऐसा पहला मामला है जिसमें मादक पदार्थ के साथ हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

विज्ञप्ति में बताया गया है कि पिछले 18 माह में 1930 करोड़ रुपए मूल्य की कुल 346 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है और चालक दल के 44 पाकिस्तानी और सात ईरानी सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

दिवंगत अभिनेता की बहन ने पोस्टमॉर्टम करने वाले कर्मचारी के लिए मांगी सुरक्षा

मुंबई। दिवंगत फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का शव जब मुंबई के कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया तब सुशांत सिंह के गर्दन और जिस्म पर जख्मों के कई निशान थे. यानी सुशांत ने आत्महत्या नहीं की बल्कि उनकी हत्या हुई. यह दावा कूपर अस्पताल के कर्मचारी रूप कुमार शाह ने किया है. रूप कुमार शाह पोस्टमार्टम के वक्त मौजूद थे. उनके इस दावे के बाद सुशांत सिंह राजपूत के परिवार की प्रतिक्रिया आई है. दिवंगत अभिनेता की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने ट्वीट कर दावा करने वाले कर्मचारी को सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग की है. श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने ट्वीट में पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को टैग किया है. लेकिन फोरेंसिक एक्सपर्ट रूप कुमार शाह के दावे पर एतराज जता रहे हैं. उनका कहना है कि जब एक कर्मचारी को ही इतनी जानकारी है तो फोरेंसिक एक्सपर्ट की जरूरत क्या है. दरअसल जिस वक्त सुशांत सिंह राजपूत के शव का कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम हुआ उस वक्त रूप कुमार शाह मोर्चरी सर्वेंट के तौर पर काम कर रहे थे. उन्होंने सोमवार 27 दिसंबर को यह बयान दिया था कि उस दिन अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए 5-6 शव आए थे उनमें से एक शव सुशांत सिंह राजपूत का था. उन्होंने कहा ह्यजब मैंने सुशांत सिंह राजपूत का शव देखा तो यह आत्महत्या का केस नहीं दिखा. उनके जिस्म में जख्मों के निशान थे. मैंने वहां डॉक्टरों का ध्यान इस ओर दिलाया. लेकिन उन्होंने कहा कि वे इस मामले में बाद में बात करेंगे. रूप कुमार शाह ने ये भी कहा कि ह्यजब टेबल पर शव रखा गया तब हमें पता चला कि यह सुशांत सिंह राजपूत का शव है.

जिस्म पर जख्मों के निशान और गले पर दो निशान दे. हाथ-पैर टूटे हुए जैसे दिखाई दे रहे थे. मेरा मानना है कि उसकी वीडियो शूटिंग होनी चाहिए थी. लेकिन अधिकारियों ने सिर्फ तस्वीरें खींचने को कहा. हमने सीनियर अधिकारियों से कहा कि यह हत्या का केस लग रहा है. लेकिन डॉक्टरों ने कहा कि पोस्टमार्टम जल्दी करके शव देना है. रूप कुमार शाह ने कहा ह्ययह डॉक्टर का काम है कि वह रिपोर्ट में क्या लिखे. सुशांत को न्याय मिलना चाहिए. कोई भी सुशांत सिंह राजपूत की तस्वीर देखकर कह सकता है कि उनकी हत्या की गई. अगर जांच एजेंसी मुझे कॉल करेगी तो मैं उनसे इस बारे में बताऊंगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पढ़ने के महत्व पर जोर देकर कहा कि छात्र पढ़ने की आदत पैदा करे

हैदराबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पढ़ने के महत्व पर जोर देकर कहा कि पढ़ने की आदत आत्म-विकास के सबसे प्रभावी साधनों में से एक है। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि यह एक ऐसा कौशल है जो जीवन भर छात्रों की सेवा करेगा।

उन्होंने कहा कि यह इंटरनेट और सोशल मीडिया का युग है जब ध्यान देने की अवधि कम होती जा रही है और पात्रों में संचार सीमित है। उन्होंने छात्रों से अपनी समझ में सुधार करने और अपने दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए अधिक पढ़ने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा वह नींव है जिस पर किसी भी राष्ट्र का निर्माण होता है। यह प्रत्येक व्यक्ति की पूरी क्षमता को अनलॉक करने की कुंजी है।

उन्होंने कहा मुझे यह जानकर खुशी हुई कि केशव मेमोरियल एजुकेशनल सोसाइटी की गतिविधियाँ कई गुना बढ़ गई हैं 1940 में एक छोटे से स्कूल से नौ अलग-अलग कॉलेजों के साथ एक प्रमुख शैक्षिक केंद्र जिसमें 11000 से अधिक छात्र नामांकित हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि यह वृद्धि ज ा स्ि ट स ा केशव राव कोराटकर के आदर्शों को श्रद्धांजलि है जिनकी स्मृति में समाज की स्थापना की गई है।

उन्होंने रामजी गोंड तुर्रेबाज खान कोमाराम भीम सुरवरम प्रताप रेड्डी और शोयबुल्ला खान सहित हैदराबाद की मुक्ति के लिए लड़ने वाले बहादुर नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके मूल्य और बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा तथा उनका सम्मान किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने कहा जब हम आजादी का अमृत महोत्सव की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं तब हमारे लिए यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हमारी स्वतंत्रता केवल अतीत के दमनकारी शासकों से मुक्ति के बारे में नहीं है।

भारतीय जल सीमा से पकड़ी गई करोड़ों की ड्रग्स समेत बोट बलुचिस्तान से रवाना हुई थी

अहमदाबाद। भारतीय जल सीमा से रविवार की रात पकड़ी गई करोड़ों के ड्रग्स और हथियारों से लदी बोट पाकिस्तान के बलुचिस्तान से रवाना हुई थी गुजरात एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने संयुक्त अभियान के तहत इस बोट के साथ 10 पाकिस्तानी शख्सों को गिरफ्तार किया थो गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने बताया कि किस प्रकार पूर्व सूचना के आधार पर एटीएस और कोस्ट गार्ड ने इस ऑपरेशन को पूरा कियो उन्होंने बताया कि एटीएस के पीआई को मिली पूर्व सूचना के बाद सुरक्षा एजंसियां सतर्क हो गई थीं और कोस्टगार्ड की मदद से ऑपरेशन शुरू किया गया थो आतंकी मंसूबों वाले ड्रग्स माफियाओं को धरदबोचने के लिए एटीएस और कोस्ट गार्ड ने 6 दिनों तक समुद्र में 140 नोटिकल माइल तक ना सिर्फ गश्त की बल्कि वहीं डेरा भी डाले रखो आखिरकार उन्हें सफलता मिली और पूर्व सूचना के मुताबिक बोट दिखते ही उसे घेर लियो प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि पकड़ी गई बोट पाकिस्तान के बलुचिस्तान से रवाना हुई थी जिसमें मूल पाकिस्तान के 10 शख्स सवार थे सुरक्षा एजंसियों ने बोट से 10 पाकिस्तानी शख्सों के साथ ही 3 गैस सिलिंडर 300 करोड़ रुपए कीमत का 400 किलो ड्रग्स 12 मैगजीन और 120 कार्टज बरामद किया है सुरक्षा एजंसियों से बचने के लिए आरोपियों ने सिलिंडर की आड में ड्रग्स और हथियार छिपाए थे।

युवती का शव फंदे पर लटका मिला, दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

परिजनों ने पुलिस पर लगाया जबरन अंतिम संस्कार कराने का आरोप श्मशान घाट से घर उठा लाए युवती का शव

गोरखपुर। गोरखपुर शहर के धर्मशाला बाजार क्षेत्र में किराए पर कमरा लेकर रहने वाले सफाईकर्मी की बेटी का शव फंदे से लटका मिला है। घटना के समय किशोरी घर पर अकेली थी उसके मां-बाप एक दिन पहले कुशीनगर जिले में स्थित अपने पैतृक गांव गए थे। मकान मालिक पर ब्लैकमेल करने व दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगा रहे स्वजन मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर देर रात तक हंगामा करते रहे। पुलिस पर जबरन दाह संस्कार कराने का आरोप लगाते हुए श्मशान घाट से युवती का शव घर पर उठा लाए जिसके बाद मोहल्ले के लोग भी उनके समर्थन में आ गए।

पुलिस ने एहतियात के तौर पर मोहल्ले में फोर्स तैनात कर दी है। वहीं स्वजनों की तहरीर पर देर रात मकान मालिक के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुशीनगर जिले के पडरौना क्षेत्र का रहने वाला व्यक्ति शहर के एक अस्पताल में सफाईकर्मी है। पत्नी व 16 वर्षीय बेटी के साथ चार वर्ष से धर्मशाला बाजार क्षेत्र में किराए पर कमरा लेकर रहता था। उसकी पत्नी भी मोहल्ले के घरों में मजदूरी करती है।

शनिवार की दोपहर एक बजे पत्नी के साथ सफाईकर्मी अपने गांव (पडरौना) चला गया। घर पर बेटी अकेली थी। सफाईकर्मी का आरोप है कि रविवार की शाम पांच बजे मकान मालिक ने फोन कर बताया कि बेटी ने फंदे से लटककर जान दे दी है। मकान मालिक उनकी बेटी को परेशान करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मकान मालिक ने दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव फंदे से लटकाया है। रात में रिश्तेदारों के साथ कमरे पर पहुंचे सफाईकर्मी व उसकी पत्नी ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

पोस्टमार्टम के बाद गोरखनाथ थाना पुलिस स्वजनों के साथ शव लेकर राजघाट पहुंची तो परिवार के लोग जबरन दाह संस्कार कराने का आरोप लगाने लगे। किशोरी की मां व पिता का कहना था कि पुलिस रात में ही अंतिम संस्कार करने का दबाव बना रही है। हंगामा बढ़ने पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ कोतवाली ने लोगों को शांत कराया जिसके बाद स्वजन शव लेकर कमरे के पास चले आए। मोहल्ले के मंदिर में शव रख प्रदर्शन करने लगे।

आरोप है कि पड़ोस का एक युवक भी किशोरी को ब्लैकमेल कर रहा था। उसने वीडियो बना लिया था जिसे वायरल करने की धमकी देता था। महिला ने बताया कि रविवार सुबह बेटी ने फोन कर कहा था कि मम्मी जल्दी कमरे पर आ जाओ बहुत जरूरी काम है।

जिलाधिकारी के आदेश पर तीन डाक्टरों के पैनल ने किशोरी का पोस्टमार्टम किया जिसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई है। रिपोर्ट में किशोरी की हत्या किए जाने का प्रमाण नहीं मिला है। सूत्रों की मानें तो मृत्यु की वजह हैंगिंग बताई गई है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

किशोरी के परिजनों ने मांग की कि पोस्टमार्टम एफआइआर की कापी देने के साथ ही दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की जाए। मोहल्ले के लोगों ने भी पुलिस पर पीड़ित परिवार को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

2023 में अमेरिका में छिड़ेगा गृहयुद्ध राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करेंगे एलन मस्क

पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव ने साल 2023 को लेकर की चौकाने वाली भविष्यवाणियां

नई दिल्ली. यूक्रेन से जंग के बीच रूस के पूर्व राष्ट्रपति और व्लादिमीर पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव ने साल 2023 को लेकर कुछ अनुमान प्रकट किया हैं. दिमित्री मेदवेदेव की यह भविष्यवाणियां चौंकाने वाली हैं. रूस के पूर्व राष्ट्रपति का अनुमान है कि साल 2023 में अमेरिका में गृह युद्ध छिड़ सकता है और एलन मस्क राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करेंगे. वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है.

रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ट्विटर पर कहा कि नए साल से एक दिन पहले शाम के समय हर कोई अलग-अलग तरह के अनुमान लगाता है. ऐसे में हमारी ओर से जानिए साल 2023 में क्या हो सकता है. सबसे पहले दिमित्री मेदवेदेव ने तेल की कीमतों को लेकर बात की है जिसको लेकर वर्तमान में रूस और पश्चिमी देशों में तनाव पैदा हो गया है. दिमित्री मेदवेदेव ने कहा सन 2023 में तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं. गैस की कीमत पांच डॉलर प्रति एक क्यूबिक मीटर्स हो सकती है.

रूसी फेडरेशन की सिक्योरिटी काउंसिल में डिप्टी चेयरमैन दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि ब्रिटेन एक बार फिर यूरोपिय संघ का हिस्सा बन सकता है. दिमित्री ने कहा कि ब्रिटेन के शामिल होते ही यूरोपीय संघ गिर जाएगा. यूरोपीय संघ की करेंसी यूरो भी इस्तेमाल से बाहर हो जाएगी.

दिमित्री मेदवेदेव ने साल 2023 को लेकर अगला अनुमान बताया कि जो पहले यूक्रेन का पश्चिमी क्षेत्र थे उन पर पोलैंड और हंगरी कब्जा कर लेंगे. दिमित्री ने कहा साल 2023 में उत्तरी आयरलैंड ब्रिटेन से अलग हो जाएगा और रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड में शामिल हो जाएगा.

दिमित्री मेदवेदेव ने आगे कहा कि अमेरिका के कैलिफोर्निया में गृह युद्ध छिड़ जाएगा. इसके नतीजे में टेक्सास एक स्वतंत्र राज्य बन जाएगा. बाद में टेक्सास और मेक्सिको मिलकर एक राज्य बन जाएगा. जब अमेरिका में गृह युद्ध शांत होगा तब एलन मस्क अधिकतर राज्यों में अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीत जाएंगे. वहीं दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि नाजी साम्राज्य का एक बार फिर उदय होगा जिसमें जर्मनी पोलैंड बाल्टिक स्टेट्स चेक स्लोवाकिया कीव रिपब्लिक और अन्य शामिल होंगे. जिसके बाद इनका फ्रांस से युद्ध होगा. साथ ही यूरोप बंट जाएगा और पोलैंड का एक बार फिर विभाजन होगा.

दिमित्री मेदवेदेव ने आगे कहा कि सभी बड़ी स्टॉक मार्केट्स और वित्तीय गतिविधियां यूरोप और अमेरिका को छोड़कर एशिया की ओर बढ़ जाएंगी. अमेरिकी संगठन ब्रेटन वुड्स गिर जाएगा जिसकी वजह से आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक क्रैश हो जाएंगे. यूरो और डॉलर का चलन ग्लोबल रिजर्व के तौर पर रुक जाएगा इसकी जगह डिजिटल वैध करेंसी का इस्तेमाल शुरू हो जाएगा.

पीएम मोदी की बैठक में शामिल नहीं होंगे नीतीश कुमार

एक महीने में दूसरी बार केंद्र के कार्यक्रम से बनाई दूरी

30 दिसंबर को होने वाली बैठक में सीएम नीतीश की जगह भाग लेंगे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 30 दिसंबर को राष्ट्रीय गंगा परिषद की एक बैठक होने वाली है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। वह अपने स्थान पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बिहार का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रधानमंत्री की बैठक में भेजेंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमित शाह की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे सीएम नीतीश कुमार। यह एक महीने में दूसरी बार है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र द्वारा बुलाई गई किसी महत्वपूर्ण बैठक से दूरी बनाई है। इससे पहले 17 दिसंबर को कोलकाता में केंद्रीय मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में ईस्टर्न जोनल काउंसिल की बैठक हुई थी। नीतीश कुमार इस बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे और तब भी तेजस्वी यादव मीटिंग में शामिल हुए थे।

केंद्र द्वारा बुलाई गई बैठकों से नीतीश कुमार ने दूरी बनाई है इस पर राजद के राज्य प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई बैठक गंगा पर है और तेजस्वी शहरी विकास विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं। नमामि गंगे परियोजना इसके तहत आती है। इस दृष्टि से उनकी उपस्थिति ज्यादा महत्वपूर्ण है। साथ ही सीएम नीतीश कुमार को तेजस्वी जी पर भरोसा है और जानते हैं कि तेजस्वी जी बिहार का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम हैं।

उल्लेखनीय है कि सीएम नीतीश कुमार ने इस महीने की शुरूआत में ही तेजस्वी को कमान सौंपने का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि राजद नेता अगले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का नेतृत्व करेंगे। एक राजद नेता ने कहा नीतीश जी ही हैं जो सभी विपक्षी नेताओं को पीएम मोदी के खिलाफ एक मंच पर ला रहे हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि वह पीएम से दूरी बनाए रखेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के गंगा परिषद की बैठक में भाग लेने की संभावना है।

यूक्रेन के नागरिक ने गेस्ट हाउस में लगाई फांसी कहता था-काशी में मरेंगे तो मोक्ष मिलेगा

वाराणसी। उप्र की धार्मिक राजधानी कहे जाने वाले वाराणसी के भेलूपुर थानाक्षेत्र के नारदघाट स्थित मुन्ना गेस्ट में विदेशी नागरिक (यूक्रेन निवासी) कोस्टी एंटिन (50) ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जानकारी यूक्रेन दूतावास को भी दी गई है। पुलिस के मुताबिक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। टूरिस्ट वीजा और यूक्रेन की नागरिकता का प्रमाण पत्र भी मिला है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक यूक्रेन के कोस्टी एंटिन बीती 29 नवंबर से ही काशी में थे। वह मुन्ना गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 15 में ठहरे थे। पुलिस के मुताबिक टूरिस्ट वीजा की वैधता एक जनवरी 2023 तक थी। काशी में उन्हें कृपा नाम से जाना जाता था। आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। दूसरी तरफ गेस्ट हाउस संचालक का कहना है कि सोमवार को सुबह बहुत देर तक एंटिन के कमरे का दरवाजा नहीं खुला। अंदर से आवाज भी नहीं आई। लिहाजा धक्का देकर दरवाजा खोला गया। कमरे के अंदर जाने से पता चला कि विदेशी नागरिक का शव पंखे के सहारे फंदे से लटका है।

इसके बाद मामले की जानकारी भेलूपुर पुलिस को दी गई। पुलिस की मौजूदगी व वीडियोग्राफी के बीच एंटिन का शव नीचे उतारा गया। जरूरी औपचारिकता के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया है। गेस्ट हाउस के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि एंटिन बिंदास तरीके से रहते थे। कहते थे कि काशी में मरेंगे तो मोक्ष मिलेगा। हालांकि वीजा खत्म होने से पहले वह बिहार के सासाराम जाना चाहते थे। पुलिस के मुताबिक एंटिन यूक्रेन के युद्धग्रस्त इलाके का रहने वाला था। काशी आने के बाद से ही युद्ध को लेकर चिंता जताता था। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। यूक्रेन के जिस नागरिक ने जान दी है वह गेस्ट हाउस में साधु के वेश में रहता था।

पुतिन ने चल दिए मास्टर स्ट्रोक, भारत के लिए होगा बड़े फायदे का सौदा

मास्को। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों के साथ चल रहे तनाव के बीच रूस और ईरान ने एक मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। इन दोनों देशों ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की काट के लिए 25 अरब डॉलर की लागत से 3000 किमी लंबे रास्ते का खाका तैयार किया है। यह रास्ता रूस के कारोबारी केंद्र सेंट पीटर्सबर्ग को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई को जोड़ेगा। यह जमीनी और समुद्री रास्ता सेंट पीटर्सबर्ग से मास्को वोलगोग्रैड अस्त्रखान से कैस्पियन सी के रास्ते ईरान पहुंचेगा। इसके बाद ईरान की राजधानी तेहरान और भारत के बनाए चाबहार पोर्ट से होकर सामान मुंबई बंदरगाह तक पहुंचेगा।

इस रास्ते के नहीं होने पर अब तक भारत का सफर तय करने के लिए रूसी सामानों को 14 हजार किमी का सफर तय करना होता था और 40 दिन का समय लगता था। यह पूरा प्रॉजेक्ट रूस और ईरान के लिए बेहद अहम है जो पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की मार झेल रहे हैं। इसकारण ईरान भी चाबहार पोर्ट से लेकर तेहरान तक अपने रेल मार्ग का विस्तार कर रहा है। वहीं रूस चर्चित वोल्गा नदी को अजोव के समुद्र से जोड़ने के लिए 1 अरब डॉलर खर्च कर रहा है। इसके लिए नहरों को चौड़ा किया जा रहा है जिससे अब सालभर मालवाहक जहाज आ जा सकते हैं।

उधर भारत ईरान में चाबहार पोर्ट के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। इस अरबों डॉलर के निवेश के बीच कुछ रूसी और ईरानी जहाज अभी ही इस रास्ते का इस्तेमाल करने लगे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि किस तरह से अलग-अलग ब्लॉक के महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्द्धा से तेजी से व्यापारिक नेटवर्क अलग आकार ले रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस और ईरान मिलकर एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। इस पूरे रास्ते को बनाने का मकसद पश्चिमी हस्तक्षेप से व्यवसायिक संपर्कों की सुरक्षा करना है।

साथ ही एशिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था भारत के साथ रिश्ते मजबूत करना है। इस रास्ते के खुलने से अमेरिकी प्रतिबंधों का कोई असर नहीं रह जाएगा। यही वजह है कि पुतिन ने सी ऑफ अजोव को रूस का घरेलू समुद्र करार दिया था। इस तरह से यह रास्ता नदी समुद्र और रेलमार्ग के जरिए आपस में जुड़ा रहेगा। पुतिन ने भी इस कॉरिडोर की जमकर प्रशंसा की है। रूस इसके जरिए न केवल ईरान और भारत बल्कि अफ्रीकी बाजारों तक पहुंचना चाहता है जो अभी तक यूरोपीय देशों पर निर्भर था।

बताया जा रहा हैं कि 25 अरब डॉलर की लागत से बन रहे इस रास्?ते की मदद से उन सामानों को भेजा जा सकेगा जिसे पश्चिमी देश रोकते हैं। इसमें हथियारों की सप्?लाई भी शामिल है। इससे अब भारत को बड़ा फायदा होने जा रहा है। पिछले दिनों इस रास्?ते से पहली बार माल रूस से मुंबई पहुंच भी गया था। बताया जा रहा है कि 12 मिलियन टन से ज्?यादा व्?यापार होने की संभावना है। भारत को बहुत जल्?दी ही सामान रूस से सामान मिल जा रहा है। इस रास्?ते की मदद से चीन को भी सामान भेजने की तैयारी है। इस रास्?ते के बनने से अब 20 से 25 दिन में भारत सामान पहुंच सकते हैं जो अभी 40 से 45 दिन में पहुंचते हैं।

चीन ने जीरो कोविड पॉलिसी रदद की क्वारंटाइन नियम खत्म किया

बीजिंग। तीन साल पहले चीन के वुहान शहर में नई और घातक संक्रामक बीमारी कोरोना ने पूरी दुनिया में ऐसा कोहराम मचाया था जिससे आज भी कई देश उबरने का प्रयास कर रहे हैं। कोरोना महामारी ने न सिर्फ करोड़ों जिंदगियां लील ली बल्कि दुनियाभर की मजबूत अर्थव्यवस्थाओं को भी अर्श से फर्श पर ला दिया। दुनिया की महाशक्ति अमेरिका और रूस ब्रिटेन जैसे समृद्ध देशों की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में भूकंप आ गया था। इन देशों में रोजाना लाखों की संख्या में लोग मर रहे थे। भारत में भी कोरोना की ताबड़तोड़ लहरें लोगों के लिए काल बन गई। चीन में फिर कोरोना की सुनामी चल रही है। इससे निपटने के बजाय वह इसतरह के कदम उठा रहा है जो दुनिया के लिए बहुत बुरा साबित हो सकती है। चीन ने पहले जीरो कोविड पॉलिसी को अचानक से रद्द कर महामारी को खुला निमंत्रण दिया। फिर कोरोना को नॉर्मल फ्लू कहकर अपने लोगों को पारंपरिक और जानलेवा दवाओं के सहारे ठीक करने की सलाह दी और अब क्वारंटाइन नियम खत्म करने की घोषणा कर दी है। शी जिनपिंग सरकार का कहना है कि उसके लोग धीरे-धीरे कोविड के साथ जीना शुरू कर रहे हैं क्योंकि 2019 में वुहान शहर से शुरू हुई इस महामारी ने चीन में एक बार फिर प्रचंड और जानलेवा रूप धारण कर लिया है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने घोषणा की कि विदेश से आने वाले यात्रियों को अब क्वारंटाइन से नहीं गुजरना होगा। नए नियम 8 जनवरी से लागू होने वाले हैं।

चीन में जिस तेजी से कोरोना फैल रही है रोजाना लाखों की संख्या में लोग संक्रमित और मर रहे हैं। उस स्थिति को जानकर भी चीन सरकार ने विदेश से आने वाले लोगों के लिए क्वारंटाइन के नियमों को हटाने का फैसला लिया है। वर्तमान में चीन आने वाले यात्रियों को होटल में पांच दिनों के लिए क्वारंटाइन रहना जरूरी है। इसके बाद तीन दिनों के लिए घर पर रहना। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व वाला प्रशासन जो अब समाप्त हो चुकी शून्य-कोविड नीति पर निर्भर था उसने संक्रमण के प्रसार को रोकने के बजाय बाकी दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय आगमन पर कोई कोविड परीक्षण नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल बुखार या अन्य फ्लू जैसे लक्षणों वाले यात्रियों को हवाईअड्डों पर एंटीजन टेस्ट देना होगा।

चीन में रोजाना आ रहे 3 करोड़ से ज्यादा कोरोना केस 8 जनवरी से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए खत्म होगा पृथक-वास

बीजिंग। भीषण कोरोना संकट से जूझ रहे चीन में स्थितियां अब भी विस्फोटक बनी हुई है. विभिन्न स्त्रोतों से आ रही जानकारी के अनुसार चीन में रोजाना तीन करोड़ से ज्यादा कोरोना केस आ रहे हैं। इम्युनिटी कमजोर होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है। एक ओर जब चीनियों पर कोरोना का कहर बरस रहा है दूसरी ओर चीन सरकार अपनी मनमानी करती दिखाई दे रही रही हैं। चीन ने भीषण कोरोना संकट के बीच अगले साल में आठ जनवरी से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए ह्यपृथक-वास खत्म करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही चीन अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को फिर से खोल देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अलग-थलग रहने के करीब तीन वर्षों बाद वह इस स्थिति से बाहर निकलने का प्रयास करेगा। ये घोषणाएं ऐसे समय में की गई हैं जब चीन ओमीक्रॉन बीएफ.7 वैरिएंट से जूझ रहा है। इसके पहले राष्ट्रपति शी जिनपिमंग इस माह की शुरूआत में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद अपनी सख्त कोविड नीति में छूट दे दी थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को कहा कि चीन अगले साल आठ जनवरी से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए पृथकवास की अनिवार्यता को खत्म कर देगा। चीन धीरे-धीरे कोविड के साथ जीना शुरू कर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने घोषणा की है कि विदेश से आने वाले यात्री को अब क्वारंटाइन से नहीं गुजरना होगा। नया नियम 8 जनवरी से लागू होगा।

ग्रामीण इलाकों के शहरों में स्थिति विस्फोटक

वर्तमान में आने वाले यात्रियों को एक होटल में पांच दिनों के लिए क्वारंटीन रहना होता है इसके बाद तीन दिनों के लिए घर पर रहना होता है। संगरोध नियम को समाप्त करने को चीन द्वारा एक प्रमुख यू-टर्न के रूप में देखा जा रहा है। पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले प्रशासन ने चीन में कड़ा लॉकडाउन लगा रखा था। शून्य-कोविड नीति के कारण प्रशासन ने कई कड़े प्रतिबंध भी लगा रखे थे। लंबे समय से चीनी जनता लॉकडाउन में जी रही थी जिसका देश के अंदर विरोध चल रहा था। नवीनतम कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं जब ग्रामीण चीनी शहरों में संक्रमण विस्फोटक बना हुआ है। हर रोज बहुत बड़ी संख्या में लोग कोरोना से पीड़िति हो रहे हैं श्मशान घाटों में लाइनें लगी हुई हैं।

सामूहिक परीक्षण नियम खत्म करने के बढ़े कोरोना केस

चीन ने दैनिक कोविड गणना की सूचना देना बंद कर दिया है लेकिन जब से उसने अनिवार्य सामूहिक परीक्षण नियमों को समाप्त कर दिया है तब से कोरोना संक्रमण के केस अविश्वसनीय ढ़ंग से बढ़ने लगे हैं।

चीन के स्वास्थ्य आयोग ने कहा है कि कुछ विदेशियों के लिए देश में प्रवेश करना आसान बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई है हालांकि इसमें पर्यटकों को शामिल नहीं किया गया। इसने संकेत दिया कि चीनी नागरिकों को धीरे-धीरे फिर से पर्यटन के लिए विदेश यात्रा की अनुमति दी जाएगी जो कई देशों में होटलों और संबंधित व्यवसायों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

बीजिंग में वितरित की जा रही फाइजर की दवा

एक अन्य बड़े घटनाक्रम में चीन ने आने वाले दिनों में राजधानी बीजिंग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में फाइजर की कोविड दवा पैक्स्लोविड वितरित करने का फैसला किया है। बीजिंग और शंघाई दो प्रमुख शहर हैं जो संक्रमण में भारी वृद्धि से जूझ रहे हैं जिससे फार्मेसियों में दवाओं की कमी हो गई है। पैक्सलोविड कोविड के इलाज के लिए एकमात्र विदेशी दवा है जिसे चीन के नियामक द्वारा राष्ट्रव्यापी उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया है लेकिन पहुंच सीमित है।

मकसद है कि 30 जनवरी के पहले यात्रा कर श्रीनगर में तिरंगा फहराएं - जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि राहुल गाँधी की यात्रा नफरत छोड़ो भारत जोड़ो का संदेश दे रही है एक मकसद है कि 30 जनवरी के पहले यात्रा कर श्रीनगर में तिरंगा फहराएं। उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा कि कई बाधाएं आई हैं खासकर बीजेपी शासित प्रदेशों में उसके बावजूद हमने 108 दिन में 3200 किमी की यात्रा पूरी की है। ये कांग्रेस राहुल गांधी और देश वासियों के लिए बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि बीजेपी से मुकाबला करने के लिए मोटी चमड़ी की जरूरत पड़ती है और राहुल गांधी के पास मोटी चमड़ी है तभी सर्दियों में भी वो टी-शर्ट पहन सकते हैं। राहुल गांधी के टी-शर्ट पर नहीं यात्रा पर बात होनी चाहिए। टी-शर्ट पहनें या कुछ भी पहनें इससे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने सही कहा है कि क्या ये सवाल आप किसानों और गरीबों से पूछते हैं क्यों बार-बार आप राहुल से पूछते हैं। जयराम रमेश ने कहा कि और राज्यों में भी यात्रा होगी। अभी 850 किमी की यात्रा असम में पूरी की। कल पश्चिम बंगाल में कलकत्ता से सिलिगुड़ी तक 800 किमी की यात्रा निकाली जाएगी। 5 जनवरी को बिहार में यात्रा निकाली जाएगी यूपी में भी यात्रा होगी। इस पर अभी सोच विचार हो रहा है अलग-अलग राज्यों में यात्रा हो रही है। ओडिशा में हो गई है त्रिपुरा में भी होगी। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भारत जोड़ो का संदेश है कि नफरत छोड़ो। यही अटल जी थे जिन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को याद दिलाया था कि राजधर्म पूरा करो हालांकि उन्होंने ऐसे नहीं किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने 1962 में नेहरू जी को खत लिखा था अक्टूबर में पार्लियामेंट बुलाने की मांग की और नेहरू जी ने पार्लियामेंट बुलाई। चीन का जब हमला हुआ उस वक्त पार्लियामेंट चल रहा था। लोकसभा और राज्यसभा में बहस हो रही थी। अब देख लीजिए क्या हालत है? लद्दाख और अरुणाचल में क्या हो रहा है? और पार्लियामेंट में बहस होने ही नहीं दे रहे हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में हुई जबरदस्त खरीदारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद मुम्बई शेयर बाजार बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक 361.01 अंक करीब 0.60 फीसदी ऊपर आकर 60927.43 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) सूचकांक 121.75 अंक तकरीबन 0.68 फीसदी बढ़कर 18136.35 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान उपभोक्ता क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्र बढ़त के साथ बंद हुए। धातु उर्जा और संपत्ति क्षेत्र के शेयरों में ज्यादा बढ़त रही। बाजार में आये उछाल से निवेशकों की संपत्ति तकरीबन 2.63 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है।

आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। टाटा स्टील टाटा मोटर्स एशियन पेंट्स विप्रो और लर्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के शेयरों में आज 1.62 फीसदी से लेकर 6.10 फीसदी तक की तेजी रही। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयर में 0.83 फीसदी की सबसे अधिक गिरावट आई। इसके अलावा नेस्ले इंडिया आईटीसी आईसीआईसीआई महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयर भी आज 0.21 फीसदी से लेकर 0.51 फीसदी तक गिरे।

वहीं बाजार पूंजीकरण बढ़कर 280.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी दिन सोमवार को यह 277.86 लाख करोड़ रुपये था। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक?स सुबह 295 अंकों की तेजी के साथ 60861 के स्तर पर खुला जबकि निफ्टी 75 अंक चढ़कर 18090 के स?तर पर खुला। इसके बाद निवेशकों के सेंटिमेंट पर कोरोना का दबाव दिखा और उन?होंने खरीदारी कम कर दी। इससे सेंसेक?स 225 अंकों की बढ़त के साथ 60791 पर आ गया जबकि निफ्टी 42 अंकों की तेजी के साथ 18056 पर कारोबार करने लगा।

आंध्र प्रदेश में भी जियो की ट्रू 5जी सेवा शुरू

मुंबई। जियो ने आंध्र प्रदेश में भी जियो ट्रू 5जी सेवा की शुरुआत कर दी है। प्रदेश के तिरुमला विशाखापत्तनम विजयवाड़ा और गुंटूर जियो के 5जी नेटवर्क से जुड़ गए हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में लॉ?चिंग कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के उद्योग इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश एवं वाणिज्य सूचना प्रौद्योगिकी हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री गुडीवाडा अमरनाथ और राज्य के मुख्य सचिव डॉ. केएस जवाहर रेड्डी ने जियो ट्रू 5जी और जियो ट्रू 5जी से चलने वाली वाई-फाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर कंपनी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में जियो कम्युनिटी क्लिनिक एआर-वीआर डिवाइस और जियो-ग्लास का डेमो भी दिया। साथ ही बताया कि कैसे इन नई क्रांतिकारी तकनीकों के जरिए आंध्र प्रदेश के लोगों के जीवन में बदलाव आएगा। वहीं अमरनाथ ने कहा ?कि आंध्र प्रदेश में जियो की ट्रू 5जी सेवा लॉन्च करके मैं बेहद खुश हूं। वक्त के साथ 5जी सेवाएं आंध्र प्रदेश के आम लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि जियो ने 26000 करोड़ रुपए के मौजूदा निवेश के अलावा आंध्र प्रदेश में 5जी नेटवर्क लगाने के लिए 6500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। यह निवेश हमारे राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। दिसंबर 2023 तक जियो ट्रू 5जी सेवाएं आंध्र प्रदेश के हर शहर हर तालुका हर मंडलम और हर गांव में उपलब्ध कराई जाएंगी।

वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर अगले साल काफी कमजोर रहेगीः चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा है कि भारत अगले साल तेजी से आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर अगले साल काफी कमजोर रहेगी। महामारी और वैश्विक वित्तीय संकट के अलावा अगला साल आर्थिक दृष्टि से इस सदी की शुरुआत से अब तक का तीसरा सबसे खराब साल हो सकता है। चंद्रशेखरन ने टाटा समूह के कर्मचारियों को नये साल के संदेश में यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा ?कि खपत में वृद्धि उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ने और निवेश में तेजी से भारत की वृद्धि को समर्थन मिलेगा। हालांकि वैश्विक परिवेश के स्तर पर कई जोखिम है। इसमें यूरोप में ऊर्जा संकट मंदी को रोकने के लिए महंगाई को काबू में लाने का संघर्ष तथा वैश्विक स्तर पर जारी तनाव शामिल है। उन्होंने अपने संदेश में लिखा है कि महामारी के बाद भारत में चीजें बेहतर हुई हैं और पिछले एक साल में हमारा दैनिक जीवन सामान्य रास्ते पर लौट आया है।

हमारी कई कंपनियों के लिए कारोबारी गति मजबूत बनी हुई है। अगले साल महंगाई के धीरे-धीरे नरम पड़ने की उम्मीद है। भारत बेहतर स्थिति में है और खपत और निवेश में तेजी तथा ग्राहकों के बीच भरोसा बढ़ने से तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि मंद पड़ती वैश्विक आर्थिक वृद्धि का दबाव उत्पादन पर पड़ सकता है लेकिन वैश्विक विनिर्माण में हमारी बढ़ती हिस्सेदारी कुछ राहत प्रदान कर सकती है।

डेटा संरक्षण विधेयक के तहत सरकार को उल्लेखनीय नियंत्रण से निवेश पर पड़ेगा असरः आईटीआई

नई दिल्ली। प्रस्तावित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक-2022 के तहत सरकार को महत्वपूर्ण नियंत्रण और छूट से कंपनियों के लिए भारत में डेटा केंद्रों और डेटा प्रसंस्करण गतिविधियों में निवेश करने में मु?श्किल का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक प्रौद्योगिकी उद्योग के निकाय आईटीआई ने यह आशंका जताई है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) विधेयक-2022 का मसौदा तैयार किया है और दो जनवरी तक इस पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। आईटीआई ने कहा है कि यह विधेयक भारत सरकार की कार्यकारी शाखा को महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रदान करता है। इसमें सरकार के लिए कई तरह की छूट हैं जो कंपनियों के लिए भारत में डेटा केंद्रों और डेटा प्रसंस्करण गतिविधियों में निवेश को क?ठिन बना सकती हैं। आईटीआई वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों गूगल माइक्रोसॉफ्ट मेटा ट्विटर और एप्पल का प्रतिनिधित्व करती है। डीपीडीपी के मसौदे में सरकार द्वारा अधिसूचित डेटा न्यासियों को कई अनुपालन बोझ से छूट दी गई है।

इसमें डेटा संग्रह के उद्देश्य के बारे में किसी व्यक्ति को सूचित करने से संबंधित प्रावधान बच्चों के डेटा का संग्रह सार्वजनिक व्यवस्था के आसपास जोखिम मूल्यांकन डेटा ऑडिटर की नियुक्ति आदि शामिल है। हालांकि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि सरकार के लिए छूट केवल सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखना आपात स्थिति महामारी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों जैसी विशेष परिस्थितियों में ही होगी। हालांकि उद्योग निकाय ने डेटा को देश के बाहर भंडारित करने की अनुमति जैसे मुद्दों पर विधेयक का समर्थन किया है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपये में गिराट दर्ज की गयी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले मंगलवार को रुपया 20 पैसे टूटकर 82.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.71 के स्तर पर कमजोर खुला और कारोबार के अंत में यह 20 पैसे की गिरावट दिखाते 82.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.69 के उच्चस्तर और 82.87 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं गत दिवस रुपया 82.65 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

वहीं इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी या मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी नीचे आकर 104.02 पहुंच गया।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से मंगलवार को शुरूआती कारोबार में रुपया नौ पैसे के नुकसान से 82.74 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी कोषों की निकासी से भी घरेलू मुद्रा दबाव में आ गई।

टेलीकॉम कंपनियां रेलवे की जमीन पर लगा सकती हैं टावर

मुंबई। मोदी सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को बड़ी राहत देकर रेलवे को सेवाएं प्रदान करने का रास्ता साफ कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने निजी कंपनियों के लिए अपनी दूरसंचार सेवाओं का दरवाजा खोलकर उन्हें रेलवे की जमीन पर दूरसंचार टावर स्थापित करने की भी अनुमति दे दी है। अब तक यह अधिकार रेलवे की दूरसंचार इकाई- रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के पास ही था।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए रेलवे भूमि के लाइसेंस शुल्क (एलएलएफ) मानदंडों में ढील देने के कुछ माह बाद यह पहल की गई है। नई एलएलएफ नीति के अनुसार मोबाइल टावरों के लिए 7 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी की मौजूदा दरें खत्म कर दी गई हैं। इसके बजाय अब भूमि के बाजार मूल्य का 1.5 फीसदी वार्षिक भूमि उपयोग शुल्क लागू किया जाएगा। यह पहल देश में 5जी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए की गई है। रेलवे के क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि अनुमति देते समय रेलवे की भविष्य की नेटवर्क जरूरतों पर प्रमुखता से गौर किया जाए।

मामले से जुड़े रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से रेलवे में बड़ी निजी भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा अभी तक हमारी दूरसंचार जरूरतें केवल रेलटेल के लिए खुली थीं। अब हमारी निविदाएं उन निजी कंपनियों के लिए भी खुलेंगी जो दूरसंचार टावर स्थापित करती हैं। चूंकि वे उन टावरों का उपयोग वाणिज्यिक तौर पर भी करेंगी इसलिए रेलवे प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के तहत उस बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल करेगा।

अजय सिंह दोबारा बनेंगे स्पाइसजेट के निदेशक

नई दिल्ली। ?किफायती विमानन सेवा प्रदाता स्पाइसजेट के शेयरधारकों ने अजय सिंह को फिर से निदेशक बनाए जाने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी। एयरलाइन की सालाना आमसभा में शेयरधारकों ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अंकेक्षित वित्तीय विवरणों को स्वीकार किए जाने की भी मंजूरी दे दी। स्पाइसजेट ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि शेयरधारकों ने अजय सिंह को फिर से एयरलाइन का निदेशक बनाने के प्रस्ताव को बहुमत से मंजूरी दी। वह अभी एयरलाइन के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं। उन्हें पहली बार नवंबर 2004 में स्पाइसजेट का निदेशक नियुक्त किया गया था। उन्होंने अगस्त 2010 में निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। फिर मई 2015 में उन्हें कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था।

पांच साल में पांच गुना ढाई साल में 10 गुना रिटर्न!

मुंबई। पिछले कुछ सालों में शेयर बाजार में कई कंपनियों के स्टॉक ने निवेशकों की जोरदार कमाई कराई है। इनमें छोटी कंपनियों के कम कीमत वाले शेयर ने रिटर्न के मामले में बड़ी कंपनियों को पछाड़ दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक है उषा मार्टिन लिमिटेड स्पेशियलिटी स्टील बनाने वाली कंपनी उषा मार्टिन लिमिटेड का शेयर मल्टीबैगर साबित हुआ है। लगभग 3 साल में इस शेयर ने निवेशकों का पैसा 10 गुना से ज्यादा बढ़ा दिया है। उषा मार्टिन का शेयर 19 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया। एनएसई पर स्टॉक 171.50 के भाव पर बंद हुआ। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर यह शेयर 169 के स्तर पर बंद हुआ। मई 2020 में उषा मार्टिन के एक शेयर की कीमत 13.35 रुपए थी लेकिन अब शेयर 170 रुपए के ऊपर कारोबार कर रहा है। यानी लगभग ढाई साल में ही निवेशकों का पैसा लगभग 10 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। पिछले हफ्ते बाजार में भारी गिरावट के बावजूद उषा मार्टिन के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा चढ़े और सोमवार को इसमें 19 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। वहीं इस शेयर ने पिछले 22 सालों में निवेशकों को 1295.93 फीसदी रिटर्न दिया है जबकि बीते 5 सालों में 481 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया है। साल 2022 में भी इस शेयर ने निवेशकों की झोली भरी है। इस साल अब तक यह शेयर लगभग 53 फीसदी मजबूत हुआ है। एक खबर के अनुसार ?विशेषज्ञ की मानें तो अगले 3-6 महीनों में स्टॉक में 149-162 रुपए तक की तेजी देखने को मिल सकती है।

ब्रेंट क्रूड 84 डॉलर बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा यूपी में सस्ता

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान क्रूड के भाव में करीब एक डॉलर का उछाल आया है और ब्रेंट क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। इस बीच मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे महानगरों में भी तेल के भाव में बदलाव नहीं आया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 64 पैसे महंगा होकर 108.12 रुपए लीटर हो गया है जबकि डीजल 60 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर पहुंच गया है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) जिले में पेट्रोल 34 पैसे सस्ता हुआ और 96.58 रुपए लीटर पहुंच गया है। जबकि डीजल 33 पैसे सस्ता होकर 89.75 रुपये लीटर बिक रहा है।

कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे के दौरान इसकी कीमतों में फिर से तेजी दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब एक डॉलर चढ़कर 83.92 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव एक डॉलर की बढ़त के साथ 80.52 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है।

ऑटो एक्सपो 2023 में टोयोटा अपने कई एडवांस गाड़ियों को शो-केस करेगी

मुंबई। अगले माह ऑटो एक्सपो 2023 में टोयोटा अपने कई एडवांस गाड़ियों को शो-केस करेगा है। जहां कंपनी इलेक्ट्रिक कार हाइब्रिड कार और शानदार एसयूवी को प्रदर्शित कर सकती है।

ऑटो एक्सपो 2023 में अपनी मौजूदी की पुष्टि करते कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टोयोटा में हम इसतरह के मॉडल लाने की दिशा में काम कर रहे हैं जो पर्यावरण के अनुकूल और ग्राहकों की प्रतिक्रिया पर आधारित हैं।

दो मिलियन से अधिक खुश ग्राहकों के साथ भारत में हमारा ध्यान एडवांस तकनीक से लैस गाड़ियों को पेश करना है जो सुरक्षा के लिहाज से बहतरीन हो। कार्बन न्यूट्रैलिटी को प्राप्त करना हमारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है और कार्बन के खिलाफ लड़ाई के लिए कई टेक्नोलॉजी पाथवे की जरूरत है इस पूरा करने के लिए हम अपनी अपकमिंग गाड़ियों को पेश करने वाले हैं।

तकनीक के क्षेत्र में टोयोटा सेल्फ चार्ज होने वाले मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन प्लग-इन हाइब्रिड वाहन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वाहन फ्लेक्सी फ्यूल हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शित करेगी। कयास लगाया जा रहा है कि टोयोटा ऑटो एक्सपो 2023 में अर्बन क्रूजर हाइराइडर और इनोवा हाईक्रॉस एमपीवी के संशोधित संस्करण प्रदर्शित करेगी। टोयोटा भारतीय ऑटो एक्सपो के 16वें संस्करण में नई इनोवा हाइक्रॉस की कीमतों की घोषणा भी कर सकती है।

सोना फिर 55 हजार चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली। भारतीय वायदा बाजार और वैश्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमत में तेजी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.07 फीसदी तेजी पर है। चांदी का भाव भी आज हरे निशान में कारोबार कर रहा है और यह 0.28 फीसदी की तेजी के साथ 69000 रुपए ऊपर कारोबार कर रही है। पिछले कारोबारी सत्र सोमवार को एमसीएक्स पर सोना 0.20 फीसदी तेजी के साथ और चांदी 0.07 फीसदी तेजी के साथ बंद हुई थी। मंगलवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह कल के बंद भाव से 40 रुपए बढ़कर 54717 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह सोने का भाव 54764 रुपए पर खुला था। कल सोने का भाव एमसीएक?स पर 109 रुपए की तेजी के साथ 54683 रुपए पर बंद हुआ था। मल?टी कमोडिटी एक?सचेंज पर आज चांदी में तेजी आई है। चांदी 190 रुपए उछलकर 69265 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है।

चांदी की कीमत 69279 रुपए पर खुली। भाव एक बार 69380 रुपए तक चला गया। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर चांदी का भाव 46 रुपए चढ़कर 69079 पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने और चांदी आज हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

सोने का हाजिर भाव 0.34 फीसदी बढ़कर 1804.75 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव 0.61 फीसदी उछलकर 23.89 डॉलर प्रति औंस रहा है। भारतीय सराफा बाजार में पिछले सप?ताह सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई थी। पिछले कारोबारी सप्ताह की शुरूआत में 24 कैरेट सोने का भाव 54248 रुपए था जो पिछले शुक्रवार तक बढ़कर 54366 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत पिछले सप्ताह की शुरूआत में 66898 रुपए थी जो शुक्रवार तक 67822 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई।

जेट एयरवेज के दो वरिष्ठ अधिकारियों पायलट चालक दल के सदस्यों ने दिया इस्तीफा

मुंबई। जेट एयरवेज के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के माहौल के बीच एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारियों कुछ पायलट एवं चालक दल के सदस्यों ने अपना इस्तीफा कंपनी को सौंप दिया है।

सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन के इंजीनियरिंग एवं मानव संसाधन विभाग के उपाध्यक्षों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इनके अलावा कुछ पायलट और चालक दल के कुछ सदस्यों ने भी जेट एयरवेज का साथ छोड़ दिया है। फिलहाल परिचालन के ठप होने की स्थिति से गुजर रही एयरलाइन के मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के बारे में तात्कालिक तौर पर पता नहीं की जा सकी। जालान-कालरॉक गठजोड़ जून 2021 में जेट एयरवेज के लिए दिवालिया समाधान प्रक्रिया में विजेता बोलीकर्ता बनकर उभरा था। इसके बाद एयरलाइन को नए सिरे से खड़ा करने के लिए तमाम दावे किए गए लेकिन अभी तक यह दोबारा परिचालन शुरू नहीं कर पाई है। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सभी हितधारकों एवं ग्राहकों के लिए पुनर्जीवित जेट एयरवेज में व्यापक संभावनाएं हैं। हालांकि एयरलाइन के प्रवक्ता ने इस प्रकरण पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया।

सेबी ने सीएफएएस और उसके भागीदारों पर तीन साल के लिए पाबंदी लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कैप्रॉयन फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज (सीएफएएस) और उसके भागीदारों को प्रतिभूति बाजारों से तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यह पाबंदी बाजार नियामक की मंजूरी के बिना निवेश परामर्श सेवाएं देने के लिए लगाई गई है। सीएफएएस भागीदार कंपनी है और उसके भागीदार सौरभ राय तथा जसमीत कौर बग्गा हैं। सेबी को सीएफएएस और उसके भागीदारों के खिलाफ स्कोर के जरिये शिकायत मिली थी। उसके बाद नियामक ने इस बात की जांच की कि क्या निवेश सलाहकार नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया गया है। जांच में पाया गया कि सीएफएएस और राय मध्यस्थ के रूप में कभी सेबी के पास पंजीकृत नहीं थे। हालांकि बग्गा रिसर्च इन्फोटेक के मालिक के रूप में पंजीकृत थे। सेबी के अनुसार सीएफएएस राय और बग्गा नियामक के पास बिना पंजीकरण कराये निवेश परामर्श से जुड़े थे। इस तरह उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बढ़ाई एफडी की ब्याज दर

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर दिए जाने वाली ब्याज दर में 65 बेसिस पॉइंट तक का इजाफा कर दिया है! अब बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर 7.8 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। हालांकि ये ब्याज इसकी स्पेशल एफडी बड़ौदा तिरंगा प्लस डिपॉडिट स्कीम पर मिल रहा है। आम एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को इसमें अधिकतम 7.55 फीसदी और नॉन कैलेबल एफडी 0.25 फीसदी अतिरिक्त ब्याज दिया जा रहा है। बैंक की ये स्कीम 399 दिनों की है। बैंक ने आम एफडी पर सभी टेनोर में ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बढ़ी हुई ब्याज दरें 26 दिसंबर से लागू हो गई हैं। बैंक अब 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर आम लोगों को अधिकतम 6.75 फीसदी ब्याज दे रहा है।

इन कंपनियों के आईपीओ में डूबे निवेशकों के 2.5 लाख करोड़ रुपये

मुंबई। कोरोना महामारी के बाद खुदरा निवेशकों का रुझान भी शेयर बाजार की तरफ ज्यादा बढ़ा है और करोड़ों की संख?या में नए डीमैट खाते खुले। इस मौके को भुनाने के लिए तमाम नई कंपनियों ने बाजार में कदम रखे और तामझाम के साथ अपना आईपीओ लांच किया। शेयर बाजार ने भले ही इस दौरान रिकॉर्ड बनाया लेकिन आईपीओ ज्यादा उत्साहजनक साल नहीं रहा। बाजार में आने वाली नई कंपनियों ने एक साल में निवेशकों के करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये डुबा दिए।

सबसे पहले बात करे पेटीएम की जिसने काफी तामझाम के साथ बाजार में कदम रखा और कयास लगाए जा रहे थे कि इस फिनटेक कंपनी के शेयरों को भी पंख लगेगा। लेकिन सालभर पहले लिस्टिंग के दिन कंपनी का मार्केट कैप 101183 करोड़ रुपये था जबकि

पेटीएम और नायका सबसे बड़ी विलेन

फिलहाल कंपनी का पूंजीकरण गिरकर 30934 करोड़ रुपये पर आ गया है। इसमें 69.4 फीसदी यानी 70248 करोड़ की गिरावट आई है।

इसके बाद ब्यूटी प्रोडक्ट बेचने वाली कंपनी नायका का जिसका लिस्टिंग वाले दिन बाजार पूंजीकरण 104318 करोड़ रुपये था। फिलहाल यह 41299 करोड़ पर है और निवेशकों की 60.5 फीसदी यानी 63019 करोड़ की पूंजी डुबो चुका है।

वहीं ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो ने भी 1 लाख करोड़ के आसपास के मार्केट कैप के साथ एक?सचेंज पर कदम रखा था। लिस्टिंग के दिन कंपनी का बाजार पूंजीकरण 98849 करोड़ रुपये था जो फिलहाल 53.6 फीसदी घटकर 45837 करोड़ रुपये पर आ गया है। इस दौरान निवेशकों के 53012 करोड़ रुपये डूब गए।

इसी कड़ी में बीमा एग्रीगेटर कंपनी पॉलिसी बाजार डॉट कॉम ने भी बाजार में 54043 करोड़ की पूंजी के साथ कदम रखा था और अभी तक कंपनी अपने निवेशकों के 34281 करोड़ रुपये डुबा चुकी है। कंपनी के शेयरों में आईपीओ के बाद से अब तक 63.4 फीसदी की गिरावट आई है।वहीं लॉजिस्टिक?स एंड डिलीवरी कंपनी डेल?हीवरी भी एक साल पहले जब बाजार में आई थी तब कंपनी को मार्केट कैप 38559 करोड़ रुपये था। एक साल में इसके शेयरों में 40 फीसदी गिरावट आई और निवेशकों के 15555 करोड़ रुपये डूब गए। फिलहाल कंपनी का मार्केट कैप 23304 करोड़ रुपये है।

साह पॉलीमर्स का आईपीओ शुक्रवार को निवेश के लिए खुलेगा

मुंबई। अगर आप आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तब आपके लिए एक और मौका आ रहा है। पॉलिमर मैन्युफैक्चरर साह पॉलीमर्स का आईपीओ इस सप्ताह शुक्रवार 30 दिसंबर 2022 को निवेश के लिए खुलेगा। इसमें निवेशक 4 जनवरी 2023 तक दांव लगा सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने 61 से 65 का प्राइस बैंड तय किया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली गुरुवार 29 दिसंबर 2022 को खुलेगी। ग्रे मार्केट में इसका भाव सोमवार को 5 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध हैं।

साह पॉलीमर्स का आईपीओ 10200000 इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू होगा जिसमें नो ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) घटक होगा। सत इंडस्ट्रीज जो कि प्रमोटर हैं उनकी इस कंपनी में 91.79 प्रतिशत हिस्सेदारी है। साह पॉलीमर्स का आईपीओ 10200000 इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू होगा जिसमें नो ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा।

जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल कर काफी पैसों की बचत कर सकतेः अग्रवाल

अहमदाबाद। एक रिपोर्ट के अनुसार मौसम में आए बदलाव दिन और रात के तापमान के बीच में भारी अंतर और अधिकांश शहरी इलाकों में धुंध और कोहरे के प्रभाव के कारण सांस की बीमारियों की समस्याएं काफी बढ़ी हैं। जेनरिक दवाओं के प्रमुख मेडकार्ट का अनुमान है कि इस स्थिति में सांस की बीमारियों के मरीज जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल कर अपने मेडिकल बिल पर 83 प्रतिशत तक की बचत कर सकते हैं।

मेडकार्ट के को-फाउंडर अंकुर अग्रवाल ने कहा कि सांस की बीमारियों के इलाज के लिए आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं में बुडेसोनाइडफोरमोटरोल और एसिब्रोफिलिन शामिल हैं चूंकि बदलते मौसम के कारण सांस संबंधी बीमारियों के मामले बढ़े हैं इसके बाद जेनेरिक दवाओं को अपनाना मेडिकल बिलों को कम करने का अच्छा तरीका है। यदि पेशेंट अपने ब्रांडेड दवाओं के बजाय उन मॉलिक्यूल्स के जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल करे तो वे अपने मेडिकल बिलों में 50 प्रतिशत से 83 प्रतिशत के बीच की बचत आसानी से कर पाएंगे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि मेडकार्ट में मानते हैं कि स्वास्थ्य देखभाल के खर्चे में बेहिसाब वृद्धि होने से औसत भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने के तरीके में बदलाव करने की जरूरत है।

ज्ञान विज्ञान का अनूठा संगम लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग

इन्दौर। संस्कार शिक्षा सहित जीवन के महत्वपूर्ण पलों को शुभ फलदाई बनाने सटीक शुभ मुहूर्त तिथियां व नक्षत्रों की सटीक गणना भविष्य का आईना दिखाते राशिफल कुंडली मिलान ग्रह नक्षत्र की दशा यानी पंचांग की बारीक से बारीक खूबी को समेटे लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग वर्ष 2023 में और भी खूबियाँ लेकर आया है। इसमें आयकर विवरणी से जुड़ी अनेक जानकारी के साथ ही राशिफल के अनुसार पूरी दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी एवं सटीक भविष्यवाणी जो सही सिद्ध हुई पंचांग में समाहित की गई है। अपनी इन्हीं खूबियों के चलते जबलपुर से प्रकाशित लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस पंचांग हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ना सिर्फ भारत बल्कि विदेशों में भी भारतीय परिवारों की पहली पसंद बना हुआ है। पंचांग में शासकीय एवं ऐच्छिक अवकाश की एक एक जानकारी दी गई है जिनकी मदद से आप पहले से ही परिवार सहित छुट्टियां प्लान कर सकते हैं। विषय विशेषज्ञों भविष्य वक्ताओं की निगरानी में तैयार किया गया यह पंचांग उपभोक्ताओं की विश्वसनीयता पर लगातार खरा उतरा है।

लाला रामस्वरूप जी.डी. एंड संस के अग्रवाल बंधुओं ने पंचांग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 के लिए यह पंचांग नए कलेवर और आकर्षक प्रिंटिंग के साथ बाजार में आ चुका है। धार्मिक सामाजिक और पारिवारिक रीति-रिवाजों में यह पंचांग परिवार का सदस्य बनकर सामने आया है। भारत व्रत और त्यौहारों का देश है किसी भी व्रत त्यौहारों को मनाने में ऋषि मुनियों के दिशा निर्देश और शास्त्रीय निर्णय का पालन करने पर विशेष रूप से पुण्य लाभ और सफलता मिलती है इसी को ध्यान में रखते हुए पंचांग में व्रत पर्व को सूक्ष्म से बिल्कुल सही रूप से प्रस्तुत किया गया है।

अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1937 से जी.डी. एंड संस पंचांग का अपना प्रकाशन लगातार चल रहा है धीरे-धीरे इस पंचांग ने लाखों घरों में अपना स्थान बना लिया है इस वर्ष प्रकाशित पंचांग में कई नई बातों का समावेश कर इसे और ज्यादा उपयोगी बनाने की कोशिश की गई है। जी.डी. एंड संस पंचांग में त्यौहारों के साथ ही पुष्य नक्षत्र विवाह आदि मुहूर्त राशिफल मुख्य जयंती दिवस शासकीय अवकाश बैंक अवकाश को भी अलग से दिखाया है ज्योतिष गणना में भी जी.डी. एंड संस का पंचांग सबसे शुद्ध माना जाता है।

एसडीएम ने की राजस्व निरीक्षक व लेखपालों के कार्यों की समीक्षा

कार्य में पिछड़े लेखपालों को एसडीएम ने लगाई फटकार

जनसंदेश न्यूज

भदोही। तहसील सभागार में मंगलवार को उपजिलाधिकारी कृपाशंकर पांडेय व तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति ने तहसील क्षेत्र के सभी राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक के दौरान एसडीएम के द्वारा सभी राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान उपजिलाधिकारी कृपाशंकर पांडेय ने समीक्षा बैठक में क्षेत्र के लेखपालों से स्वामित्व योजना, खसरा फीडिंग व खेल मैदान आवंटन की प्रगति, जल जीवन मिशन, वरासत की समीक्षा की। उन्होंने आइजीआरएस व जन संवाद, गौशाला भूमि आवंटन प्रकरण, धान खरीद सत्यापन, ई डिस्ट्रिक्ट परियोजना (आय, जाति, निवास), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, खतौनी अंश निर्धारण के बारे में जानकारी ली। एसडीएम ने तहसील दिवस, थाना दिवस एवं अन्य संदर्भ, निर्वाचन के संबंध में, सालाना कागजात दाखिला व एंटी भू माफिया के संबंध में समीक्षा करते हुए जिन लेखपालों का कार्य पिछड़ा हुआ था। उनको कड़ी फटकार लगाते हुए शासन का निदेर्शानुसार सभी बिंदुओं का निस्तारण समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यों में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर नायब तहसीलदार बलवंत उपाध्याय, राजस्व निरीक्षक अरुण प्रकाश कौल, अरविंद कुमार, लेखपाल शर्मिला राठौर, रविंद्र सिंह, अखिलेश तिवारी, राहुल गौड़, हरिकेश पांडेय, प्रियानंद श्रीवास्तव, शैलजा सहित क्षेत्र के लेखपाल मौजूद रहें।

तहसील सभागार में राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों के कार्यों की समीक्ष करते एसडीएम

ट्रक में भिड़ा बाइक सवार हुआ गंभीर रूप से घायल

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लाला नगर टोल प्लाजा के पास गोपीगंज से अपने घर जाते समय पीछे से तेज रफ्तार आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सामने खड़ी ट्रक में भिड़ गया। ट्रक में भिड? से बाइक सवार राजेंद्र बहादुर गुप्ता 45 वर्ष पुत्र कल्लू राम औराई थाना क्षेत्र के खमरिया गांव निवासी घायल हो गए। घायल अवस्था में राष्ट्रीय राजमार्ग के एंबुलेंस द्वारा गोपीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ केंद्र उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया।

अवकाश घोषित करने की मांग

ज्ञानपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल जिला महामंत्री क्रांतिमान शुक्ला की अगुवाई में 29 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के सम्बंध में ज्ञापन दिया। प्रतिनिधिमण्डल में जिला मीडिया प्रभारी भदोही प्रतीक मालवीय, सुजीत मिश्रा, घनश्याम गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कोविड की तैयारी में एल टू हॉस्पिटल हुआ पास

निरीक्षण

मॉक ड्रिल कर स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक ने परखी तैयारी

जनसंदेश न्यूज

भदोही। कोरोना के संक्रमण की दस्तक को देखते हुए उससे निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। मंगलवार को महाराजा बलवंत सिंह राजकीय चिकित्सालय में बनाए गए कोविड-एल टू हॉस्पिटल में इसको लेकर मॉक ड्रिल की गई। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ.ओपी सिंह ने वहां पर पहुंचकर जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने वहां पर पहुंचकर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय तिवारी से कोविड-एल टू हॉस्पिटल में मौजूद सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी ली। वेंटिलटर की संख्या, ऑक्सीजन प्लांट के बारे में पूछताछ की। साथ ही आवश्यक दवाओं के बारे में जाना। उन्होंने एमबीएस अस्पताल में बनाए गए कोविड-एल टू हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य ने अस्पताल के सीएमएस को अन्य और भी निर्देश दिए। इस मौके पर कोविड-एल टू हॉस्पिटल के नोडल अधिकारी डॉ.वीके मौर्य, डॉ.सुरेंद्र सिंह, पैरामेडिकल स्टाफ विकास दुबे, प्रदीप भट्ट व अरुण कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहें।

एल टू हॉस्पिटल में कोविड की तैयारी का जायजा लेते स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ.ओपी सिंह

आरक्षण को लेकर भाजपा का असली चेहरा आया सामने: बेग

जनसंदेश न्यूज

भदोही। कोर्ट के फैसले के बाद अब राज्य में निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया हैं लेकिन इसी बीच बीजेपी सरकार पर भदोही से समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग ने बीजेपी सरकार पर सीधा हमला बोला है। सपा विधायक ने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिये कहा कि निकायों में आरक्षण को ले कर आज आये अदालत के फैसले से ये साबित हो गया है कि भाजपा पिछडो के आरक्षण के खिलाफ है। सरकार द्वारा अदालत में सही से पिछडो का पक्ष न रखना यही दशार्ता है कि भाजपा हमेशा से दलित व पिछड़ा विरोधी रही है उन के हक अधिकार छीनना चाहती है। भाजपा बाबा साहब द्वारा दलितों और पिछडो को दिलाये गये अधिकार खत्म करना चाहती है। लगातार संविधान पे हमला कर रही है। अफसोस जनक बात ये है के भाजपा के पिछड़े व दलित नेता भी इस साजिश का हिस्सा बन रहे हैं। समय आने पर जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। हम सब को एक हो कर आरक्षण बचाने के लिये संघर्ष करना पड़ेगा। बाबा साहब के संविधान को बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ सभी को एक जुट होना पड़ेगा। कहा कि जितना बड़ा आंदोलन इसे पाने के लिये करना पड़ा था उससे बड़ा आंदोलन इसे बचाने के लिए करना पड़ेगा।

विधायक जाहिद बेग

प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध इओ ने चलाया अभियान, ढाई हजार वसूला जुर्माना

गोपीगंज। नगर पालिका परिषद गोपीगंज द्वारा नगर में इन दिनों सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगने के बाद भी प्रतिबंधित प्लास्टिक को बेचने और उपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नगर में मंगलवार को अधिशासी अधिकारी अमिता सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम ने ज्ञानपुर रोड से जी टी रोड तक अभियान चलाया गया। टीम ने पंद्रह दुकानदारों से प्रतिबंधित तीन किलो पांच सौ ग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त कर उनके चालान काटते हुए रु. दो हजार पांच सौ रुपये का जुमार्ना वसूला। कार्रवाई में मंगला पांडेय, विष्णु पांडेय, आशीष यादव, विवेक मोदनवाल, अचल श्रीवास्तव सहित दूसरे अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

नगरीय चुनाव को देखते हुए क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

नगरीय चुनाव को देखते हुए शहर में फ्लैग मार्च करती पुलिस

जनसंदेश न्यूज

गोपीगंज। नगरीय निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने मंगलवार को नगर गोपीगंज में फ्लैग मार्च निकाल लोगों से भयमुक्त होकर मतदान करने तथा असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर पुलिस को सूचित करने की बात कही।

बताते चले कि आगामी होने वाली नगरीय निकाय चुनावों को शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी के तहत ज्ञानपुर सदर क्षेत्राधिकारी प्रभात राय सहित कोतवाल सदानंद सिंह, चौकी इंचार्ज मनोज राय ने पैरामेट्रिक के साथ मंगलवार को क्षेत्र के एक एक गलियों सहित जीटी रोड, पश्चिम महाल, खरहट्टी मोहाल, अंजही मोहाल, काली देवी, मिजार्पुर रोड तुलसी सिनेमा रोड में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने नगरीय क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को निर्भीक होकर मतदान करने का संदेश दिया और सभी पुलिस जवानों को आगामी चुनाव के दौरान कड़ी चौकसी बरतने के निर्देश दिए। भारी संख्या में पैरों मेट्रिक के जवान सहित महिला कांस्टेबल भी मौजूद रही।

अटल भाषण प्रतियोगिता में सम्मानित हुए युवा भाजपाई

अटल भाषण प्रतियोगिता में बेहतरीन भाषण देने पर प्रिंस गुप्ता को सम्मानित करते जिलाध्यक्ष

जनसंदेश न्यूज

भदोही। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म सप्ताह के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा अटल भाषण प्रतियोगिता का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अटल भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विवेक कुमार, द्वितीय स्थान दीपक अनंत मिश्रा व तृतीय स्थान प्रिंस गुप्ता को प्राप्त हुआ। तीनो विजेताओं को भाजपा जिलाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव ने मेडल पहनाकर व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा कपिल मिश्रा, जिला प्रभारी युवा मोर्चा अंकित पांडेय, जिला उपाध्यक्ष भाजपा अखंड प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा विनय पांडेय उर्फ गोरेलाल द्वारा कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव व संचालन जिला महामंत्री युवा मोर्चा संयोग सिंह ने किया।

स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

भदोही। वाटर एड इण्डिया के तत्वाधान में नायब धावक की अध्यक्षता में मामदेवपुर में स्वच्छता के लिए लोगों को जागरुक किया गया। नायब धावक ने कहा कि स्वच्छता जीवन का अभिन्न अंग है। ग्रामीण एवं शहरी सभी लोगों का शौचालय का उपयोग एवं साफ-सफाई, ग्राम पंचायत में ठोस कचरा प्रबंधन, बच्चों के मल का सुरक्षित निपटान, हाथों को धोना एवं व्यक्तिगत स्वच्छता पेयजल का सुरक्षित उपयोग भोजन संबंधित साफ-सफाई के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस मौके पर प्रदीप, संध्या, खुशी, रिया, ब्यूटी, नीतू, नैतिक, शेखर आदि लोग मौजूद रहे।

हजरत चिंगन शाह रहमतुल्ला अलैह का उर्स 31 को

गोपीगंज। नगर के चुड़िहारी महाल मदीना मस्जिद के पास हजरत चिंगन शाह रहमतुल्ला अलैह का सालाना उर्स 31 दिसंबर को होगा। यह जानकारी आयोजक अंजुमन रजा कमेटी की बैठक मे दी गई। बैठक मे पूर्व की भांति इस बार भी सालाना उर्स आयोजन की चर्चा करते हुए इस मौके पर कुल शरीफ नातिया मुशायरा के साथ जलसा भी आयोजित किया जाएगा।

अस्पताल में गंदगी की भरमार

यह है हाल

ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार, मरीज और तीमारदारों को हो रही परेशानी

जनसंदेश न्यूज

केराकत। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गंदगी की भरमार है। गंदगी ऐसी कि निरोगी भी बीमार पड़ जाय। शिकायत है कि अस्पताल के जिम्मेदार लोग इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हालत यह है कि भर्ती वार्ड के शौचालय और वाश बेसिन गंदगी से भरे पड़े हैं। कहीं शौच करके छोड़ दिया गया है तो कहीं खराब कपड़ों को फेंका गया है जिसके कारण उठ रही दुर्गन्ध से मरीज और तीमारदार परेशान हो रहे हैं। वार्ड और उसके पास से लोग नाक बंद करके गुजरते हैं। वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों से कहा जाता है लेकिन वे लोग सुनकर बातों को अनसुना कर देते हैं।

अस्पताल वार्ड में गंदगी और भर्ती मरीजों के नाराजगी जताने की जानकारी होने पर कुछ मीडिया कर्मी जब मौके पर पहुंचे तो अस्पताल प्रशासन सक्रिय हुआ। आनन फानन में नगर पंचायत कार्यालय में फोन कर कूड़ा गाड़ी मंगाई गई और साफ सफाई कराई गई। गंदगी के बावत पूछे जाने पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार कन्नौजिया ने बताया कि अस्पताल में सफाई कर्मचारी की तैनाती नहीं है जिसके कारण यह समस्या खत्म नहीं हो पा रही है। उन्होंने बताया कि वे निजी सफाई कर्मचारियों से साफ सफाई कराते हैं।

31 दिसम्बर तक अपलोड कराए विवरण: बीएसए

ज्ञानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह ने पीएम पोषण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में कोविड-19 के दृष्टिगत विद्यालय बन्द अवधि में छात्रों व अभिभावकों को उपलब्ध कराये गये खाद्य सुरक्षा भत्ता वितरण का उपभोग प्रमाण पत्र प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड किये जाने का निर्देश दिया है। प्रेस नोट के माध्यम से बीएसए बीएन सिंह ने अवगत कराया कि जिन विद्यालयों द्वारा खाद्य सुरक्षा भत्ता वितरण का उपभोग प्रमाण पत्र अद्यतन अपलोड नही किया गया है, ऐसे दस-दस विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का रोस्टर बनाकर खाद्य सुरक्षा भत्ता वितरण से सम्बन्धित समस्त अभिलेखों जैसे खाद्यान्न वितरण का सत्यापन कोटेदार से तथा परिवर्तन लागत की धनराशि जो छात्र-छात्राओं अभिभावकों के खाते में प्रेषित की गयी है, उसका सत्यापन मध्याह्न भोजन निधि के खाते की पास बुक, जिसकी इन्ट्री अद्यतन से मिलानकर उपभोग प्रमाण पत्र विकास खण्ड स्तर से 31 दिसम्बर तक अपलोड कराये जाने हेतु अन्तिम अवसर दिया गया है।

गौशाला में क्षमता से अधिक न रखें पशु : डीडीओ

जनसंदेश न्यूज

गौराबादशाहपुर। धमार्पुर ब्लॉक के गद्दोपुर के गौशाले का डीडीओ बृजभान सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीडीओ व पशु चिकित्सा अधिकारी को अस्थाई गौशालाओं में सुधार को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

मंगलवार को दोपहर बाद डीडीओ बृजभान सिंह ने ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत गद्दोपुर स्थित अस्थाई गौशाले का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीडीओ बृजभान सिंह ने बीडीओ काशीनाथ सोनकर व पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह को निर्देश देते हुए कहाकि अस्थाई गौशाले में क्षमता से अधिक पशुओं को न रखे, पशुओं के चारा खाने वाली नाद को ऊंची कराने व ठंड में पशुओं को बचाव के लिए उचित व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद डीडीओ ब्लॉक के विकास खण्ड कार्यालय में बीडीओ व सचिवों के साथ समीक्षा बैठक किया। समीक्षा बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना, परिषदीय विद्यालयों पर कायाकल्प योजना की कार्य प्रगति, मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री आवास, पंचायत भवन व कर्मचारियों की उपस्थिति की बिंदुवार समीक्षा किया।

इस दौरान बीडीओ धमार्पुर काशी नाथ सोनकर, एडीओ आईएसबी संजय श्रीवास्तव, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, सेक्रेटरी राजेश यादव, अखिलेश कुमार गौड़, अरविंद यादव, श्रुति गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अस्थाई गौशाला का निरीक्षण करते डीडीओ बृजभान सिंह

प्राइम वन कंपनी पर लगाया शोषण का आरोप

आजमगढ़। संविदा पर कार्यरत कर्मियों ने प्राइम वन कंपनी पर मूल वेतन से कम एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कराकर शोषण करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए कार्रवाई की मांग की। कर्मियों का आरोप है कि जिले में प्राइम वन कंपनी द्वारा संविदा निविदा कर्मियों का टेंडर किया गया जिसमें उनके मूल वेतन से कम मूल वेतन पर एग्रीमेंट साइन किया गया। दूसरी तरफ संविदा कर्मी जहां मांग में 30 दिन में 26 दिन काम करते थे वहीं नई कंपनी द्वारा 30 दिन काम लेने के बाद मूल वेतन देने की बात की जा रही है। पुरानी कंपनी द्वारा कर्मचारियों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर रुपया 500 व बॉन्ड पेपर में किसी भी संगठन द्वारा धरना न करने की मांग की जा रही है, जो मजदूर के हित में नहीं है। क्योंकि धरना हमारा मौलिक अधिकार है। प्रदर्शन कर रहे कार्मिकों का आरोप है कि संविदा कर्मचारियों का नवंबर माह व दिसंबर माह का वेतन व 6 महीने से रुके ईपीएफ को लेकर अनेकों बार विभाग से कहा गया परंतु आश्वासन पर आश्वासन दिया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ कंपनी द्वारा पुराने कर्मचारियों के प्रति कोई उचित कार्यवाही न करते हुए नए लोगों की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि निविदा संविदा कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए इस टेंडर को निरस्त किया जाए तथा पुरानी कंपनी के मूल वेतन से बढ़ाकर नया टेंडर पास किया जाय।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा,** 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला के वाहन द्वारा समूह की महिलाओं को किया जागरूक

जनसंदेश न्यूज

सुरियावां। उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के निर्देशन में कार्यरत जनपद की समस्त महिला स्वयं सहायता समूह को जिलाधिकारी भदोही एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सहायक आयुक्त खाद्य के द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में मंगलवार को विकासखंड सुरियावा के समस्त महिला स्वयं सहायता समूह को खाद्य सुरक्षा के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं मुख्य वक्ता केएन त्रिपाठी के ने विभाग बीएमएम सुरियावा चंदन मिशन मैनेजर ने समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि सरकार की विभिन्न योजनाएं ऐसी हैं जिसमें समूह को आर्थिक मदद भी मिलती है।

महिला स्वयं सहायता समूह यदि भविष्य में खाद्य पदार्थों के निर्माण के संबंध में किसी भी प्रकार की मदद चाहते हैं तो विभाग द्वारा उनको व्यवहारिक एवं कानूनी मदद की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि समूह द्वारा निर्मित खाद्य पदार्थ के बोतल या डिब्बे पर उसके निर्माण के संबंध में एवं अवसान के संबंध में पूरी जानकारी होनी चाहिए। जनपद भदोही में समूह के कार्य उतनी ऊंचाई पर जाएंगे उनका पूरे भारतवर्ष में नाम होगा खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला के वाहन द्वारा सुरियावा कस्बे में भ्रमण कर विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने के जांच के बारे में मौके पर ही जांच कर दिखाया गया एवं असली और नकली के बारे में जानकारी दी गई। इस मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओमप्रकाश सिंह, एस एस डब्लू, वाहन प्रभारी प्रमोद कुमार एवं समूह की महिलाएं काफी संख्या में उपस्थित रही।

निरीक्षण में खामियों पर नाराजगी तो बेहतर काम पर जताई संतुष्टि

जायजा

डीसी मनरेगा ने सात गांवों का किया औचक निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

गभिरन। डीसी मनरेगा भूपेंद्र सिंह ने मंगलवार को खुटहन क्षेत्र के सात गांवों का औचक निरीक्षण किया। मनरेगा से कराए जा रहे कामों में जहां कुछ खामियों पर नाराजगी जतायी वहीं जहां काम की गुणवत्ता अच्छी रही वहां संतुष्टि जाहिर की। एक सप्ताह में खामियों को सुधारने हेतु तकनीकी सहायक अजय सिन्हा को निर्देशित किया। दोपहर में अचानक ईश्वरपुर सलहदीपुर गांव पहुंचे डीसी ने यहां निमार्णाधीन सीसी रोड का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां फिनशिंग सही न पाये जाने पर नाराजगी जाहिर किया। उसके बाद वे नदौली गांव में सीसी रोड, निजमापुर में पंचायत भवन, पक्की नाली व सीसी रोड, अक्खीपुर में पक्की नाली व सीसी रोड, मोहिउद्दीनपुर और लोनियापट्टी में सीसी रोड, लोढ़िया और भिवरहा में सीसी रोड देख संतुष्टि जाहिर की वहीं कसियापुर में बनायी गई पक्की नाली की गुणवत्ता देख डीसी प्रसन्न दिखे। निरीक्षण के दौरान डीसी ने कहा कि जाबकार्ड वेरीफिकेशन और आधार फीडिंग 31 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण होना चाहिए अन्यथा की स्थिति में जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई निश्चित है। बीडीओ वीरभानु सिंह को सख्ती से निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत मित्रों का सभी रजिस्टर पूर्ण रूप से अपडेट होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कई पंचायत मित्रों में यह खामी नजर आयी है। इस मौके पर तकनीकी सहायक अभिषेक सिंह, नरेगा अकाउंटेंट राहुल मिश्रा, जेई अखिलेश चतुर्वेदी मौजूद रहे।

गांव का निरीक्षण करते डीसी मनरेगा

जवाबदेही से बचने के बजाय जनता से जुड़ने वाला हो मेयर

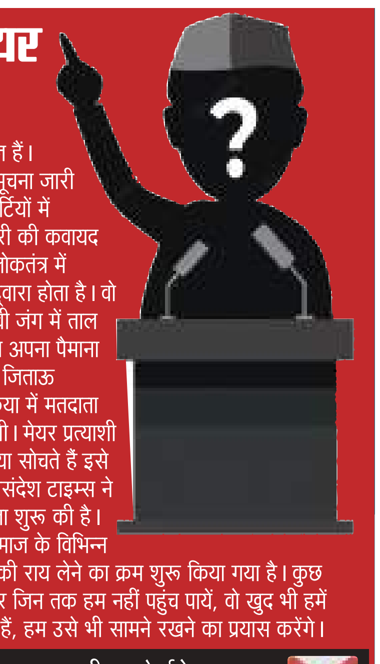

काशी का मेयर कैसा हो...?

निकाय चुनाव की तैयारियां तेज हैं। हालांकि अभी चुनाव की अधिसूचना जारी नहीं हुई है। लेकिन विभिन्न पार्टियों में संभावित प्रत्याशियों की दावेदारी की कवायद परवान चढ़ रही है। भारतीय लोकतंत्र में उम्मीदवारों का चयन पार्टियों द्वारा होता है। वो जिसे टिकट देती हैं, वही चुनावी जंग में ताल ठोकते हैं। पार्टियों के चयन का अपना पैमाना होता है, उनकी तवज्जो सिर्फ जिताऊ कैंडिडेट पर होती है। इस प्रक्रिया में मतदाता की राय कोई मायने नहीं रखती। मेयर प्रत्याशी के गुण दोष को लेकर लोग क्या सोचते हैं इसे सामने लाने के मकसद से जनसंदेश टाइम्स ने 'अपका मेयर कैसा हो' श्रंखला शुरू की है। इस कड़ी में हमारी ओर से समाज के विभिन्न तबके के अलग-अलग लोगों की राय लेने का क्रम शुरू किया गया है। कुछ लोगों तक हम खुद पहुंचेंगे और जिन तक हम नहीं पहुंच पायें, वो खुद भी हमें अपनी राय लिखकर दे सकते हैं, हम उसे भी सामने रखने का प्रयास करेंगे।

आप संबंधित जानकारी हमारे ईमेल-
jansandeshvaranasi@gmail.com
और व्हाटसएप्प नंबर
9696126371, 8090006333 पर भेज सकते हैं।

चुनावी नारों को व्यवहार में बदलने वाला हो शहर का प्रथम नागरिक

समाज के हर तबके के लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाने वाला हो

गलियों के इस शहर में मूलभूत विकास की गंगा बहाने का संकल्प हो

जितेंद्र श्रीवास्तव

वाराणसी। शहरी निकाय चुनाव की चर्चाओं के बीच ओबीसी आरक्षण के मामले में हाईकोर्ट का फैसला आ गया। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को झटका देते हुए निकाय चुनावों के लिए बीते पांच दिसम्बर को जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकार को बगैर आरक्षण निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया है। अदालत का कहना है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट की तरफ से निर्धारित ट्रिपल टेस्ट ना हो, तब तक आरक्षण नहीं माना जाएगा। खैर न्यायालय का फैसला आ गया और राज्य सरकार को अब नये तरीके से चुनाव के बाबत सोचना होगा। चुनाव तो होना है और होकर भी रहेगा। यह अलग बात है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनावी तिथियां आगे सरक सकनी तय है। लोकतंत्र का प्रथम पायदान मिनी सदन को माना जाता है, जहां मेयर और पार्षद शहरी सरकार चलाते हैं। यह शहरी सरकार वार्ड में पड़ने वाले मोहल्लों और कॉलोनियां में विकास की गंगा बहाने का संकल्प लेकर आते हैं। लेकिन मुट्ठी भर पार्षद ऐसे होते हैं, जो संकल्प को पूरा करने की कवायद करते नजर आते हैं। ऐसे लोग सत्ताधारी दल से जुड़े हुए होते हैं। गैर सत्ताधारी दल के इलाकों के मोहल्ले और कॉलोनियां अभी भी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में 'जनसंदेश टाइम्स' ने 'काशी का मेयर कैसा हो...?' श्रृंखला के तहत नगर के हर वर्ग की राय आप सभी के लोगों के सामने रखने का काम कर रहा है। साथ ही हर वर्ग के लोग इस प्रयास की काफी सराहना भी कर रहे हैं। हो भी क्यों न, 'जनसंदेश टाइम्स' ने काशी के नागरिकों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराया है, जहां लोग खुलकर न सिर्फ बात कर रहे हैं, बल्कि अपने सुझावों से चुने जाने वाले मेयर के समझ कई सवाल-सुझाव भी छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बुजुर्गों, युवाओं और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की राय ली गयी है। जानिए, वह काशी के होने वाले मेयर के बारे में अपने मन में क्या सपने संजोएं हैं। चुने जाने वाले मेयर उनकी अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे, यह तो आने वाला समय बताएगा।

प्रियरंजन श्रीवास्तव

सुरेंद्र लाल

डॉ. एसके खन्ना

दिनेश तिवारी

रवि शर्मा

विनोद गुप्ता

राकेश गुप्ता

प्रहलाद घाट निवासी और सेवानिवृत्त बैंककर्मी प्रियरंजन श्रीवास्तव का कहना है कि आजादी के बाद हमारा अनुभव यहीं रहा कि देश, प्रदेश, शहर और समाज सुधार की बात सिर्फ नारेबाजी और कोरे वादों तक सिमट कर रह गया है। ऐसे में जरूरी है कि चुनावी नारों को व्यवहार में बदलने वाला व्यक्ति हमारा मेयर बने। हर निर्णय समाज के अंतिम आदमी को ध्यान में रखकर करें। मेयर को यह समझना भी बहुत जरूरी है कि यह शहर सिर्फ आध्यात्मिक, धार्मिक और शैक्षणिक वर्ग का नहीं है। यह शहर बहुतायत संख्या में किसान, मजदूर, दलित, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, महिलाओं और बच्चों का भी है। हमें ऐसा मेयर चाहिए, जो इन सभी की समस्याओं के बारे में सचेत रूप से सोच-समझ सके और उन्हें दूर करने की दिशा में सकारात्मक काम करके दिखाए। गोलाघाट-मच्छोदरी निवासी डॉ. एसके खन्ना का मानना है कि काशी का मेयर ऐसा होना चाहिए, जिसके जरिए समाज के हर तबके के लोगों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। शिक्षा के अवसर, स्वास्थ्य सेवाएं और जीवन की जरूरी चीजें सहज उपलब्ध हों। उनके लिए मारा-मारा न फिरना पड़े। आज भी कमोवेश हर वार्ड में अक्सर सीवर के पानी में से पैदल गुजरना समस्या का सबब बन जाता है। कई बार सीवर कम्प्लेन करने के हफ़्तों बाद सफाई होता है। कंप्लेन पर त्वरित कार्रवाई हो। सिर्फ सीवर समस्या नहीं, हर नागरिक समस्या का समाधान त्वरित गति से हो, इसके लिए मेयर को बेहतर कार्ययोजना बनानी होगी। हुकुलगंज निवासी व अर्दली बाजार व्यापार मंडल के संरक्षक राकेश गुप्ता का कहना है कि बनारस गलियों का शहर है। लेकिन आज भी कई ऐसी कई गलियां है, जहां रोशनी की मुकम्मल व्यवस्था नहीं है, जिससे रात में उधर जाने में मन एक बार संकोच करता है। ऐसे जगहों को चिह्नित कर वहा प्रकाश की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। जिससे संबंधित मोहल्ले की महिलाएं और युवतियां को भी निसंकोच दिन ढलते कभी भी घर से निकलने में हिचक न हो। मेयर ऐसा होना चाहिए जो हर वार्ड में भ्रमण करें, जनता की समस्याओं को सुने और कार्ययोजना बनाकर उसका त्वरित निराकरण कराएं। चेतगंज निवासी व निवर्तमान चीफ वार्डेन (नागरिक सुरक्षा) विनोद गुप्ता का कहना है कि जहां तक मुझे ध्यान आता है कि पिछले कई मेयर के कार्यकाल केवल और केवल दिखाने के लिए रहे हैं। उनका धरातल या काशी के विकास पर कोई भी विजन या फोकस नहीं रहा। मेरी राय में काशी का मेयर ऐसा होना चाहिए जो काशी का हो, काशी के लोगों का हो और काशीवासियों के प्रति अपनत्व की भावना रखता हो। काशी को अपना परिवार समझे और हर काशीवासी से जुड़कर व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याओं के समाधान और काशी की बेहतरी के लिए प्रयास करें। काशी में विकास की ऐसी गाथा लिखें, जो पत्थर की लकीर के समान हो।

सर्वेश्वरी नगर-तिलमापुर, आशापुर निवासी व सेवानिवृत्त मंडल अभियंता सुरेंद्र लाल का कहना है कि नगर निगम में नवविस्तारित गांवों में सीवर, स्ट्रीट लाइट, सड़क, पेयजल और दैनिक सफाई की मुकम्मल व्यवस्था हो। नवागत मेयर के लिए यह कार्य चुनौतीपूर्ण हो सकता है, मगर जो चुनौतियों को भी मूर्तरूप में तब्दील कर दें, वहीं वीर कहलाता है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाला मेयर इन चुनौतियों को स्वीकार कर धरातल पर उतारने का काम करेगा। मेयर शिक्षित हो और जनसमस्या के लिए संघर्ष करने वाला हो। ऐसा न हो कि वह भी सिर्फ शिलान्यास पट्ट की शोभा और किसी समारोह का मुख्य अतिथि बनकर रह जाएं। हंस नगर कॉलोनी-सरसौली निवासी दिनेश तिवारी का कहना है कि काशी का मेयर ऐसा होना चाहिए, जो सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गुणगान न करें, बल्कि यहां के गौरव को बरकरार रखते हुए विकास के ऐसे नये सोपान स्थापित करें, ताकि काशी की जनता उनका गुणगान करने को विवश हो जाएं। काशी में वैसे तो विकास के कई काम हुए हैं, लेकिन गलियों और कॉलोनियों में अभी भी विकास का पैमाना नहीं छलका है। नवागत मेयर को इस बात का ध्यान रखना होगा कि काशी गलियों का शहर है। लिहाजा, मेयर को गलियों के इस शहर में मूलभूत विकास की गंगा बहाने का संकल्प लेना होगा। भरलाई-शिवपुरी निवासी रवि शर्मा का कहना है कि अबकी निकाय चुनाव देर से होगा, क्योंकि हाईकोर्ट के आदेश का पालन भी करना होगा। लेकिन जब भी होगा, पार्षद के साथ मेयर का भी चुनाव होगा। जनता अपने शहर के प्रथम नागरिक को चुनेगी। क्योंकि, मेयर शहर का प्रथम नागरिक होता है और उसको किसी दल, जाति, धर्म या वर्ग से बंधकर विकास की बात नहीं सोचना चाहिए। मेयर को इस बात पर ध्यान नहीं देना चाहिए कि उसे किस क्षेत्र से अधिक वोट मिला है और किस क्षेत्र से कम। मेयर चुने जाने के बाद उसे हर तबके, हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

2024 की दिशा तय करेंगे सुप्रीम कोर्ट के 8 फैसले

साल 2023 में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले आने वाले हैं, जो पूरे देश की राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों पर भी इन फैसलों का महत्वपूर्ण असर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। इससे पहले 2023 में दस राज्यों में वधिानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों से लोकसभा की कुल तादाद का 17 फीसदी यानि 93 सांसद आते हैं। इनमें से कई राज्य विधानसभा चुनावों पर भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का असर पड़ना तय है। इन आठ फैसलों पर रहेगी सबकी नजरः जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद से वहां का माहौल ही पूरी तरह से बदल गया है। यहां सरकार ने परिसीमन के जरिये काफी कुछ बदलने की कोशिश की है। नए पैटर्न में जम्मू में 43 और घाटी में 47 सीटें हैं। पीओके को मिला दिया जाए तो सीटें 114 तक पहुंच जाती हैं। परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में फैसला लंबित है। दो याचिकाओं में परिसीमन को गलत बताया गया है। हालांकि केंद्र, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और चुनाव आयोग अपने कदम को सही मानता है। लेकिन गेंद फिलहाल सुप्रीम कोर्ट के पाले में है। कोर्ट ने इस पर 1 दिसंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब नए साल में कभी भी फैसला आ सकता है। इसका असर जम्मू-कश्मीर सहित 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा।

जम्मू-कश्मीर के परिसीमन पर कभी भी आ सकता है निर्णय

चुनाव आयोग में केंद्र की भूमिका पर होगा फैसला

2023 में होने वाला एक और फैसला काफी असर डाल सकता है। डीवाई चंद्रचूड़ के सीजेआई बनने के बाद शीर्ष अदालत ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर कई सवाल उठाए। उन पर उसका जवाब आना बाकी है। अगर सुप्रीम फैसला केंद्र के मुताबिक न रहा तो 2024 में इसका काफी असर पड़ेगा। याचिका में कहा गया है कि ये संवैधानिक पद है। सरकार का दखल इसमें सही नहीं है। याचिका में मांग की गई है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति उसी तरह से होनी चाहिए जैसे सीबीआई या दूसरे अहम पदों पर कमेटी के जरिये नियुक्ति होती है।

मोदी की नोटबंदी सही या गलत, सुप्रीम कोर्ट बताएगा

मोदी सरकार का नोटबंदी का फैसला बहुत ज्यादा चर्चा में रहा। सही गलत को लेकर आज भी चचाएं जारी हैं। लेकिन अब ये मामला भी सुप्रीम कोर्ट के पास है। 2016 में हुई नोटबंदी को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 2023 में फैसला सुना सकता है। संविधान बेंच 7 दिसंबर को मामले की सुनवाई पूरी कर चुकी है। अदालत का फैसला सरकार पर बहुत ज्यादा असर डालने वाला है। नतीजा पक्ष में रहा तो कोई बात नहीं लेकिन अगर ये मन माफिक नहीं हुआ तो दूसरे फैसलों को लेकर भी आवाजें उठनी शुरू हो जाएंगी।

कमजोर तबके को आरक्षण पर फैसला लंबित है

कमजोर माली हालत वाले वर्ग को दाखिले और नौकरियों में 10 फीसदी का आरक्षण दिया जाना है। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पटीशन दाखिल कर कहा है कि इस आधार पर जिन्हें रिजर्वेशन दिया जा रहा है, वो इसके सही हकदार नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान बेंच ने तीन-दो के बहुमत से केंद्र के फैसले को सही माना। लेकिन अब उसे द्रमुक की याचिका पर फैसला देना है। फैसला केंद्र के मुताबिक नहीं रहा तो इसका बहुत ज्यादा असर 2024 में देखने को मिल सकता है। इनके अलावा दो और फैसलों पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख अहम रहने वाला है। अहम पदों पर बैठे लोगों की बयानबाजी पर संविधान बेंच ने आदेश सुरक्षित रखा है। 2023 में ये फैसला आना है। इसके अलावा सीआरपीसी की धारा 319 की व्याख्या संविधान बेंच को करनी है। सुप्रीम कोर्ट को तय करना है कि किसी आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद भी उस केस में क्या किसी नए व्यक्ति को आरोपी बनाया जा सकता है?

हिजाब मामले पर सुप्रीम कोर्ट को देना है अहम फैसला

2022 में हिजाब विवाद काफी सुर्खियों में रहा। कर्नाटक के उडुपी से शुरू हुआ विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। मुस्लिम समुदाय राज्य सरकार के उस फैसले को गलत मानता है जिसमें हिजाब को शिक्षण संस्थानों में गलत ठहराया गया। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बीजेपी सरकार के फैसले को सही बताया, लेकिन अब फैसला सुप्रीम कोर्ट को करना है। कोर्ट 2023 में इस पर फैसला सुना सकता है। ये काफी अहम रहने वाला है।

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की व्याख्या करेगा एससी

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 पर सुप्रीम फैसला बेहद महत्वपूर्ण है। मथुरा, काशी पर विवाद लगातार चल रहा है। एक्ट में बदलाव पर अदालत के फैसले से देश में मंदिर-मस्जिद विवाद नए आयाम ले सकता है। 1991 के एक्ट से राम मंदिर को बाहर रखा गया था। राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट फैसला दे चुका है। लेकिन दक्षिण पंथी लोग काशी, मथुरा को लेकर कमर कस रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस लिहाज से बेहद अहम है।

क्या है लोन फ्रॉड केस जिसमें गिरफ्तार हो रहे बड़े-बड़े लोग?

सीबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत को गिरफ्तार किया है। इससे पहले चंदा कोचर और उनके पति गिरफ्तार किए जा चुके हैं। धूत की गिरफ्तारी आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य अधिकारी व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी के 3 दिन बाद हुई है। शुक्रवार को सीबीआई ने चंदा कोचर और उनके पति को 2012 में वीडियोकॉन समूह को बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण में धोखाधड़ी के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

धूत पर क्या है आरोप?

71 साल के धूत को वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को आईसीआईसीआई बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण में कथित धोखाधड़ी और अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को बैंक से मार्च 2012 तक कथित रूप से 1,730 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ने ट्रेंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, सेंचुरी अप्लायंसेज लिमिटेड, कैल लिमिटेड, वैल्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड और इवान फ्रेजर एंड कंपनी इंडिया लिमिटेड को लगभग 3,250 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधाओं को मंजूरी दी थी। ये सभी कंपनियां वेणुगोपाल धूत के वीडियोकॉन ग्रुप से संबंधित थीं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के अधिकारियों ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, आरबीआई दिशा-निर्देशों और बैंक की क्रेडिट नीति का उल्लंघन कर इन कंपनियों को क्रेडिट सुविधाएं मंजूर कीं।

कई दूसरी कंपनी में निवेश करने का आरोप

आरोप है कि धूत ने सुप्रीम एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) के माध्यम से नूपावर रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआरएल) में 64 करोड़ रुपए का निवेश किया और एसईपीएल को दीपक कोचर द्वारा प्रबंधित पिनेकल एनर्जी ट्रस्ट को एक सर्किट रूट से स्थानांतरित कर दिया। यह 2010 और 2012 के बीच किया गया था। पिनेकल एनर्जी ट्रस्ट और एनआरएल का प्रबंधन दीपक कोचर के ही पास था। सीबीआई ने कोचर दंपति और वीडियोकॉन समूह के चेयरमैन के साथ-साथ नूपावर रिन्यूएबल्स, सुप्रीम एनर्जी, वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिडेट और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खिलाफ भी आपराधिक साजिश व भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की थी। सीबीआई की पूछताछ में चंदा कोचर ने अपने पति और धूत के बीच किसी भी तरह के आर्थिक लेनदेन की जानकारी होने से इंकार किया था। वित्तीय अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी इस जांच में शामिल है। ईडी ने पिछले महीने धूत से इस मामले में पूछताछ की थी। एजेंसी इससे पहले इस मामले में नूपावर रिन्यूएबल्स के निदेशक और धूत के करीबी सहयोगी महेश पुंगलिया से भी पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने फरवरी 2019 में धूत, कोचर और उनके पति दीपक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पहले भी उनके आवासों पर तलाशी ली जा चुकी है। गहन जांच के बीच कोचर को करोड़ों रुपए के इस धोखाधड़ी मामले के कारण 2018 में आईसीआईसीआई बैंक में अपने पद से हटना पड़ा था। उन्होंने अपने और अपने पति के खिलाफ सभी आरोपों से इंकार किया था।